जेन प्लस के प्रयासों से पटना में 102 एम्बुलेंस सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में हुआ व्यापक सुधार

● ब्रजेश सहाय

बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रही है, जिसमें 102 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन गई है। राज्य सरकार के सहयोग से संचालित यह सेवा जेन प्लस सर्विसेज के प्रबंधन में और अधिक प्रभावी तथा सुलभ बनती जा रही है, जिससे आम नागरिकों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो पा रही है। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में अग्रणी जेन प्लस सर्विसेज ने नवंबर 2024 में संचालन की जिम्मेदारी संभालने के बाद से राज्यभर में एम्बुलेंस सेवाओं को नई दिशा दी है। कंपनी ने तकनीकी दक्षता, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और प्रशिक्षित मानव संसाधन के माध्यम से सेवा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य किया है। इसके परिणामस्वरूप न केवल सेवाओं की पहुंच बढ़ी है, बल्कि मरीजों को समय पर और बेहतर चिकित्सा सुविधा भी सुनिश्चित हो रही है। यह मॉडल पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) का सशक्त उदाहरण है, जिसमें 50 प्रतिशत एम्बुलेंस राज्य सरकार द्वारा और शेष 50 प्रतिशत जेन प्लस द्वारा संचालित की जा रही हैं। इसका मुख्य उद्देश्य आम जनता तक समय पर और नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

वर्तमान में जेन प्लस बिहार में कुल 2,051 एम्बुलेंस का संचालन कर रही है। इनमें

सिर्फ राजधानी पटना में 111 एम्बुलेंस सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, जिनमें 28 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (ALS), 69 बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) एम्बुलेंस और 14 शव वाहन शामिल हैं। इन संसाधनों के माध्यम से प्रतिदिन लहभग 242 मरीजों को नि:शुल्क आपातकालीन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, जो इस सेवा की व्यापकता और प्रभावशीलता को दर्शाता है। फरवरी 2026 के आंकड़ों के अनुसार, पटना जिले में कुल 6,761 मामलों में एम्बुलेंस सेवाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की गई। इनमें 3,985 गर्भवती महिलाएं शामिल हैं, जिन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाकर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित किया गया। इसके अलावा 92 नवजात शिशुओं को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े 315 मामलों में भी तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए मरीजों को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि 2,369 अन्य आपातकालीन स्थितियों में भी सेवाएं प्रभावी रूप से प्रदान की गईं। जेन प्लस सर्विसेज द्वारा संचालन संभालने के बाद से सेवा की कार्यप्रणाली में लगातार सुधार देखने को मिला है। कॉल रिस्पॉन्स टाइम में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे मरीजों तक एम्बुलेंस की पहुंच पहले की तुलना में अधिक तेज और सटीक हुई है। साथ ही, यात्रा के दौरान मरीजों की देखभाल के स्तर में भी सुधार हुआ है, जिसमें प्रशिक्षित ईएमटी और आधुनिक उपकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस संबंध में प्रोजेक्ट हेड दीपक श्रीवास्तव ने कहा, "अब तक किए गए सुधार हमारे लिए गर्व का विषय हैं, लेकिन हमारा लक्ष्य इससे आगे बढ़कर एम्बुलेंस सेवाओं को और अधिक उन्नत बनाना है। हम आधुनिक तकनीक को मानवीय संवेदनशीलता के साथ जोड़कर सेवा के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे ड्राइवर, ईएमटी और हेल्पर इस सेवा की सबसे

बड़ी ताकत हैं। उनकी निरंतर मेहनत, समर्पण और तत्परता के कारण ही यह संभव हो पाया है कि हम जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुंचा सकें। यह उपलब्धि जेन प्लस बिहार टीम के प्रत्येक सदस्य के सामूहिक प्रयास का परिणाम है।" पटना जिला के अंतर्गत कुल 111 एंबुलेंस संचालित है जिसमें 28 एडवांस लाईफ(ALSA) (28) सपोर्ट बेसिक लाईफ सपोर्ट (BLSA) और 14 शव वाहन संचालित है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सभी सरकारी हॉस्पिटल पर एंबुलेंस सेवा सभी पब्लिक के लिए 24X7 संचालित है। सभी के लिए मुफ्त सार्विस दिया जाता है। आम आदमी 102 टॉल फ्री नंबर पर कॉल कर सर्विस लेते है। PMCH, NMCH, IGIMS, IGIC, LNJPN Hospital, सभी SDH, सभी PHC, CHC पर संचालित हैं।

जेन प्लस ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और मार्गदर्शन के बिना इस स्तर की सेवाएं प्रदान करना संभव नहीं होता। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ राज्यभर में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने का प्रयास जारी रहेगा। ●

प्रेम यूथ फाउंडेशन के वॉलंटियर ने राहगीरों को बांटी भोजन-पानी

● **ब्रजेश सहाय**

प्रेम यूथ फाउंडेशन में वॉलेंट्रीयरशिप कर रहे वॉलंटियर अनिमेष कुमार और प्रत्यय अमृत की टीम ने महेश नगर, पटना में तपती धूप में राहगीरों को भोजन, पानी उपलब्ध कराया। मौके पर उपस्थित फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नही है, नर ही नारायण है। ए.एन. कॉलेज पटना के वॉलेंट्रीयरशिप कर रहे वॉलंटियर ने स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति अभियान, कपड़ा का थैला निर्माण, पौधारोपण, रक्तदान, भोजन वितरण, योगाभ्यास लगातार कर रहे है। नई शिक्षा नीति मे 30 घंटा का वॉलेंट्रीयरशिप को अनिवार्य किया गया है। यह छात्र-छात्राओं को समाज से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। हर व्यक्ति को एक घंटा देश को और एक घंटा देह को देना ही चाहिए। भोजन वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ० मोहिता सरदाना ने फीता काटकर किया। उन्होंने वॉलंटियर के कार्यो की सराहना करते हुये कहा कि हम सबो की जिम्मेदारी

है कि समाज के बेहतरी के लिए काम करे। विकसित भारत के सपनो को साकार करने में युवाओ की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रोग्राम ऑफिसर अविनाश पांडेय ने बताया कि फॉउंडेशन युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शतत प्रयासरत है। मौके पर अनिमेष कुमार, प्रत्यय अमृत, सुहैल साबरी जहरा अहमद, रिमझिम कुमारी, कुमार वरुणेश, प्राची कुमारी, गंगा देवी महिला महाविद्यालय की खुशी कुमारी, मनीष कुमार मौजूद रहे। ●

मसौढ़ी के लाल ने जीता वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप का खिताब

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

बिहार के मसौढ़ी के रहने वाले लाल दिलीप कुमार ने प्रथम वर्ल्ड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप-2026 में कमाल करके पूरे मसौढ़ीवासियों को गौरवान्वित किया है। दिलीप कुमार ने 'फॉरवर्ड बेंड' प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर भारत का मान बढ़ाया है। इस प्रदर्शन ने एक बार फिर से भारत को विश्व गुरु योगासन में पहुंचाया है। यह प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता 4 से 8 जून तक गुजरात के अहमदाबाद स्थित ट्रांस स्टेडियम में आयोजित की गई। वर्ल्ड योगासन द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप को योगासन भारत द्वारा संपन्न कराया गया। इसमें 40 से अधिक देशों के एथलीटों ने हिस्सा लिया। वर्ल्ड योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 के लिए बिहार से पाँच खिलाड़ियों का चयन हुआ था, जिसे भारतीय राष्ट्रीय योगासन टीम के लिए आधिकारिक चयन परीक्षण 1 और 2 मई 2026 को भारतीय खेल प्राधिकरण केन्द्र, हरियाणा में आयोजित हुआ।

यहां एथलीटों ने पारंपरिक, कलात्मक, लयबद्ध और एथलेटिक योगासन श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा की। पूरे मसौढ़ी में उनके इस उपलब्धि पर खुशी कीं लहर है। दिलीप कुमार के इस उपलब्धि पर शिक्षाविद राहुल चंद्रा, रमाकांत रंजन, आचार्य विश्वरंजन, पूर्व मुख्य पार्षद पंकज कुमार सिंह, अश्विनी गोल्डी, डॉ० सुधीर कुमार, मुख्य पार्षद पिंकी देवी, शंभू सिंह, डॉ० राम जयपाल, डॉ० मंगल, नवल भारती, डॉ० अखिल पियुष, डॉ० सुप्रिया कुमारी, डॉ० प्रवीण कुमार, डॉ० स्वेता सिन्हा सहित कई लोगों ने दिलीप कुमार को बधाई दिया है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन से न केवल बिहार का मान बढ़ा है बल्कि राज्य के अन्य युवाओं को भी योगासन जैसे पारंपरिक खेलों को पेशेवर स्तर पर अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। योग ने करोड़ो लोगों के जीवन में आमूल चूल परिवर्तन किया है, जिससे लोगों की जीवन शैली स्वस्थ हुआ है। 8 जून को विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित कर पुरस्कृत किया जाएगा। डॉ० दिलीप कुमार ने वर्ष 2022 में मसौढ़ी के गिरिजा कुंवर हाई स्कूल से योग की शुरुआत की थी। शुरुआती दिनों में उन्होंने नियमित अभ्यास के साथ योग की तकनीकों को समझने पर विशेष ध्यान दिया। कठिन मेहनत, समर्पण, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का ही परिणाम है कि आज डॉ० दिलीप कुमार ने विश्व पटल पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीते हैं।●

फ्रेंड्स क्लब मसौढ़ी के नवनियुक्त अध्यक्ष बने डॉ. सुधीर कुमार

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

बाल विद्या निकेतन स्कूल में ''फ्रेंड्स क्लब'' मसौढ़ी का बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता क्लब के उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रमुख रामाकांत रंजन किशोर और संचालन उपसचिव मो. अरफराज शाहिल ने किया। क्लब के पूर्व बैठक में लिये गये निर्णय की सम्पूष्टि की गई और संगनात्मक मजबूती पर बल दिया गया। क्लब में नये सदस्यों को जोडने, खेल जगत में खिलाडियों की समस्याओ पर सुधार कर खेल को सुदृढ बनाने पर बल दिया गया। बैठक में पत्रकार एवं क्लब के कोषाध्यक्ष अरुण कुमार ने 26 जनवरी 2026 के हुये स्व० फुलेना पाण्डेय मेमोरियल फाइनल फुटबॉल मैच के आय-व्यय का ब्योरा रखा, जिसे बैठक में सदस्यों ने पारित कर दिया। सन् 1954 से स्थापित इलाके की प्रतिष्ठित फुटबॉल संस्था ''फ्रेंड्स क्लब'' मसौढ़ी के पूर्व अध्यक्ष ध र्मवीर प्रसाद के निधन के बाद रिक्त अध्यक्ष पद पर प्रसिद्ध डॉ० सुधीर कुमार को सर्वसम्मति से चुन लिये गये। क्लब के सभी सदस्यों ने नये अध्यक्ष चुने जाने पर माला पहना कर बधाई दी। साथ ही बैठक में दिवंगत धर्मवीर प्रसाद के पुत्र निर्देश चन्द्रा उर्फ वरुण को क्लब के उपाध्यक्ष पद पर चुना गया। इस अवसर पर डॉ. सुधीर कुमार ने कहा कि धर्मवीर प्रसाद जी का क्लब में योगदान अविस्मरणीय है। उनके पदचिन्हों पर चलते हुए क्लब को आगे बढ़ाने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में मौजूद सदस्यों ने नए अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए क्लब की गौरवशाली परंपरा को और मजबूत करने का संकल्प लिया। बैठक के अंत में क्लब के पूर्व अध्यक्ष स्व० धर्मवीर प्रसाद के निधन पर शोकसभा में मौनव्रत रख श्रद्धांजलि दी गई।

बैठक में क्लब के उपाध्यक्ष रामाकांत रंजन किशोर, रामनाथ प्रसाद उर्फ पुनाई जी उपसचिव अजय कुमार बबलू, संजय केशरी, अरफराज शाहिल, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार, कोच प्रमोद कुमार सिंह, टीम मनेजर अरविंद कुमार के अलावा अमर कुमार, विजय कुमार गुप्त, योगेंद्र चंद्रवंशी, डॉ० नागेश्वर प्रसाद, श्रीकांत कुमार, राजू मालाकार शामिल रहे। ●

कोल्डड्रिंक बताकर पिला दिया पेशाब

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने पूर्णिया जिले की उस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिसमें एक विद्यालय के प्रधानाध्याप ने पहली कक्षा के एकध सात वर्षिय छात्रा को "कोल्ड ड्रिंक" बताकर कथित रूप से पेशाब पिला दिया। उन्होंने कहा कि यह घटना केवल एक बच्ची के साथ अमानवीय व्यवहार नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में गिरते संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों का भयावह उदाहरण है। डॉ पटेल ने कहा कि गुरु को भारतीय संस्कृति में भगवान से भी ऊँचा स्थान दिया गया है। माता-पिता अपने बच्चों को विद्यालय इसलिए भेजते हैं ताकि वे शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और मानवता सीख सकें। लेकिन जब विद्यालय में ही बच्चों की गरिमा और सम्मान सुरक्षित नहीं रहे, तब समाज को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग शिक्षा जगत को कलंकित कर रहे हैं और इनके कारण समाज में शिक्षकों के प्रति सम्मान को भी ठेस पहुँचती है। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि चरित्र निर्माण होना चाहिए। यदि शिक्षक स्वयं नैतिकता और संवेदनशीलता खो देंगे तो आने वाली पीढ़ी पर उसका अत्यंत नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने मांग की कि आरोपी के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई हो तथा विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति के समय केवल शैक्षणिक योग्यता ही नहीं, बल्कि उनके आचरण, संस्कार और मानसिक संतुलन की भी गंभीर जांच हो। डॉ पटेल ने कहा कि बच्चों के मन पर ऐसी घटनाओं का गहरा मानसिक प्रभाव पड़ता है। सरकार और प्रशासन को विद्यालयों में सुरक्षा, नैतिक शिक्षा और निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करना चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की शर्मनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों के व्यवहार और मानसिक स्थिति पर लगातार ध्यान दें तथा किसी भी प्रकार की असामान्य घटना होने पर तुरंत आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंदिर है और शिक्षक उसका पुजारी। यदि मंदिर के पुजारी ही अपने कर्तव्य और मर्यादा भूल जाएं, तो समाज का भविष्य अंधकारमय हो सकता है। इसलिए समय रहते शिक्षा व्यवस्था में नैतिक मूल्यों और संस्कारों को पुनर्स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। ●

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को डॉ. लक्ष्मीनारायण का सुझाव

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने बिहार के माननीय मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सम्राट चौधरी को सुझाव देते हुए कहा है कि आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपराध और भ्रष्टाचार है। जब तक निर्दोष व्यक्ति न्याय के लिए भटकता रहेगा और दोषी व्यक्ति व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाता रहेगा, तब तक सुशासन का दावा अधूरा रहेगा। उनहोंने दो सुझाव दिया कि डॉ. पटेल ने कहा कि राज्य सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिसमें किसी भी निर्दोष व्यक्ति को जेल न जाना पड़े। यदि जांच में यह प्रमाणित हो जाए कि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही, दुर्भावना अथवा भ्रष्ट आचरण के कारण किसी निर्दोष को जेल जाना पड़ा, तो संबंधित अधिकारी को भी जेल का दंड मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों तथा विभागीय अधिकारियों को कार्यालयों की चारदीवारी से निकलकर नियमित रूप से क्षेत्र में जाना चाहिए। प्रखंड, अंचल, आपूर्ति कार्यालय, राजस्व विभाग तथा अन्य सरकारी संस्थानों में बिना पूर्व सूचना के निरीक्षण होने चाहिए। जनता जिन समस्याओं से प्रतिदिन जूझ रही है, उनका वास्तविक चित्र वातानुकूलित कमरों में नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों और सरकारी दफ्तरों की लंबी कतारों में दिखाई देता है। डॉ. पटेल ने कहा कि भ्रष्टाचार केवल सरकारी धन की चोरी नहीं है, बल्कि यह गरीब की थाली, किसान की जमीन, छात्र की छात्रवृत्ति और मरीज की दवा पर डाका है। जो अधिकारी जनता को परेशान कर रिश्वत मांगते हैं, फाइलों को जानबूझकर लटकाते हैं अथवा अपने पद का दुरुपयोग करते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। प्रशासन को यह संदेश देना होगा कि ईमानदार अधिकारी सम्मान पाएंगे और भ्रष्ट तत्व किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि अपराधी और भ्रष्टाचारी दोनों समाज के शत्रु हैं। अपराधी कानून का भय समाप्त करता है, जबकि भ्रष्टाचारी जनता का विश्वास समाप्त करता है। यदि सरकार वास्तव में बिहार को विकास, निवेश और रोजगार के नए युग में ले जाना चाहती है, तो अपराध और भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रतिदिन, निरंतर और दृश्यमान कार्रवाई करनी होगी। डॉ. पटेल ने कहा कि जनता को केवल भाषण नहीं, परिणाम चाहिए। जब आम नागरिक देखेगा कि कानून सबके लिए समान है, भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई हो रही है और निर्दोषों को न्याय मिल रहा है, तभी सुशासन का सपना साकार होगा। बिहार को भय, भ्रष्टाचार और अन्याय से मुक्त बनाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा भी है। नित्य दिन प्रखण्ड, अंचल, थाना आदि विभाग से डीएम एसपी हथकड़ी पहना कर ले जाएं। ऐसे योजना से अधिकारी सुधर जाएगा।●

गांव बचेगा तो अन्न बचेगा, अन्न बचेगा तो ही भारत बचेगा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि गांव केवल बस्ती नहीं, बल्कि देश की जीवनरेखा और आत्मा है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जिस दिन गांव कमजोर हो जाएगा, उसी दिन देश की अन्न-व्यवस्था और अस्तित्व दोनों संकट में पड़ जाएंगे। डॉ. पटेल ने कहा कि गांवों में ही किसान पसीना बहाकर अन्न पैदा करता है, जो पूरे देश की भूख मिटाता है। उन्होंने तीखा सवाल उठाया, "अगर गांव ही नहीं रहेगा तो अनाज कहाँ से पैदा होगा? और जब अन्न ही नहीं होगा तो जीवन कैसे चलेगा?" उन्होंने आरोप लगाया कि आज विकास के नाम पर कई जगहों पर गांव की जमीनों को कारखानों, बड़े-बड़े महलों और अव्यवस्थित शहरीकरण की भेंट चढ़ाया जा रहा है, जो धरती और पर्यावरण दोनों के लिए गंभीर खतरा है। यह स्थिति केवल विकास नहीं बल्कि "धरती के साथ अन्याय" बनती जा रही है। डॉ. पटेल ने कहा कि किसान और मजदूर पहले ही आर्थिक दबाव और कर्ज के बोझ से जूझ रहे हैं। यदि गांवों की आत्मा और कृषि व्यवस्था को कमजोर किया गया तो यह संकट और गहरा होगा, जिससे सामाजिक असंतुलन और पलायन बढ़ेगा। उन्होंने सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि विकास का मतलब विनाश नहीं होना चाहिए। "ऐसा विकास किसी काम का नहीं जिसमें किसान और मजदूर आत्महत्या के लिए मजबूर हों।" अंत में उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि जनता अब सब कुछ देख रही है और यदि गांव, किसान और अन्नदाता की उपेक्षा जारी रही तो जनता अपने विवेक से बड़ा निर्णय लेने को बाध्य होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश को ऐसी नीति चाहिए जो गांव को बचाए, किसान को सम्मान दे और धरती को सुरक्षित रखे। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने मोदी जी को कहा कि समुचे बिहार अपराध का नगरी और भ्रष्टाचार का साम्राज्य है। लाशों की कतारें सजती जा रही है बावजूद आंसू बहाने के बदले जनता को जीरो टॉलरेंस का नारा परोसा जा रहा है। इस नारा से बिहार के भाजपाई, भ्रष्ट अफसर ताल ठोक रहा है।●

सम्राट चौधरी जी अपराध करने के लिए कारतूस आकाश से आता है या पाताल से?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने माननीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से कहा कि आपका अखबार में व्यान था कि अपराधी, भ्रष्टाचारी और दलाल सब बेउर जेल जाएगे। ऐसे मुहावरा से अपराध रोका नहीं जा सकता? जीरो टॉलरेंस के नारा से भी अपराध रोका नहीं जा सकता है। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि बिहार में अपराध अब कोई सामान्य घटना नहीं रह गया है, बल्कि यह शासन-प्रशासन की कार्यशैली पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बन चुका है। हत्या, लूट, रंगदारी, अपहरण और गोलीबारी की घटनाएँ जिस तेजी से बढ़ रही हैं, उससे आम जनता भय और असुरक्षा के वातावरण में जीने को मजबूर है। हर दिन अखबारों की सुर्खियाँ खून से लाल हो रही हैं, लेकिन सत्ता और प्रशासन के चेहरे पर चिंता कम और औपचारिक बयानबाजी अधिक दिखाई देती है। अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है और कानून का डर धरातल से गायब होता जा रहा है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने बिहार में बढ़ते अपराध पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अपराध अपने आप पैदा नहीं होता। अपराध करने के लिए हथियार चाहिए, कारतूस चाहिए और उसके पीछे पूरा नेटवर्क चाहिए। सवाल यह है कि आखिर अपराधियों तक असली कारतूस पहुँचता कहाँ से है? क्या वह आकाश से टपकता है या पाताल फाड़कर निकलता है? यदि अपराधी नकली हथियार का इस्तेमाल कर सकते हैं, तो असली कारतूस कौन उपलब्ध करा रहा है?

यही वह सबसे बड़ा सच है, जिस पर सरकार और प्रशासन मौन साधे बैठा है। उन्होंने कहा कि सरकार यदि सचमुच अपराध रोकना चाहती, तो सबसे पहले अवैध हथियार और कारतूस आपूर्ति करने वाले नेटवर्क पर बुलडोजर चलाती। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अपराध की जड़ों को काटने के बजाय केवल घटनाओं के बाद खानापूर्ति की जा रही है। अपराधी पकड़े जाते हैं, जेल जाते हैं, फिर बाहर आकर वही खेल शुरू हो जाता है। असली सरगना और आपूर्ति तंत्र तक हाथ पहुँचता ही नहीं। यही कारण है कि अपराध का उद्योग दिन-प्रतिदिन मजबूत होता जा रहा है। डॉ पटेल ने कठोर शब्दों में कहा कि बिहार में "जीरो टॉलरेंस" केवल भाषणों और पोस्टरों तक सीमित होकर रह गया है। यदि सरकार की नीयत साफ होती तो अपराध में इस्तेमाल होने वाले कारतूस की सप्लाई रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जाता। सीमाओं की निगरानी मजबूत होती, अवैध तस्करों पर कठोर कार्रवाई होती और संरक्षण देने वाले सफेदपोश चेहरों को बेनकाब किया जाता। लेकिन आज स्थिति यह है कि अपराधी खुलेआम गोलियाँ बरसा रहे हैं और आम नागरिक अपने ही घरों में असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि अपराधी तभी तक ताकतवर है, जब तक उसे गोली और संरक्षण मिलता रहेगा। जिस दिन कारतूस की आपूर्ति पर पूरी तरह रोक लग जाएगी, उसी दिन अपराध जगत की कमर टूट जाएगी। सरकार चाहे तो अपराध में 90 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है, लेकिन इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति चाहिए, दिखावटी बयान नहीं।

डॉ पटेल ने कहा कि जनता अब केवल भाषण नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई चाहती है। निर्दोष लोगों का खून बहने के बाद संवेदना प्रकट करने से व्यवस्था की विफलता नहीं छिप सकती। अपराध की जड़ों पर प्रहार किए बिना कानून व्यवस्था सुधरने वाली नहीं है। यदि समय रहते सरकार नहीं चेती, तो आने वाले दिनों में अपराध और भय का दायरा और भी भयावह रूप ले सकता है। उन्होंने अंत में कहा कि बिहार की जनता अब जवाब मांग रही है ख्र आखिर अपराधियों तक पहुँचने वाले असली कारतूस का स्रोत कौन है, और उस पर कार्रवाई कब होगी?●

जन्म प्रमाण पत्र के नाम पर किया जा रहा परेशान?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि बिहार में जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की जटिल प्रक्रिया को लेकर आम लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। आरोप और सवाल उठ रहे हैं कि यह प्रक्रिया इतनी जटिल क्यों बना दी गई है कि सामान्य नागरिक के लिए यह किसी प्रशासनिक परीक्षा से कम नहीं रह गई है। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया में मजिस्ट्रेट, वार्ड पार्षद, गवाहों और कई दस्तावेजों की अनिवार्यता ने व्यवस्था को आम जनता से दूर कर दिया है। उन्होंने सवाल उठाया, "क्या बच्चे के जन्म के समय मजिस्ट्रेट मौजूद रहता है? क्या वार्ड पार्षद या पाँच गवाह जन्म के समय उपस्थित थे?" उनका कहना है कि जहाँ एक ओर सरकार डिजिटल इंडिया और सरल प्रशासन की बात करती है, वहीं दूसरी ओर आम नागरिकों के लिए प्रक्रिया इतनी लंबी और खर्चीली बना दी गई है कि गरीब और ग्रामीण परिवार सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं।

❖ **प्रमुख सवाल जो उठ रहे हैं :-**

☞ जन्म प्रमाण पत्र के लिए इतनी जटिल प्रक्रिया क्यों?

☞ क्या हर सामान्य नागरिक के पास इतने दस्तावेज और गवाह संभव हैं?

☞ क्या यह व्यवस्था गरीब परिवारों को बाहर करने वाली नहीं बन रही?

☞ स्कूल में नामांकन जैसे बुनियादी कार्य के लिए भी कठिन प्रक्रिया क्यों?

❖ **आरोप और राजनीतिक सवाल :-** कहा जा रहा है कि इस तरह की प्रक्रियाएँ जनता को सुविधा देने के बजाय उलझन बढ़ा रही हैं। कुछ लोग इसे प्रशासनिक लापरवाही तो कुछ इसे व्यवस्था की असंवेदनशीलता बता रहे हैं। वहीं यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि जमीनी स्तर पर भाजपा के जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारी इस मुद्दे पर मौन बने हुए हैं।

❖ **जनता की पीड़ा :-** ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली शिकायतों में यह भी सामने आ रहा है कि जन्म प्रमाण पत्र बनवाने में न केवल समय बल्कि हजारों रुपये तक खर्च हो जाते हैं। ऐसे में गरीब परिवारों के लिए यह प्रक्रिया और भी कठिन बन जाती है।●

☞ "डिजिटल इंडिया के बावजूद कागजी उलझन जारी"

☞ "सरल प्रक्रिया के दावे और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर"

☞ "स्कूल एडमिशन में जन्म प्रमाण पत्र बना बाधा"

निष्कर्ष नहीं, सवाल बाकी है। व्यवस्था सुधार की बात हर मंच से होती है, लेकिन आम नागरिक आज भी यही पूछ रहा हैख्र क्या कागजी प्रक्रिया सरल होगी या जनता इसी तरह उलझती रहेगी?

शुद्ध दूध की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि क्या आम नागरिक को वास्तव में शुद्ध दूध उपलब्ध हो रहा है? आज शुद्ध दूध की उपलब्धता एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। बाजार में बिकने वाले दूध में पानी, यूरिया, स्टार्च, डिटर्जेंट तथा अन्य रासायनिक पदार्थों की मिलावट की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। यह केवल उपभोक्ताओं के साथ धोखा नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य के साथ खुला खिलवाड़ है। दूध को सम्पूर्ण आहार माना जाता है। बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और रोगी सबसे अधिक दूध पर निर्भर रहते हैं। लेकिन जब दूध में मिलावट होने लगे तो इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार यूरिया और डिटर्जेंट जैसे रसायनों की मिलावट से किडनी, लीवर तथा पाचन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। लंबे समय तक ऐसे दूध का सेवन गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकता है। चिंता का विषय यह भी है कि दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ स्थानों पर पशुओं को ऑक्सीटोसिन जैसे हार्मोन का अवैध प्रयोग किए जाने की खबरें आती रहती हैं। यदि ऐसा हो रहा है तो यह न केवल पशुओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी खतरे की घंटी है। उनहोंने कहा जर्सी गाय का दुध स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी है। भारत छोड़कर सभी देशों में प्रतिबंध है। प्रशासन और संबंधित विभागों को इस दिशा में कठोर निगरानी और कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब खाद्य पदार्थों की शुद्धता की जांच के लिए सरकारी तंत्र मौजूद है, तब मिलावटखोरों के हौसले इतने बुलंद क्यों हैं? क्या कारण है कि नकली और मिलावटी उत्पादों का कारोबार लगातार फैल रहा है? यदि समय रहते इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियां गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करेंगी। सरकार को चाहिए कि दूध की गुणवत्ता की नियमित जांच हो, दोषियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए तथा उपभोक्ताओं को जागरूक किया जाए। साथ ही डेयरी क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। केवल विश्व दुग्ध दिवस मनाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि शुद्ध दूध की गारंटी देने वाली व्यवस्था खड़ी करनी होगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि शुद्ध दूध को प्रत्येक नागरिक का अधिकार माना जाए। जब तक मिलावटखोरों पर निर्णायक प्रहार नहीं होगा, तब तक जनता की सेहत खतरे में रहेगी। शुद्ध दूध केवल पोषण का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र के स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। इसलिए सरकार, प्रशासन और समाज सभी को मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा।●

मौत की मंडियां और लाचार सरकारें

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

आज देश का हर नागरिक अपनी थाली में भोजन नहीं, बल्कि धीमा जहर परोस रहा है। दूध, पनीर, तेल और मसालों के नाम पर बाजार में जो खतरनाक केमिकल बेचे जा रहे हैं, वे सीधे इंसानी जिस्म को लील रहे हैं। विडंबना देखिए कि जो व्यवस्था नागरिकों को शुद्ध भोजन और साफ हवा देने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है, वही आज बड़े-बड़े अस्पतालों के फीते काटकर अपनी पीठ थपथपा रही है। मिलावटखोरों और नकली सामान बेचने वाले माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। जब तक बीमारी की जड़ यानी दूषित रहन-सहन और नकली खान-पान पर प्रहार नहीं होगा, तब तक हर गली में अस्पताल खोल देने से भी मौत का यह तांडव नहीं रुकेगा। सरकारें सेहत सुधारने का नाटक तो करती हैं, लेकिन कॉर्पोरेट घरानों के मुनाफे के आगे जनता की जिंदगी की कोई कीमत नहीं रह गई है।

☞ **बीमारियों का सैलाबः युवा आबादी और असमय काल का ग्रास :-** मधुमेह (डायबिटीज), ब्लडप्रेशर, कैंसर, मोटापा और किडनी फेल्योर जैसी बीमारियां अब बुढ़ापे की नहीं, बल्कि युवाओं की तकदीर बनती जा रही हैं। कब्ज, बवासीर, थायराइड, पार्किंसन, ट्यूमर, सफेद दाग, सोरायसिस, लकवा (पैरालिसिस), पथरी और मिर्गी जैसी अनगिनत बीमारियों ने हर घर को एक चलता-फिरता दवाखाना बना दिया है। जिस उम्र में देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए, उस उम्र में वे अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं और कम उम्र में ही काल के गाल में समा रहे हैं। यह सिर्फ एक स्वास्थ्य संकट नहीं है, बल्कि देश की राजनीतिक और प्रशासनिक विफलता का सबसे क्रूरतम चेहरा है, जहां इंसानी जिंदगियां केवल आंकड़ों में सिमट कर रह गई हैं।

☞ **बचाव से मुंह मोड़ा, अस्पतालों का धंधा जोड़ा : यह कैसी सियासत? :-** 'परहेज इलाज से बेहतर है' (Prevention is better than cure) का नारा देने वाली सरकारें आज खुद इस सिद्धांत का मजाक उड़ा रही हैं। बीमारी रोकने के लिए नीतियां बनाने, खान-पान की गुणवत्ता सुधारने और पर्यावरण को दुरुस्त करने के बजाय, धड़ल्ले से पांच सितारा अस्पतालों को जमीनें बांटी जा रही हैं। स्वास्थ्य सेवा अब सेवा नहीं, बल्कि एक सबसे मुनाफेदार धंधा बन चुकी है। राजनेताओं और उद्योगपतियों की मिलीभगत से जनता की बीमारी की कीमत पर कॉर्पोरेट अस्पताल फल-फूल रहे हैं। अगर बीमारी की रोकथाम पर ध्यान दिया गया होता, तो आज इन बड़े-बड़े कसाईखानों जैसे अस्पतालों की जरूरत ही नहीं पड़ती।

☞ **आखिर कब जागेगा हुक्मरान? अब आर-पार की लड़ाई का वक्त :-** यह राजनीतिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है कि एड्स, बहरापन और आंखों की गंभीर बीमारियों से जूझती जनता को केवल चुनावी घोषणापत्रों में 'मुफ्त इलाज' का झुनझुना थमा दिया जाता है। लेकिन सवाल यह है कि जनता बीमार ही क्यों हो रही है? क्यों सरकारें नकली और जहरीले सामानों की मैन्युफैक्चरिंग को पूरी तरह बंद नहीं करवा पातीं? आज वक्त आ गया है कि इस खोखली और जनविरोधी राजनीतिक शैली को चुनौती दी जाए। अगर हुक्मरानों ने अब भी मिलावटखोरों पर नकेल नहीं कसी और बुनियादी स्वास्थ्य सुधारों (बचाव और शुद्धता) पर काम नहीं किया, तो यह देश अस्पतालों के मलबे के नीचे दबी एक बीमार और मृतप्राय आबादी का कब्रिस्तान बनकर रह जाएगा।●

होमियोपैथी से सौंदर्य वृद्धि

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

होमियोपैथी अस्पताल स्टेशन रोड फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होमियोपैथी चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि शारीरिक सुंदरता प्रकृति का अनमोल उपहार है, किंतु सही देखभाल और स्वस्थ जीवनशैली से इसे और अधिक आकर्षक बनाया जा सकता है। होमियोपैथी चिकित्सा पद्धति शरीर को भीतर से संतुलित कर प्राकृतिक सौन्दर्य को उभारने का कार्य करती है। यह केवल चेहरे की चमक ही नहीं, बल्कि बाल, त्वचा, शरीर की बनावट तथा मानसिक प्रसन्नता को भी बेहतर बनाने में सहायक मानी जाती है। होमियोपैथी की विशेषता यह है कि यह रोग के मूल कारण पर कार्य करती है और शरीर की प्राकृतिक शक्ति को बढ़ाकर स्वास्थ्य एवं सौन्दर्य दोनों को संतुलित करती है। इसी कारण आज अनेक लोग सौन्दर्य वृद्धि और व्यक्तित्व निखार के लिए होमियोपैथी की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जिस प्रकार एक मुर्तिकार अपने शिल्पा को आकर्षक आकर देता है। उसी प्रकार होमियोपैथी भी दवाइयों के द्वारा शरीर को सुडौल बनाकर आकर्षिक व्यक्तित्व प्रदान कर सकता है।

☞ बच्चों को ऊंचाई बढाने के लिए होमियोपैथी दवा बबुंशा देते हैं।

☞ यदि समुचे वदन मोटापा हो तो दवा कैलकेरिया कार्व देना चाहिए।

☞ यदि स्तनों को समुचित विकास नहीं हुआ है तो दवा ओनोस्मोडियम देना चाहिए।

☞ इसके विपरीत स्तन ज्यादा आकर मे बड़ा हो गया तथा लटक गया हो तो कैलकेरिया कार्व उस अंदर कि ओर खींच कर सुंदर और सुडौल बना देगा।

☞ यदि दोनों जाघं बहुत मोटी होकर आपस मे रगडती हो तो उसे पतला करने के लिए दवा मर्क स्टानेम देना चाहिए। इसी प्रकार शरीर के आकार को सुडौल बनाने के बाद चेहरे के सुंदरता निखारना आवश्यक है।

☞ यदि हंसते समय मसुढ़े दिखते होतो दवा लाईकोपोडियम देना चाहिए।

☞ ओठ बहुत मोटे तो दवा लैकेसिस देने से पतले और सुंदर होगें।

☞ यदि चेहरे की चमड़ी लटक गई हो और झुड़ीदार हो जाए तो कैलोट्रौपिस देने से चेहरा सुंदर हो जाएगा।

☞ तिल मुंहासों के दाग मिटाने के लिए दवा एक्वीफोलियम देना चाहिए। सुंदर चेहरा भी धुप से धुएं से झुलस जाने पर एक्वीफोलियम लेना चाहिए। इस दवा से काली त्वचा को फिर निखार देगा।

☞ चेहरे तथा होठ पर अनावश्यक बाल को हटाने के लिए ओलंपिक जैक लेना चाहिए। यदि बाल बहुत झड़ते है तो एसिड फ्लोर लेने से झडंना रुक जाएगी। कौई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें। इस अवसर पर सैकड़ों लोग शामिल हुए।●

कार्यपालक पदाधिकारी ने शिक्षिका पर एफआईआर करने का किया प्रहार

शिक्षिका ने लगाई डीएम से गुहार

गुरू ब्रह्म, गुरू विष्णु, गुरू देवो महेश्वरा! गुरू साक्षात् परम्ब्रह्म तस्मैं श्री गुरूवे नमः!!
गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाए! बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय!!

● **अमित कुमार/अनिता सिंह/ रजनीशकांत झा/विपीन कुमार**

जिनका दर्जा भगवान से भी उपर गुरू यानि शिक्षक/शिक्षिका जिसका अपमान जिला कार्यपालक पदाधिकारी ने किया देश के चर्चित जातीय जनगणना करने के लिए पुरे देश के हर गाँव, कस्बा, शहर में लगाया गया। लोगो ने पूर्ण समर्पण लगन से साथ काम को अंजाम दिया। यह घटना नवादा जिले की नगर परिषद की है। जहाँ एक महिला शिक्षिका को शुरू में सम्मानित किया जाता है। पुनः वही अधिकारी कार्यपालक पदाधिकारी सतेन्द्र प्रसाद वर्मा ने महिला शिक्षिका को प्रताड़ित किया जाता है। तुम ताम अपशब्द कही जाती है। वही अधिकारी फरमान जारी कर लिखित नहीं बोला कि दोबारा शौचालय रहित घर में भी शौचालय को दिखाने का शिक्षको पर दबाब बनाया। ये नौकरशाही, तानाशाही, लाल फिताशाही शिक्षकों पर दिखाने और जो राष्ट्र निर्माताओं को डांटने, फटकारने तथा अपशब्द कहने का अधिकार संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है। कार्यपालक महोदय हमलोग भी जानना चाहते है। संविधान में सभी का मान बराबर हो, चाहे आप पीएम, सीएम, डीएम या फिर आम नागरिक ये कौन सा संविधान पढ़कर आये है। जनाब? शिक्षिका पर दबाब डालते हुए तुम शौचालय के बारे में घर-घर में सुधार करों। किसी के घर में शौचालय नहीं है तो भी सुधार कर लिखों। सुपरवाइजर पवन शिक्षिका के साथ बदसलुकी से पेश आया। शिक्षिका ने कहा 50 घर रहता तो कर देते, लेकिन 200 से 250 घर में फिर करना यह संभव नहीं है। शिक्षिका ने कहा कि आप पत्रांक, दिनांक के साथ लिखित आदेश दिजिए मैं काम करूँगी। लेकिन ऐसे काम नहीं करूँगी। फिर कड़े फटकार लगाते हुए कार्यपालक पदाधिकारी सतेन्द्र प्रसाद वर्मा ने कहा की करोगी या नहीं तो एफआईआर होगा।

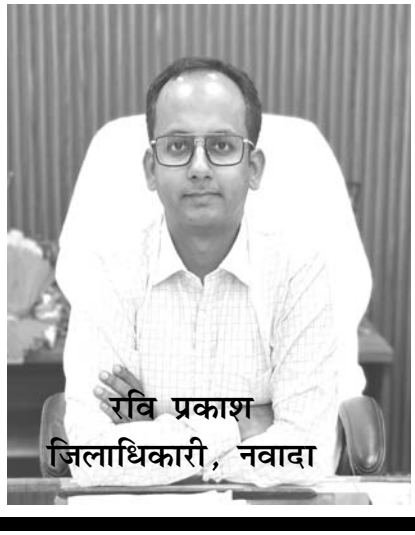
रवि प्रकाश
जिलाधिकारी, नवादा

शिक्षिका ने कहा किस बेसिस पर एफआईआर करेगें आप, तो कार्यपालक ने कहा बहुत तरीके हैं एफआईआर करने के। कार्यपालक ने कहा कि शिक्षक हो शिक्षक की तरह रहो, ज्यादा उड़ों मत। ज्याद बनों मत। अपनी हद और औकात में रहने तक की नसीहत दे डाली। कार्यपालक पदाधिकारी ज्यादा बनने की कोशिश मत करो। बहुत से तरीके हैं। एफआईआर करके फंसा देगें। शिक्षकों से बतमीजी से बात कर रहा था। तुम ताम करके बात कर रहा था। शिक्षकों का अपने औकात में रहने को कहा। हार्ड कॉपी निकालकर फोटो खींचा हुआ जबरन फंसने के डर से मोबाईल छीनकर जबरन डिलीट करवाया।

इधर एक विद्यालय ने इस मामले को प्रेस मिडिया में बताया की जबरन अधिकारी दबाब बनाकर गलत डाटा अपलोड किया जा रहा है पुरे बिहार में। उक्त जानकारी अमौर विधायक अखतरूल इमान ने यह बताया। इधर जिले को कागजो पर ओडीएफ घोषित करने का मामला 10 साल पुराना महाफर्जीबाड़ा का पोल इस जनगणना में खोलकरर रख दिया है। ग्राउंड सर्वे में उन परिवारो के पास शौचालय विहिन होने की सच्चाई सामने आई। शौचालय बना ही नहीं, राशि सभी अधिकारी और कर्मी डकार गये। हैरानी की बात यह है कि सिंक डाटा को फिर से ओपेन कर एडिट कर शौचालय युक्त दिखाया जा रहा है। नगर परिषद क्षेत्र के एक

महिला शिक्षिका ने इस मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर मनमानी के खिलाफ सीधा जिला पदाधिकारी को आवेदन देकर गुहार लगाई है। 2019-20 तक 10 प्रतिशत ओडीफ घोषित कर चुके हैं। प्रति शौचालय 12000 राशि बांट दिये। 25 प्रतिशत घरों में आज भी ग्राउंड पर शून्य है। 20 से 25 प्रतिशत घरों में आज भी शौचालय करने के लिए सरकार के पास सही डाटा चल गया तो अफसर की गर्दन फसेगी कि बिना शौचालय बने पंचायत ओडीएफ कैसे फंसने के डर से डाट फटकार कर डाटा सुधरवाया जा रहा है। कर्मियों ने आरोप लगाया कि यह वार्ड या ब्लॉक कही पूरे जिले में ये घटना घट रही है। कर्मियों के द्वारा ट्रेनिंग में कहा गया है कि, वही करना है जो गृह स्वामी कहे उसे दर्ज करना है। लेकिन अब अधिकारी अपनी शाख बचाने के लिए कर्मियों को 11 बजे रात तक बैठाकर डेटा में हेरफेर करा रहे हैं। अगर इसकी उच्चस्तरीय जाँच होगी तो किस-किस की गर्दन फसेंगी।

भवदीय के उक्त पत्रांक के माध्यम से रात्रि 8 बजकर 14 मिनट पर व्वाह्टसअप नं. -9931136953 से सूचित किया गया। इस परिपेक्ष्य में कहना है कि दिनांक-26.05.2026 को मेरे पर्यवेक्षक पवन कुमार द्वारा 7004834039 नं. से मेरे मोबाइल नं.-9608700537 पर कॉल कर 27.05.2026 को नगर परिषद में समीक्षा बैठक हेतु बुलाया गया। बातचीत के क्रम में कार्यपालक पदाधिकारी एवं पर्यवेक्षक के द्वारा किये गये गणना के विषय में पूछा गया। साथ ही साथ ओडीएफ की जानकारी ली गयी, जो सही था। मेरे द्वारा सम्पूर्ण कार्य करके सिंक कर दिया गया। इसी बात पर भड़के हुए कार्यपालक पदाधिकारी सम्पूर्ण घर में ओडीएफ डालने का दबाब बनाया, जिसे करने से मैं इनकार कर गयी। जिससे गुस्साये कार्यपालक पदाधिकारी सारी मर्यादा को दरकिनार कर मुझे काफी अपमानित किये और एफआईआर करने तक की धमकी दे डाली, जबकि सामने एक महिला शिक्षिका थी। जबरन कार्य करवाना चाहते थे। उनके इस अमानवीय व्यवहार से मैं काफी विचलित होते हुए श्रीमान् जिलाधिकारी महोदय को 29.05.2026 को आवेदन देकर न्याय हेतु निवेदन की। उक्त आवेदन की भनक कार्यपालक पदाधिकारी, नगर प्रबंधक पर्यवेक्षक को लगते ही आवेदन वापस लेने का दबाब बनाने लगे नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहे। इसीलिए मुझे आनन-फानन में गलत तरीका एंव कुटरचित प्रयास कर अपने पद का गलत इस्तेमाल कर मेरे उपर गजाधर माँझी के यहाँ शौचालय होने का दावा कर गलत प्रतिवेदन देकर झूठा आरोप लगाया गया, जबकि गजाधर माँझी के यहाँ शौचालय की सुविधा नहीं है। मेरे उपर लगाये गये सारे आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है। अगर दोबारा इन्होने मुझसे अपशब्द कहा एवं गलत डाटा भरने को कहा तो मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी, मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग, मंत्री नगर विकास एवं आवास विभाग बिहार सरकार, आयुक्त गया एवं जिला पदाधिकाारी को आवेदन देकर न्याय के लिए आवेदक देकर मुहर लगाऊँगी।●

मकनपुर गांव से IIT खड़गपुर की उड़ान

GATE *में सफलता के बाद* IIT *खड़गपुर में* M.Tech *के लिए प्रिंस का चयन*

● **मिथिलेश कुमार**

शिक्षा और मेहनत के संगम से जब कोई विद्यार्थी अपनी पहचान बनाता है, तो वह कहानी केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं रहती, बल्कि हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा बन जाती है। वैसी ही सफलता प्रिंस कुमार ने हासिल की है, जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के बल पर इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया है। वारिसलीगंज प्रखंड अंतर्गत मकनपुर निवासी योगेंद्र सिँह के पौंत्र एवं बब्लू कुमार के पुत्र प्रिंस कुमार ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा वारिसलीगंज से पूरी की, जहाँ उन्होंने मैट्रिकुलेशन परीक्षा में 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इसके बाद उन्होंने तकनीकी शिक्षा की दिशा में कदम बढ़ाते हुए गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, गया से डिप्लोमा किया, जिसमें उन्होंने 8.84 CGPA हासिल किया। आगे चलकर उन्होंने चौधरी देवी लाल स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से ठ.ज्मबी की पढ़ाई पूरी की और 8.89 CGPA प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक निरंतरता को बनाए रखा।शैक्षणिक यात्रा केवल अंकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि तकनीकी समझ, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का उदाहरण भी रही है। इसी मेहनत का परिणाम रहा कि उन्होंने प्रतिष्ठित ळाज्म् परीक्षा 2026 में सफलता प्राप्त की।

GATE जैसी कठिन राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सफलता प्राप्त करना किसी भी इंजीनियरिंग छात्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। इस परीक्षा में सफलता के बाद प्रिंस कुमार का चयन देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर में M.Tech प्रोग्राम के लिए हुआ है। उन्हें Infrastructure Design & Management जैसे महत्वपूर्ण और उन्नत विषय में प्रवेश मिला है, जो भविष्य में देश के बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास से जुड़ा हुआ क्षेत्र है। प्रिंस कुमार की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और संस्थान के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह उन सभी छात्रों के लिए एक प्रेरणास्रोत है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। उनकी यह सफलता यह संदेश देती है कि लगन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। स्थानीय शिक्षा जगत में उनकी इस उपलब्धि की व्यापक सराहना की जा रही है और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी जा रही हैं।●

जनसंवाद कार्यक्रम में आगामी चुनावी रणनीति पर हुआ व्यापक मंथन

● रजनीशकांत झा

नगर के कुंती नगर स्थित सभागार में समाजसेवी एवं शिक्षाविद् डॉ. अनुज सिंह के समर्थकों द्वारा एक दिवसीय विचार गोष्ठी एवं जनसंवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवादा विधानसभा क्षेत्र सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों, नगर परिषद क्षेत्रों तथा ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों, युवाओं एवं विभिन्न वर्गों के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान नवादा के सर्वांगीण विकास, संगठन की मजबूती, सामाजिक समरसता तथा आगामी पंचायत एवं नगर निकाय चुनावों को लेकर गंभीर चर्चा और विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी एवं शिक्षाविद् डॉ. अनुज सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी अनिल कुमार सिंह एवं अजय कुशवाहा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवादा जिले के समग्र विकास की रूपरेखा तैयार करना, विभिन्न सामाजिक एवं जनहित के मुद्दों पर चर्चा करना तथा संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने की दिशा में रणनीति तैयार करना था। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों एवं उपस्थित प्रतिनिधियों के स्वागत के साथ हुई। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से आए वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखते हुए नवादा की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि नवादा के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार, सड़क, पेयजल, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए बेहतर अवसरों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. अनुज सिंह ने कहा कि नवादा केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि लाखों लोगों की आशाओं और सपनों का केंद्र है। उन्होंने कहा कि आज भी जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं रोजगार के क्षेत्र में अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। कई गांवों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है और आम जनता विभिन्न समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों का समाधान केवल सरकार या किसी एक व्यक्ति के प्रयास से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा। डॉ. सिंह ने कहा कि पिछले कई वर्षों से वे शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहे हैं और भविष्य में भी नवादा के विकास के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना ही उनका उद्देश्य है। उन्होंने उपस्थित समर्थकों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास करें। उन्होंने आगामी पंचायत चुनाव एवं नगर निकाय चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समय संगठन को और अधिक मजबूत करने का है। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय टीम तैयार करनी होगी। प्रत्येक पंचायत, वार्ड एवं गांव में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को संगठन की विचारधारा और विकास की सोच से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि संगठन की ताकत ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी होती है और मजबूत संगठन ही जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकता है।

कार्यक्रम में मौजूद विभिन्न वक्ताओं ने भी अपने विचार रखते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने पर बल दिया। बस्ती बीघा निवासी जेपी चौधरी ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा का एक सशक्त मंच है और हमें इसी भावना के साथ आगे बढ़ना होगा। बढ़ईबीघा निवासी विष्णु शंकर चौहान ने कहा कि डॉ. अनुज सिंह के नेतृत्व में संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी कार्यकर्ता उनके मार्गदर्शन में नवादा को विकास की नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में संगठन की भूमिका और अधिक प्रभावी होगी।

पूर्व मुखिया रणजीत चौहान ने कहा

कि जिस प्रकार डॉ. अनुज सिंह शिक्षा के क्षेत्र में ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं, उसी प्रकार यदि संगठन के सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें तो निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए मजबूत नेतृत्व और समर्पित कार्यकर्ताओं की आवश्यकता होती है। नारदीगंज के पूर्व प्रखंड प्रमुख गौरी शंकर सिंह ने कहा कि आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए सभी कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय, एकजुटता और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही सफलता की कुंजी है और इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। सहजपुरा के विपिन सिंह ने कहा कि संगठन पूरी तरह से नवादा के विकास के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। इससे संगठन की शक्ति बढ़ेगी और विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। अल्पसंख्यक समुदाय की ओर से फैयाज अहमद ने कहा कि नवादा का विकास तभी संभव है जब सभी वर्ग और समुदाय एकजुट होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि विकास की रोशनी समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करना आवश्यक है। अनीश खान ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन सभी वर्गों और समुदायों को समान सम्मान देने की भावना के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमें जाति, धर्म और समुदाय से ऊपर उठकर विकास की राजनीति को बढ़ावा देना चाहिए। यही नवादा के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बनेगा। युवा नेता चंदन कुमार ने युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नवादा के विकास में युवाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जातीय और सामाजिक विभाजन से ऊपर उठकर युवाओं को विकास, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर संगठित होना चाहिए। इससे नवादा को नई दिशा और नई पहचान मिलेगी। समाजसेवी अनिल कुमार सिंह ने कहा कि संगठन की सफलता का आधार उसकी एकता और सक्रियता होती है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से समाज के हर वर्ग को जोड़ने और जनहित के मुद्दों पर लगातार कार्य करने का आह्वान किया। पटवासराय के सरपंच देवराज पासवान ने कहा कि वर्तमान समय में राजनीति का स्वरूप बदल रहा है और हमें विकास आधारित राजनीति को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी मिलकर कार्य करें तो नवादा को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ाया जा सकता है।

कार्यक्रम में मगध ग्रामीण बैंक के प्रबंधक सुरेंद्र सिंह, प्रोफेसर कृष्ण कुमार प्रभाकर, अशोक चौहान, योगेंद्र रविदास, गोरेलाल सिंह, पंचायत समिति सदस्यगण, बलराम सिंह घुमड़ा, चंदन कुमार (मुखिया प्रतिनिधि ओड़ो), रामविलास मांझी, विनोद रविदास सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने क्षेत्र की समस्याओं, विकास की संभावनाओं तथा आगामी चुनावों की तैयारियों पर अपने सुझाव दिए। बैठक के दौरान संगठन विस्तार को लेकर विशेष रणनीति तैयार की गई। निर्णय लिया गया कि गांव, पंचायत और वार्ड स्तर पर नए सदस्यों को जोड़ने के लिए अभियान चलाया जाएगा। साथ ही युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों को संगठन से जोड़कर उसकी पहुंच और प्रभाव को बढ़ाया जाएगा। कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क अभियान तेज करने तथा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाने का भी निर्देश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों और समर्थकों ने नवादा के विकास, सामाजिक समरसता और संगठन की मजबूती के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। इसके पश्चात सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों ने सामूहिक भोज में भाग लिया। अंत में डॉ. अनुज सिंह ने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का विश्वास और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है तथा वे हमेशा नवादा के विकास और जनता की सेवा के लिए समर्पित रहेंगे।●

ई-रिक्शा चलाने वाले दीपक के पुत्र कन्हैया

होटल प्रबंधन क्षेत्र में बनाएगा करियर

(B.Sc. in Hospitality and Hotel Administration) पाठ्यक्रम के (Institute of Hotel Management) में करेंगे पढ़ाई

● **मिथिलेश कुमार**

वारिसलीगंज प्रखंड के मकनपुर गांव निवासी कन्हैया कुमार ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर होटल प्रबंधन एवं आतिथ्य (Hospitality and Hotel Administration) के क्षेत्र में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कन्हैया कुमार दीपक कुमार के पुत्र तथा स्वर्गीय श्रवण कुमार के पौत्र हैं। सबसे बड़ी बात कन्हैया कुमार के पिता गावं के साधारण किसान हैं और ई -ई रिक्शा चलाने के साथ गावं में छोटी सी दुकान चलाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में इनका परिवार उच्च मुकाम हासिल कर चूका हैं। कन्हैया अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्रीपुरा स्थित इस्लामिया हाई स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद महात्मा गांधी +2 विद्यालय, बरबीघा से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। अब उनका

चयन बी.एससी. इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन (B-Sc- in Hospitality and Hotel Administration) पाठ्यक्रम के लिए हुआ है, जिसके अंतर्गत उन्हें बेंगलुरु स्थित आईएचएम (Institute of Hotel Management) में अध्ययन का अवसर मिला है। होटल प्रबंधन क्षेत्र आज देश-विदेश में तेजी से उभरता हुआ रोजगारपरक क्षेत्र माना जाता है। ऐसे में ग्रामीण परिवेश से निकलकर कन्हैया कुमार का इस क्षेत्र में प्रवेश अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है। परिजनों और शुभचिंतकों ने उनकी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। ग्रामीणों का कहना है कि इसके सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी नई दिशा और प्रेरणा मिलेगी। अपनी मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने यह साबित किया है कि सीमित संसाधन भी बड़े सपनों की राह में बाधा नहीं बन सकते।●

राष्ट्रपति के दौरे से वैश्विक मंच पर चमका बोधगया

● मो० सईद

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग हलाइंग के एक दिवसीय बोधगया दौरे ने एक बार फिर विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर को अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला दिया। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरे बोधगया में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। गया एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के बाद उनका काफिला सीधे महाबोधि मंदिर पहुंचा, जहां उन्होंने भगवान बुद्ध के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए पूजा-अर्चना की और बोधिवृक्ष के समक्ष ध्यान लगाया। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान मंदिर परिसर में आम श्रद्धालुओं की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी गई थी। इसके कारण देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं को मंदिर के बाहर इंतजार करना पड़ा। राष्ट्रपति के मंदिर से प्रस्थान करने के बाद ही श्रद्धालुओं को पुनः प्रवेश की अनुमति दी गई, जिसके बाद परिसर में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। दौरे के दौरान राष्ट्रपति ने महाबोधि मंदिर परिसर के विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने मुचलिंद सरोवर का भ्रमण किया तथा मछलियों को दाना भी खिलाया। इसके बाद वे बकरौर

स्थित सुजाता मंदिर पहुंचे और वहां ऐतिहासिक महत्व से जुड़े स्थलों का निरीक्षण किया। म्यांमार के भिक्षु

चंद्रामुनी द्वारा संचालित महाबोधि मेडिटेशन सेंटर में भी उन्होंने एक घंटे से अधिक समय बिताया। राष्ट्रपति के साथ पहुंचे म्यांमार आर्मी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी महाबोधि मंदिर में दर्शन-पूजन किया। हालांकि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण उन्हें मंदिर परिसर में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल सका। बाद में राष्ट्रपति का काफिला आगे बढ़ने के बाद भिक्षु चंद्रामुनी ने उन्हें मंदिर के इतिहास, बौद्ध परंपराओं और इसके वैश्विक महत्व की विस्तृत जानकारी दी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर गया-डोभी रोड तथा दोमुहान-बोधगया मार्ग पर यातायात को नियंत्रित किया गया था। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी मगध प्रमंडल की आयुक्त डॉ. सफीना एएन, डीआईजी विकास वैभव, डीएम शशांक शुभंकर और एसएसपी सुशील कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने की। मंदिर प्रबंधन समिति ने राष्ट्रपति को महाबोधि मंदिर की प्रतिकृति भेंट कर सम्मानित किया। राष्ट्रपति के इस दौरे को भारत और म्यांमार के बीच सांस्कृतिक एवं बौद्ध संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।●

जिले का सर्वांगीण विकास मेरा दृढ़ संकल्प : श्रेयसी

● प्रो० रामजीवन साहु

जमुई वासियों के लिए प्रथम् सुखद और दुर्लभ संयोग यह है कि इस जिले में जैन धर्म के दो -दो तीर्थंकरों का अवतरण हुए हैं. नौवें तीर्थंकर भगवान सुविधिनाथ का अवतरण जमुई प्रखंड के काकन गाँव में और चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का अवतरण खैरा प्रखंड के हरखार पंचायत के जन्मस्थान में अवतरण हुआ है. दूसरा सुखद और दुर्लभ संयोग यह है कि 2026 में जमुई जिले के दो -दो विधायक बिहार सरकार के मंत्रीमंडल में शामिल किए गये हैं. बिहार सरकार के परिवहन मंत्री श्री दामोदर रावत,जो झाझा विधान सभा के विधायक हैं और बिहार सरकार के खेल एवं उद्योग मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह.

पांच जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर 'केवल सच' मासिक पत्रिका के विशेष प्रतिनिधि प्रो० रामजीवन साहु ने उपहार स्वरूप सर्वप्रथम मनमोहक पौधा और तत्पश्चात मासिक पत्रिका 'केवल सच' सप्रेम भेंट किया गया. भेंट स्वीकार करने के तुरंत वे प्रसन्नचित मुद्रा में कहने लगे कि आप तो पत्रकार के अतिरिक्त मेरे अभिभावक तुल्य भी हैं. बिहार प्रांत के साथ-साथ जमुई जिले का सर्वांगीण विकास हो यह मेरा दृढ़ संकल्प है. मेरा परम सौभाग्य है कि मैं 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में 2020 के चुनाव के अपेक्षा अधिक मतों से विजयी हुई हूँ. 2025 में 1,23,868 मत मिले, जबकि 2020 में मुझे सिर्फ 79603 मत प्राप्त हुए थे. इस बार 54498 मतों से विजयी हुई, जबकि पिछली बार मात्रा 41049 मतों से विजयी हुई थी. संयोग यह भी है कि मेरी लोकप्रियता, कर्मठता, सहज उपलब्धता, ईमानदारी, परिश्रमी, मृदुभाषी, तत्परता, न्यायप्रिय और सत्यवादी के कारण इस बार बिहार मंत्रीमंडल मुझे भी शामिल किया गया है.

☞ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि कृषि किसी भी देश के लिए यदि रीढ़ है, तो यातायात उसके रक्त संस्थान हैं. अत: इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए जमुई जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया एवं अन्य बुनीयादी सुविधाओं का जाल बिछाया गया है. इन कार्यों के सम्पादन के लिए बिहार सरकार के मुख्यमंत्री द्वारा 1213 करोड़ तक विकास कार्यों का अनावरण किये गए हैं.

☞ खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता (तीन लाख रूपये और पांच लाख रूपये) देने के लिए दो नये स्पोंसरशिप पोर्टल और 'मेडल लाओ नौकरी

पाओ' जैसे दो योजनाओं का विस्तार किया गया.

☞ सम्पूर्ण बिहार और जमुई में रोजगार सृजन के लिएं, उद्योगों के बढ़ावा देने एवं जमुई में शूटिंग रेंज जैसी आधुनिक खेल सुविधाओं के विकसित करना मेरी पहली प्राथमिकता है.

☞ 18 मार्च 2026 को 'समृद्धि यात्रा' के क्रम में विकास पुरुष बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 914 करोड़ रूपये की लागत से जुड़ी योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किये. इसमें 602 करोड़ रूपये के 181 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किये. 312 करोड़ रूपये की 189 नयी योजनाएं शामिल हैं. उसी दिन जिले का महत्वपूर्ण कुंडघाट जलाशय योजनाओं का उद्घाटन हुआ. इस अवसर पर तत्कालीन उप मुख्यमंत्री, जो वर्तमान में बिहार के मुख्यमंत्री हैं सम्राट चौधरी ने घोषणा किये थे कि जमुई को पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाएंगे साथ ही मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह ने कहीं थीं कि युवाओं के कौशल विकास पर जोड़ देते हुए विकसित बिहार से विकसित भारत के लक्ष्य को दुहराई.

☞ जमुई जिला केन्द्र से मात्रा चार कि .मीटर उत्तर ख्यातिप्राप्त पत्लेश्वर धाम मंदिर, जो किऊल नदि के तट पर अवस्थित है. 28 जुलाई 2025 में मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण के लिए 8करोड़ 52 लाख 25 हजार रूपये स्वीकृत हुए.

☞ अभी जमुई मुख्यालय में ऐतिहासिक राजा रावणेश्वर हॉल का जिर्णोद्धार हुआ है. उसका उद्घाटन अभी 4 जून 2026 को बिहार सरकार के खेल एवं उद्योग मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह ने की. यह हाल जमुई का बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक है.

आपको बता दूं कि जमुई की धरोहर पुत्री स्वरूपा सुश्री श्रेयसी सिंह किसी अंतराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धा में पहली बार महिला वर्ग में भारत के लिए 2018 में 21वें कामनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के डबल टैप शूटिंग इवेन्ट्स में स्वर्ण पदक प्राप्त की.यह सम्पूर्ण भारत के लिए गौरव का क्षण है. खेल जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 2018 में अर्जुन पुरस्कार से भी इन्हें सम्मानित किया गया. ●

जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की समीक्षा बैठक

● अब्दुल कैय्यूम

बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री सह प्रभारी मंत्री अररिया डॉ. राम चंद्र प्रसाद, माननीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार सह प्रभारी मंत्री, अररिया जिला की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित परमान सभागार में जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति (20 सूत्री) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी अररिया विनोद दूहन, पुलिस अधीक्षक अररिया जितेन्द्र कुमार, माननीय विधायक जोकीहाट मोहम्मद मुर्शिद आलम, माननीय विधायक रानीगंज अविनाश मंगलम, माननीय विधायक नरपतगंज देवन्ती यादव, माननीय उपाध्यक्ष जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति (20 सूत्री) आदित्य नारायण झा, आशीष कुमार पटेल सहित समिति के सभी माननीय सदस्य एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में गत बैठक की कार्यवाही एवं अनुपालन प्रतिवेदन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित जनहित के मुद्दों पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। 'बैठक में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु तालाब निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया'। बस यात्रियों से मनमाने किराये की वसूली, वाहन स्टैंड एवं पार्किंग व्यवस्था, बस स्टैंड के संचालन तथा यातायात संबंधी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने जिला परिवहन पदाधिकारी को किराया संबंधी शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

☞ 'धान अधिप्राप्ति व्यवस्था की समीक्षा' के दौरान बताया गया कि जांच में कोई अनियमितता नहीं पाई गई है। हर घर नल-जल योजना के संबंध में बताया गया कि नियमित रूप से जांच कर त्रुटियों का निराकरण किया जाता है। अररिया-रानीगंज पथ, चंद्रा चौक, भूदान कार्यालय मार्ग सहित विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया गया। नगर परिषद क्षेत्र में लगभग 700 रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों को चिन्हित स्थानों पर स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर चर्चा किया गया।

☞ 'स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा' के क्रम में अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट की उपलब्धता, ग्रामीण कार्य विभाग अंतर्गत कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य, नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत खुले में मांस बिक्री एवं जाम की समस्या, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों में आवश्यक विकासात्मक योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी चर्चा हुई।

☞ 'राजस्व विभाग की समीक्षा' में ऑनलाइन म्यूटेशन में त्रुटियों के संबंध में जिला पदाधिकारी ने बताया कि दोषी राजस्व कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। अपर समाहर्ता (राजस्व) ने भी आश्वस्त किया कि अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाती है।

☞ 'बैठक में मनरेगा अंतर्गत आवास निर्माण, कचरा प्रबंधन एवं अन्य योजनाओं की भी समीक्षा' की गई। योजनाओं में गड़बड़ी संबंधी शिकायतों की जांच वरीय पदाधिकारियों द्वारा कराए जाने की जानकारी दी गई। माननीय प्रभारी मंत्री महोदय ने निर्देश दिया कि बैठक से संबंधित पत्र एवं अनुपालन प्रतिवेदन जनप्रतिनिधियों को पूर्व में उपलब्ध कराया जाए।

☞ बिजली विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिन 'महादलित टोला में बिजली की व्यवस्था नहीं है वहां बिजली व्यवस्था जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए'।

☞ शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान माननीय सदस्यों द्वारा विद्यालयों में शिक्षकों की कमी, स्थानांतरण के कारण उत्पन्न समस्याएं, टेबल-कुर्सी की उपलब्धता एवं विद्यालय भवनों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का मुद्दा उठाया गया। जिला पदाधिकारी ने आवश्यक मामलों में कमिटी गठित कर जांच करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया।

माननीय प्रभारी मंत्री महोदय ने निर्देश दिया कि ऐसे विद्यालयों की सूची तैयार की जाए जहां विद्यार्थियों की संख्या की तुलना में शिक्षक कम हैं अथवा जहां शिक्षक उपलब्ध हैं लेकिन विद्यार्थियों की संख्या कम है। बैठक में सदस्यों द्वारा निजी विद्यालयों द्वारा पुस्तक विक्रय, पुनः नामांकन शुल्क तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत नामांकित विद्यार्थियों की विद्यालयवार सूची उपलब्ध कराने का विषय भी उठाया। जिस पर जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। बैठक में माननीय मंत्री महोदय द्वारा यह निर्देशित किया गया कि सभी निर्माण 'कार्यों के प्रारंभ होने से पूर्व स्थल पर सूचना पट्ट अनिवार्य रूप से लगाया जाए।' जोगबनी क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों की कमी एवं वर्षा के दौरान जलजमाव की समस्या पर जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वर्षा ऋतु में कहीं भी जलजमाव की स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी जाए। संबंधित पदाधिकारी इसका अनुपालन सुनिश्चित कराए।

बैठक के दौरान माननीय प्रभारी मंत्री महोदय ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारियों के पास जनप्रतिनिधियों के मोबाइल नंबर उपलब्ध रहें तथा उनके फोन एवं समस्याओं पर त्वरित प्रतिक्रिया दी जाए। जिला पदाधिकारी ने इस संबंध में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। बैठक के अंत में माननीय प्रभारी मंत्री महोदय ने कहा कि जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक पदाधिकारी आपसी समन्वय एवं सहयोग की भावना से कार्य करें ताकि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। वैसे 'पदाधिकारी/कर्मी जो कार्य में लापरवाही बरतते है उनपर कार्यवाई भी की जाए।' उन्होंने समीक्षा के दौरान प्राप्त अधिकांश अनुपालनों पर संतोष व्यक्त करते हुए जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने पर बल दिया। बैठक में सभी संबंधित पदाधिकारी एवं माननीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। अंत में जिलाधिकारी महोदय द्वारा माननीय मंत्री महोदय सह अध्यक्ष जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति एवं उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापन दिया एवं बैठक समाप्त की गई।●

संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने की तैयारियों की हुई समीक्षा

● अब्दुल कैय्यूम

प्रमान सभागार में भा०प्र०से०, सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना-सह-प्रभारी सचिव मोहम्मद सौहैल की अध्यक्षता में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की पूर्व तैयारियों, सहयोग शिविर तथा विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी विनोद दूहन, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के प्रारंभ में अररिया जिले की भौगोलिक स्थिति, अंचलवार पंचायतों एवं राजस्व ग्रामों की जानकारी दी गई। साथ ही जिले की प्रमुख नदियों तथा उनसे प्रभावित होने वाले गांवों की विस्तृत विवरण से प्रभारी सचिव महोदय को अवगत कराया गया। बताया गया कि जिले के अररिया, जोकीहाट, पलासी, सिकटी, कुर्साकांटा एवं फारबिसगंज प्रखंड बाढ़ से अत्यधिक प्रभावित होते हैं, जबकि रानीगंज, नरपतगंज एवं भरगामा प्रखंड आंशिक रूप से प्रभावित क्षेत्र हैं। जिले की 72 पंचायतें पूर्ण रूप से तथा 60 पंचायतें आंशिक रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में आती हैं। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में स्थापित वर्षा मापक यंत्रों के माध्यम से नियमित रूप से वर्षापात के आंकड़े प्राप्त किए जा रहे हैं तथा संभावित आपदा की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है। तटबंधों की स्थिति की समीक्षा में बताया गया कि जिले के चारों प्रमुख तटबंधों का संयुक्त निरीक्षण पदाधिकारियों के द्वारा किया जा चुका है तथा 15 जून तक तटबंधों के शीर्ष पर बने गड्ढों एवं रेनकट की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

बैठक में आपदा प्रबंधन संसाधनों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए बताया गया कि जिले में 165 परिचालन योग्य नावें, 10 इन्फ्लेटेबल मोटरबोट, 40,790 पॉलिथीन शीट, 05 महाजाल, 135 लाइफ जैकेट आदि उपलब्ध हैं। वहीं 397 सामुदायिक रसोई केंद्र तथा 363 राहत शिविर चिन्हित किए गए हैं। राहत सामग्री एवं पशु चारा की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निविदा प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। प्रभारी सचिव ने सभी अंचलाधिकारियों को बाढ़ संभावित क्षेत्रों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण कर प्रतिवेदन अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन को सभी मरम्मत योग्य नावों की मरम्मत सुनिश्चित कराने तथा अंचलाधिकारियों को शेष नाविकों का एकरारनामा शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। अत्यधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एसडीआरएफ की सहायता से मॉक ड्रिल आयोजित करने तथा प्रत्येक नाव पर लाइफ जैकेट एवं इमरजेंसी लाइट की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को सभी मरम्मत योग्य चापाकलों की मरम्मत सुनिश्चित करने तथा सिविल सर्जन को बाढ़ अवधि में गठित चिकित्सा दलों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही राहत शिविरों की व्यवस्था की समीक्षा आपदा प्रबंधन की निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप करने तथा आपदा संबंधी सूचनाओं के व्यापक प्रसार हेतु सायरन के साथ-साथ मंदिरों एवं मस्जिदों के लाउडस्पीकरों का उपयोग करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला आपातकालीन संचालन केंद्र की कार्यप्रणाली, कम्युनिकेशन प्लान तथा सभी प्रखंडों में स्थापित इंडस्ट्रियल सायरनों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि सभी सायर कार्यशील हैं। खोज, बचाव एवं राहत दलों के गठन तथा आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर अद्यतन आंकड़ों के नियमित अपलोड की जानकारी भी दी गई। सुखाड़ की संभावित स्थिति की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने संबंधित विभागों को अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करने तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में विकासात्मक योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इस दौरान विभिन्न विकास योजनाओं, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं, आईसीडीएस के अंतर्गत आंगनबाड़ी सेवाओं तथा जिले की विधि-व्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रभारी सचिव ने जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को शनिवारीय जनता दरबार की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा सभी अंचलाधिकारियों को सरकारी भूमि की सूची जिला अवर निबंधक को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में सहयोग शिविर एवं सहयोग पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निष्पादन में उल्लेखनीय प्रगति पर प्रभारी सचिव ने संतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिया कि जन शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए ताकि आम लोगों को त्वरित राहत एवं न्याय मिल सके। बैठक के अंत में प्रभारी सचिव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ सहित अन्य चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया। ●

ग्राम सेवा परियोजना का संकल्प :

हरित पर्यावरण, सशक्त समुदाय

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिला के पालासी प्रखंड के सुकसैना पंचायत में में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर SBI Foundation द्वारा संचालित एवं भारतीय जन उत्थान परिषद द्वारा क्रियान्वित ग्राम सेवा परियोजना के अंतर्गत जुरैल, रुपैल, डेगा एवं मैना गांवों में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रबंधक किशन मिंज एवं परियोजना समन्वयक दिनेश प्रभाकर ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का विषय "प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए" है। यह विषय प्रकृति से सीखते हुए जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि वन, नदियाँ, मिट्टी, जैव विविधता और स्वच्छ वायु मानव जीवन के आधार हैं तथा इनके संरक्षण के बिना सतत विकास की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि ग्राम सेवा परियोजना के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें की जा रही हैं। परियोजना द्वारा क्षेत्र में तालाबों का निर्माण एवं नवीनीकरण किया गया है, जिससे जल संरक्षण एवं भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिला है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं तथा परियोजना के हस्तक्षेप वाले पांचों गांवख्र डेगा, मैना, जुरैल, मधैल एवं रुपैलख्र में कुल 50 सोलर आधारित स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं, जिससे सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिला है और ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। एसबीआई फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (CEO) स्वपन धर ने अपने संदेश में कहा कि SBI फाउंडेशन ग्रामीण समुदायों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जल प्रबंधन ग्राम सेवा परियोजना के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं। परियोजना के तहत "जन वन" अभियान के माध्यम से वृक्षारोपण, गांवों में स्वच्छता साथी वाहनों द्वारा कचरा संग्रहण, जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, सौर विद्युतीकरण एवं अन्य पर्यावरणीय पहलें संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के अररिया जिले में भारतीय जन उत्थान परिषद के सहयोग से संचालित ये प्रयास SBI फाउंडेशन की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे कार्य स्थानीय समुदायों के समग्र कल्याण को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में समुदाय इन पहलों की जिम्मेदारी लेकर उन्हें और अधिक प्रभावी बनाएंगे। वृक्षारोपण अभियान में ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं एवं परियोजना टीम के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने लगाए गए पौधों की देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लिया। परियोजना प्रबंधन ने कहा कि भविष्य में भी जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, वृक्षारोपण एवं हरित ग्राम विकास से जुड़े कार्यक्रमों को और अधिक व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा।●

बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहर नहीं जाना होगा : मुर्शिद आलम

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिला के पलासी प्रखंड के प्लस टू पूर्णनद हाई स्कूल सोहन्दर हाट में जोकीहाट विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित विधायक मुर्शिद आलम के सम्मान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता विधालय के प्रधानाध्यापक गुलाम सरवर ने की। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय शिक्षक व बच्चों ने विधायक को गुलदस्ता व फूलमालाओ से स्वागत किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक मुर्शिद आलम ने कहा की जोकिहाट विधानसभा में दो डिग्री कॉलेज संचालित है, अब उच्च शिक्षा के लिए बच्चों को अन्य शहरों में भटकना नहीं होगा। उन्होंने कहा की इस विद्यालय से उनका गहराई लगाव है। वे भी स्वयं इसी विधालय का छत्र रहा है। उन्होंने कहा पूर्णनंद जी के बारे में भी विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए कहा की वे एक संत थे। वे गांव गांव घूम घूम कर चन्दा जमा कर सोहन्दर में एक झोपडी नुमा घर बनाकर विधालय संचालित कर क्षेत्र में शिक्षा का अलख जगाया। विधायक श्री आलम ने बच्चों को मेहनत से पढ़ कर क्षेत्र का नाम रोशन करने की अपील की। उन्होंने कहा की ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में भी प्रतिभा की कमी नहीं है, सिर्फ निखारने की जरुरत है. उन्होंने कहा की शिक्षा से उनका गहरा लगाव है। उन्होंने कहा की विधायक बनने के बाद उन्होंने पहली मांग जोकिहाट विधान सभा क्षेत्र में डिग्री कॉलेज की मांग उठायी। आज जोकिहाट विधानसभा मे दो दो डिग्री कॉलेज संचालित हो रहा है। अब बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अन्य शहरों में जाना नहीं होगा। इस दौरान इंटर के मेधावी छात्रों के सम्मान पत्र भी विधायक द्वारा वितरण किया गया। इस अवसर पर मुखिया राजू यादव, मोहमद अली, परवेज आलम, नईम, दामोदर वश्वास, एच एम गुलाम सरवर, इम्तियाज अंजुम, भूपेंद्र नारायण, धनजय कुमार, अनुराधा कुमारी, प्रिया वर्मा आदि मौजूद थे।●

27 वर्षीय विवाहिता की कर दी गई हत्या

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिले के पलासी प्रखंड के कनखुदिया से गंगझली मार्ग पर सुरकिया धार के पास स्थित बांस झाड़ी के समीप गुरुवार की सुबह एक 27 वर्षीया महिला का शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर जंगल के आग की तरह फैल गयी। जिस से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सूचना मिलते ही शव को देखने ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना स्थानीय थाना को दे गई। सूचना पाकर स्वयं थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पर पहुच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये सदर अस्पताल भेज दिया। हालांकि मृतक की पहचान पीपरा बिजवार निवासी विद्यानंद मंडल के पुत्री नविता देवी के रूप में हुई हैं। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका नविता देवी की शादी मजलिसपुर पंचायत के पनडुब्बी निवासी कृत्यानंद मंडल के पुत्र गौरव मंडल के साथ करीब सात साल पहले हुई थी। हालांकि पति पत्नी के बीच पांच वर्षों तक मधुर संबंध था। इन दौरान उन दिनों से तीन संतान भी जन्म लिया। इस बाबत पीपरा बिजवार के सरपंच प्रतिनिधि मुन्ना मंडल ने बताया कि दो वर्ष मृतका के पिता विद्यानंद मंडल अपनी पुत्री को लेने गया था। इस क्रम में दामाद व समधी द्वारा मृतका के पिता के साथ मारपीट की थी। बाद में पंचायती के बाद नविता देवी को मायके ले आया। मृतका नविता देवी दो वर्षों से मायके में रह रही थी। मृतका के पिता विद्यानंद मंडल ने बताया कि बुधवार की शाम को मेरा दामाद दो वर्ष के बाद मेरी पुत्री से मिलने मेरे घर आया व शाम पांच बजे कलियागंज बाजार जाने की बात कर दोनों पति-पत्नी व एक पुत्र को साथ लेकर चला गया। देर रात तक तीनों को वापस नहीं लौटने पर खोजबीन करने लगे। देर रात तक कहीं कुछ पता नहीं चल पाया। सुबह जब कनखुदिया व करोड़ दिघली गांव के ग्रामीणों के द्वारा सुरकिया धार बगल स्थित बांस झाड़ी के समीप एक अज्ञात महिला की शव होने की सूचना मिली। जब घटना स्थल पर पहुचे तो शव को देखते ही पहचाना।शव उनकी पुत्री नविता देवी की थी। इधर शव के शिनाख्त होते ही मृतका के परिजनों में कोहराम मैच गया। मां गीता देवी, बहन जूना देवी का रो रो कर बुरा हाल है। इधर थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने बताया कि नविता देवी की हत्या मारपीट करते हुए गला दबा कर की गई हैं। इस बाबत मृतका के पिता के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी हैं। हत्या के चौबीस घंटे के भीतर मृतका के हत्यारे पति को गिरफ्तार कर ली गयी। पुलिस की त्वरित करवाई से मृतका के परिजन ने राहत की सांस ली हैं।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

बरदबट्टा में सहयोग शिविर का हुआ आयोजन

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिला के पलासी प्रखंड में सब का सम्मान-जीवन आसान निश्चय के तह जन समस्याओं के समाधान को लेकर बरदबट्टा पंचायत के पंचायत भवन में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। सहयोग शिविर की अध्यक्षता डीसीएलआर सह प्रखंड प्रभारी एस. प्रतीक ने की। बैठक में बीडीओ आदित्य प्रकाश, बीपीआरओ अखिलेश कुमार, सीओ सुशील कांत सिंह,आरओ विदिशा सिंह, पीओ मोहम्मद अख्तर आलम, थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, एम ओ कुमुद सिंह, आरओ विदिशा सिंह, बीएओ अनुराग विश्वास, मुखिया सुषमा देवी, मुखिया प्रतिनिधि संतोष मंडल, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी प्रिंस कुमार, बिजली के जेई राजेश कुमार, बीपीएम जीविका सब्बीर अनवर, महिला पर्यवेक्षका उषा कुमारी, पंसस प्रताप मिश्रा,पीटीए आर के मालवीय, मोजूद थे। सहयोग शिविर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। भीषण गर्मी के बावजूद शिविर में आवेदन कर्ताओ की भीड़ उमड़ पड़ी। कोई वृद्धा पेंसन, कोई जाती निवासी, कोइ बिजली, कोइ राशन कार्ड की समस्या का आवेदन विभिन्न काउंटर में आवेदन जमा कर रहे थे। सहयोग शिविर को लेकर पूर्व से ही स्थानीय प्रशासन द्वारा लोगो को जागरूक किया जा रहा था। था। शिविर में स्वास्थ्य, बिजली, कृषि, मनरेगा, शिक्षा, मत्स्य, आयुष्मान शिविर, राजस्व, सुरक्षा पेंशन, जाति निवासी, आय,पीएम आवास योजना, थाना संबंधी सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शिकायत प्राप्ति को लेकर काउंटर लगाए गए थे। इस क्रम में वरीय पदाधिकारी एस प्रतीक ने कहा की सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगो की शिकायत सुनना, समस्याओं का समाधान ओन द स्पॉट करना तथा शिविर में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन शीघ्र करना हैं। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त सभी शिकायतों का बारी बारी निष्पादन किया जयगा तथा योजना से वंचित लाभुकों को उचित लाभ दिलाया जयगा। उन्होंने कहा प्रत्येक पंचायत में हर महीने के पहले व अंतिम मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया जयगा। इस अवसर पर बीडीओ आदित्य प्रकाश ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित लगभग 44 प्रकार के सरकारी योजनाओं का लाभ जनता तक कैसे पहुचे इस को लेकर लोगो को जागरूक किया गया हैं। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार किया गया हैं। बीडीओ ने कहा कि शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का शतप्रतिशत त्वरित समाधान करना हैं। सीओ सुशीलकान्त, पीओ अख्तर आलम ने भी राजस्व, मनरेगा संबंधी विभिन्न प्रकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। मौके पर प्रेम प्रकाश, सुमन कुमार, अवसास पर्यवेक्षक सुमन कुमार, सूरज कुमार , प्रेम कुमार दास, मोहम्मद राहिल, रोहित कुमार, आदि मौजूद थे।●

सड़क किनारे फेंका जाता है बायोमेडिकल वेस्ट

● फरीद अहमद

नगर पंचायत क्षेत्र के शाशागाछी में निजी क्लीनिकों और पैथोलॉजी लैब संचालकों की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। नियमों को ताक पर रखकर डे मार्केट रूट के मुख्य मार्ग किनारे खुलेआम बायोमेडिकल वेस्ट (चिकित्सकीय कचरा) फेंका जा रहा है। सड़कों पर बिखरी प्रयुक्त सिरिंज, संक्रमित ग्लव्स, दवाइयों के रैपर और अन्य घातक अपशिष्टों के कारण स्थानीय लोगों और राहगीरों पर संक्रमण का गंभीर खतरा मंडराने लगा है।

☞ **नियमों की धज्जियां, प्रशासन मौन :-** स्थानीय निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में संचालित निजी चिकित्सा संस्थान हर दिन सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं। रात के अंधेरे या अलसुबह चुपके से इस कचरे को सड़क किनारे डंप कर दिया जाता है। तीव्र दुर्गंध और आवारा पशुओं द्वारा इस कचरे को फैलाने के कारण स्थिति बद से बदतर होती जा रही है।

बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियम के तहत किसी भी प्रकार के चिकित्सीय कचरे को खुले में फेंकना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसका वैज्ञानिक पद्धति से निस्तारण अनिवार्य है, लेकिन पौआखाली में इन गाइडलाइंस की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

☞ **लोगों में भारी नाराजगी, कार्रवाई की मांग :-** सड़क किनारे जमा हो रहे इस मेडिकल वेस्ट से न केवल प्रदूषण फैल रहा है, बल्कि गंभीर बीमारियों के फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। जिम्मेदार विभाग द्वारा कोई सुध नहीं ली जा रही है। लोगों की मांग उठने लगी है कि दोषी क्लीनिकों और पैथोलॉजी सेंटरों की पहचान कर उन पर कार्रवाई की आवश्यकता है। मनमाने तरीके से सड़क किनारे खुलेआम बायोमेडिकल वेस्ट फैंका जाता है जो किसी भी तरीके से सही नहीं है अगर कोई व्यक्ति या फिर पशु उक्त बायोमेडिकल वेस्ट की वजह से संक्रमित बीमारी के चपेट में आता है तो आखिर इसका जिम्मेदार कौन होगा?●

मेनका की मौत बना चर्चा का विषय

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज के डुमरिया भट्टा की 13 वर्षीय नाबालिग मेनका कुमारी की मौत का रहस्य आखिरकार पुलिस जांच में सुलझ गया है। पुलिस के अनुसार मेनका की मौत किसी आपराधिक घटना में नहीं, बल्कि नदी में डूबने से हुई थी। हालांकि इस पूरे मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली, शुरुआती जांच और गुमशुदगी के मामलों में संवेदनशीलता को लेकर कई गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। मेनका कुमारी 28 मई की शाम अपने घर से टहलने के लिए निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद उसके मामा लक्ष्मण कुमार साह ने सदर थाना में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। परिजनों का आरोप था कि पुलिस ने मामले को शुरू में गंभीरता से नहीं लिया और प्राथमिकी दर्ज करने में भी विलंब किया। इसी बीच 1 जून को डुमरिया भट्टा स्थित शिवगंगा घाट के समीप माझिया नदी से एक नाबालिग लड़की का शव बरामद हुआ। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान मेनका कुमारी के रूप में की। घटना की खबर फैलते ही पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। सदर अस्पताल परिसर और मुख्य सड़क पर प्रदर्शन हुए। परिजनों तथा स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने स्वयं जांच की कमान संभाली। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया, करीब चार घंटे तक मौके पर कैंप किया और जांच टीम को वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान करने का निर्देश दिया। डॉग स्क्वायड, एफएसएल टीम और गोताखोरों की भी मदद ली गई।

शुरुआती जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास कुछ बाल मिलने से मामला और रहस्यमय हो गया था। पुलिस ने इन बालों की भी जांच शुरू की। इस बीच विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने भी मामले को लेकर सवाल उठाए। कुछ लोगों ने इसे हत्या का मामला बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को महत्वपूर्ण तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज मिले। इनके आधार पर पता चला कि घटना वाले दिन मेनका अपने दो मौसेरे भाइयों के साथ नदी किनारे गई थी। पूछताछ में दोनों बच्चे शुरू में लगातार बयान बदलते रहे, जिससे संदेह और बढ़ गया। लेकिन बाद में परिजनों की मौजूदगी में पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों बच्चों ने पूरी घटना बताई। पुलिस के अनुसार तीनों बच्चे नदी में स्नान करने गए थे। मेनका नदी किनारे बने बांध से बार-बार पानी में छलांग लगा रही थी। इसी दौरान वह नदी के अधिक गहरे हिस्से में पहुंच गई और डूबने लगी। दोनों भाइयों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन नदी की गहराई अधिक होने के कारण वे सफल नहीं हो सके। घटना के बाद डर और घबराहट में उन्होंने किसी को भी इसकी जानकारी नहीं दी और घर लौट आए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने भी पुलिस जांच की पुष्टि कर दी। रिपोर्ट में शरीर पर किसी प्रकार की बाहरी चोट नहीं पाई गई। वहीं श्वासनली, फेफड़े और पेट में रेत तथा मिट्टी के कण मिलने से चिकित्सकों ने मौत का कारण पानी में डूबना बताया। इसके बाद पुलिस ने वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर मामले का पटाक्षेप कर दिया। हालांकि इस मामले का एक दूसरा पक्ष भी सामने आया। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने जांच के दौरान पाया कि गुमशुदगी की शिकायत मिलने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज करने में विलंब किया गया और शुरुआती अनुसंधान में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई। एसडीपीओ-1 खुसरू सिराज की जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन प्रभारी थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर नेसार अहमद को लाइन क्लोज कर दिया गया, जबकि मामले के अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक सुधीर कुशवाहा को निलंबित कर दिया गया। मेनका की मौत भले ही दुर्घटनावश डूबने से हुई हो, लेकिन इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि गुमशुदगी के मामलों में शुरुआती घंटों की कार्रवाई कितनी महत्वपूर्ण होती है। साथ ही यह मामला पुलिस तंत्र के लिए भी एक सीख बन गया है कि संवेदनशील मामलों में लापरवाही या देरी न केवल जांच को प्रभावित करती है, बल्कि आम लोगों का भरोसा भी कमजोर करती है।●

अवैध बालू खनन पर प्रशासन का शिकंजा

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

जिले में अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में 08 जून को पौआखाली थाना क्षेत्र के पवना इलाके में खनन विभाग और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर बालू से लदी दो ट्रॉलियों को जब्त किया। कार्रवाई के दौरान खनन कारोबार से जुड़े लोग ट्रॉलियों को मौके पर छोड़कर उनके इंजन लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार अवैध बालू खनन को लेकर लंबे समय से चर्चा में रहने वाले पवना क्षेत्र में प्रशासन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के आधार पर जिला खान विभाग और पौआखाली पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान टीम को बालू से लदी दो ट्रॉलियां मिलीं, जिन्हें तत्काल जब्त कर लिया गया। हालांकि कार्रवाई की भनक लगते ही मौके पर मौजूद लोग ट्रॉलियों से इंजन अलग कर फरार होने में सफल रहे। अभियान में जिला खान निरीक्षक सुनील कुमार, पौआखाली थानाध्यक्ष शंख राज कर्ण, पीएसआई अरुण कुमार, एएसआई विजय प्रताप यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। अधिकारियों की मौजूदगी से क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और अवैध खनन से जुड़े लोग इधर-उधर भागते नजर आए। जिला खान निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि प्रशासन की कार्रवाई के दौरान खननकर्ताओं ने ट्रॉलियों के इंजन खोल लिए और उन्हें लेकर भाग निकले, लेकिन बालू से लदी दोनों ट्रॉलियां प्रशासन के कब्जे में हैं। उन्होंने कहा कि जब्त वाहनों के वास्तविक मालिकों की पहचान की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद संबंधित लोगों के विरुद्ध खनन अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन और बिना अनुमति बालू परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन का उद्देश्य सरकारी राजस्व की रक्षा करने के साथ-साथ पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। गौरतलब है कि पौआखाली थाना में शंख राज कर्ण के थानाध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने के बाद अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई में उल्लेखनीय तेजी आई है। उनके कार्यकाल के शुरुआती एक माह के भीतर ही पांच ट्रैक्टर एवं ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की जा चुकी हैं। लगातार हो रही कार्रवाई से अवैध खनन कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप है, जबकि स्थानीय लोगों ने प्रशासन की सक्रियता की सराहना करते हुए ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रखने की मांग की है।●

बेहतर पुलिसिंग की दिशा में किशनगंज पुलिस का बड़ा कदम

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले में पुलिस व्यवस्था को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार की पहल का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। पिछले लगभग छह महीनों के दौरान जहां कार्य में लापरवाही बरतने वाले 17 पुलिस पदाधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है, वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाले 200 से अधिक पुलिसकर्मियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया है। अनुशासन और प्रोत्साहन की इस दोहरी नीति ने जिले की पुलिसिंग व्यवस्था में एक नई कार्यसंस्कृति विकसित करने का संकेत दिया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने 10 जनवरी को किशनगंज में योगदान दिया था। पदभार ग्रहण करने के बाद से उन्होंने जिले के विभिन्न थानों का लगातार निरीक्षण किया और पुलिस कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों, लंबित मामलों और अनुसंधान में बरती गई लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, छह माह की अवधि में 17 पुलिस पदाधिकारी निलंबित किए गए हैं। इनमें पांच थानाध्यक्ष स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कई अवर निरीक्षक (एसआई) और सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) स्तर के अधिकारियों पर भी कार्रवाई हुई है। वहीं 38 पुलिसकर्मियों का वेतन रोका गया, जिनमें से नौ

के विरुद्ध विभागीय दंड की प्रक्रिया भी शुरू की गई। जिले में हाल के महीनों में कई चर्चित अनुशासनात्मक कार्रवाइयां भी सामने आई हैं। किशनगंज सदर थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार रंजन को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में निलंबित किया गया था। इसके अलावा पौआखाली थाना, एससी-एसटी थाना और महिला थाना में पदस्थ अधिकारियों पर भी विभागीय कार्रवाई की गई। इन कदमों को पुलिस विभाग के भीतर जवाबदेही तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि तस्वीर का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पुलिस अधीक्षक ने केवल दंडात्मक कार्रवाई पर ही जोर नहीं दिया, बल्कि बेहतर कार्य करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहित करने की परंपरा भी मजबूत की। कांडों के त्वरित निष्पादन, विधि-व्यवस्था संधारण, सुपर पेट्रोलिंग, कार्यालयी कार्यों और सफल छापेमारी अभियानों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 200 से अधिक पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। इसके लिए कुल 1 लाख 21 हजार 650 रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई। पुरस्कृत कर्मियों में पुलिस अवर निरीक्षक, सहायक अवर निरीक्षक, 86 सिपाही तथा पीटीसी कर्मी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि अच्छे कार्यों की सार्वजनिक सराहना से कर्मियों का मनोबल बढ़ता है और वे अधिक समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। पुलिस मुख्यालय की प्राथमिकताओं के अनुरूप लंबित मामलों के निष्पादन, अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार और अपराध नियंत्रण को लेकर किशनगंज पुलिस लगातार सक्रिय है। विभागीय सूत्रों के अनुसार अनुशासनहीनता और लापरवाही के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है, जबकि उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करने की प्रक्रिया भी जारी रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि जवाबदेही और प्रोत्साहन का यह संतुलित मॉडल न केवल पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाएगा, बल्कि आम लोगों का भरोसा भी मजबूत करेगा। किशनगंज में पिछले छह महीनों के दौरान हुई कार्रवाइयों को इसी बदलाव की एक महत्वपूर्ण शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

एएनटीएफ की बड़ी कार्रवाई, स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को एक बड़ी सफलता मिली है। हाल ही में गठित एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बहादुरगंज थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 88.23 ग्राम स्मैक के साथ एक कथित तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 18 लाख रुपये है। इस कार्रवाई को जिले में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बहादुरगंज थाना क्षेत्र के लोहागाड़ा इस्मत टोला निवासी सद्दाम अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके घर से स्मैक के अलावा 11,670 रुपये नकद, दो डिजिटल तराजू तथा 10 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। बरामद सामान इस बात की ओर संकेत करता है कि आरोपी लंबे समय से नशीले पदार्थों के कारोबार से जुड़ा हो सकता है। 07 जून को आयोजित प्रेसवार्ता में एसडीपीओ-1 खुसरो सिराज ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सद्दाम अंसारी अपने घर में स्मैक का भंडारण कर उसकी खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए उसका सत्यापन कराया गया और फिर एएनटीएफ तथा बहादुरगंज थाना पुलिस की संयुक्त टीम का गठन किया गया। 06 जून की देर रात टीम ने आरोपी के घर पर योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में स्मैक बरामद हुई, जिसके बाद आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सभी बरामद वस्तुओं को जब्त कर लिया है और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच एजेंसियों का मानना है कि मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है। प्रारंभिक जांच में यह एक संगठित तस्करी नेटवर्क से जुड़ा मामला प्रतीत हो रहा है। इसी कारण पुलिस अब इसके बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक खंगाल रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि स्मैक की आपूर्ति कहां से हो रही थी और किन लोगों तक इसकी बिक्री की जा रही थी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। उम्मीद है कि इससे तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में मदद मिलेगी। साथ ही नशे के कारोबार से अर्जित अवैध संपत्तियों का भी पता लगाया जाएगा और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत उन्हें जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने स्पष्ट किया है कि "नशा मुक्त किशनगंज" अभियान के तहत ऐसे अभियानों को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। जिले के लोगों से भी इस अभियान में सहयोग करने की अपील की गई है। पुलिस ने आम नागरिकों के लिए एएनटीएफ हेल्पलाइन नंबर 9031816150 जारी किया है, जहां मादक पदार्थों की तस्करी या बिक्री से जुड़ी सूचना दी जा सकती है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि सूचनादाता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। बहादुरगंज थाना में इस संबंध में कांड संख्या 362/26 दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(सी) और 21(बी) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की बढ़ती सक्रियता और सख्त रुख का स्पष्ट संकेत मानी जा रही है।●

कार्रवाई के बावजूद नहीं थम रहा अवैध बालू खनन

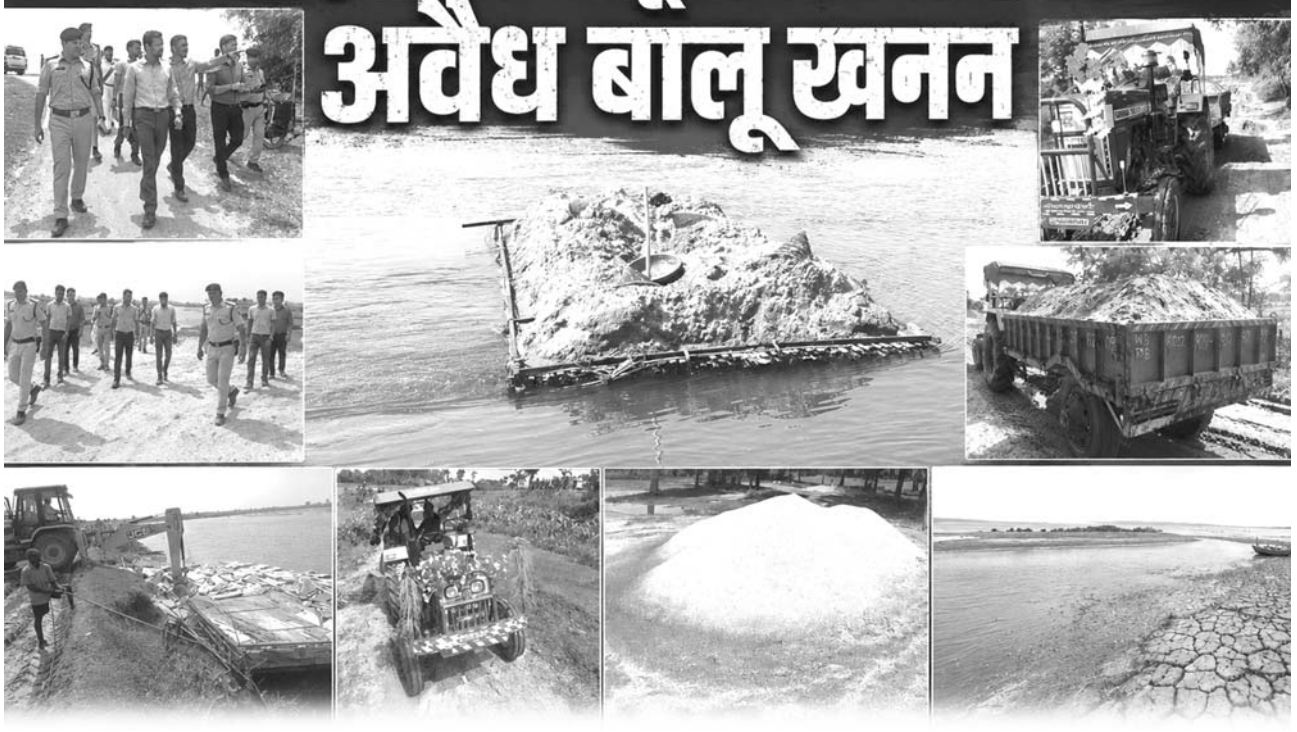

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले में अवैध बालू खनन के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई लगातार जारी है, लेकिन इसके बावजूद बालू माफियाओं के हौसले पस्त होते नहीं दिख रहे हैं। सदर थाना क्षेत्र की कोल्हा पंचायत स्थित टुपामारी (घाट संख्या-71) में दिनदहाड़े नदी से अवैध बालू निकाले जाने की तस्वीरें प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां लंबे समय से संगठित तरीके से अवैध खनन का कारोबार संचालित हो रहा है और इसमें प्रभावशाली लोगों का संरक्षण प्राप्त है। ग्रामीणों के अनुसार, पहले बालू माफिया रात के अंधेरे में खनन करते थे, लेकिन अब वे खुलेआम दिन के उजाले में दर्जनों जुगाड़ नावों के जरिए नदी से बालू निकाल रहे हैं। नदी किनारे बड़े पैमाने पर बालू का भंडारण भी किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि इस कारोबार में एक जनप्रतिनिधि का रिश्तेदार शामिल है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है। टुपामारी क्षेत्र में पूर्व में कई बार प्रशासन ने छापेमारी कर अवैध बालू ढोने वाली नावों को जब्त किया और कुछ को नष्ट भी किया था। बावजूद इसके कार्रवाई का असर कुछ दिनों तक ही दिखाई देता है। जैसे ही निगरानी कम होती है, अवैध खनन का कारोबार फिर से तेज हो जाता है। वर्तमान में एक दर्जन से अधिक नावें दिन-रात इस धंधे में लगी होने की बात सामने आ रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि बालू माफियाओं ने निगरानी की भी अलग व्यवस्था कर रखी है। बेलवा से टुपामारी जाने वाले मार्ग पर उनके लोग तैनात रहते हैं, जो प्रशासनिक वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। जैसे ही किसी छापेमारी की सूचना मिलती है, मोबाइल के जरिए तत्काल संदेश पहुंचा दिया जाता है और कुछ समय के लिए खनन कार्य रोक दिया जाता है। अवैध खनन केवल राजस्व नुकसान का मामला नहीं है, बल्कि पर्यावरणीय संकट भी पैदा कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी कटाव रोकने के लिए बनाए गए बांधों को नुकसान पहुंच रहा है। इससे भविष्य में बाढ़, भू-कटाव और आसपास के गांवों की सुरक्षा पर खतरा बढ़ सकता है। जलस्तर में बदलाव का असर खेती और ग्रामीण जीवन पर भी पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इसी बीच जिला प्रशासन ने सदर प्रखंड के मोतिहारा तालुका पंचायत अंतर्गत अमलझाड़ी और बागडोबा गांव के समीप डौंक नदी में चल रहे अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। जिलाधिकारी विशाल राज, अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार और एसडीपीओ-वन मो. खुसरू सिराज के नेतृत्व में हुई छापेमारी में अवैध खनन में इस्तेमाल हो रही कई नावों को जब्त कर जेसीबी से नष्ट कर दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने और पर्यावरण को प्रभावित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं पौआखाली थाना क्षेत्र के सिमलबाड़ी स्थित बूढ़ी कनकई नदी में भी पुलिस ने अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बालू से लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया। थानाध्यक्ष शंख राज कर्ण ने बताया कि बिना अनुमति बालू खनन और परिवहन करने वालों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।हालांकि सवाल अब भी बना हुआ है कि जब लगातार कार्रवाई हो रही है, तो अवैध खनन पूरी तरह बंद क्यों नहीं हो पा रहा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि जब तक खनन सिंडिकेट के संरक्षकों और नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक यह कारोबार किसी न किसी रूप में जारी रहेगा। अब लोगों की निगाह प्रशासन पर है कि टुपामारी समेत जिले के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध बालू खनन पर स्थायी रोक लगाने के लिए कौन-से ठोस और दीर्घकालिक कदम उठाए जाते हैं।●

राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता को लेकर बड़ा संदेश देते हुए भ्रष्टाचार, अनियमितता और कर्तव्यहीनता के आरोपों में नौ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की है। विभागीय स्तर पर लिए गए इस निर्णय को राजस्व प्रशासन में अनुशासन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल के निर्देश पर यह कार्रवाई तय की गई। इसके तहत कई अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र गठित करने, विभागीय कार्यवाही चलाने, पेंशन में कटौती करने और यहां तक कि सेवा से बर्खास्त करने की अनुशंसा जैसे कठोर कदम उठाए गए हैं। सबसे सख्त कार्रवाई राजस्व अधिकारी-सह-कानूनगो सोनी कुमारी के विरुद्ध की गई है। विभाग के अनुसार वे वर्ष 2021 से बिना अनुमति के अनुपस्थित थीं। बार-बार स्पष्टीकरण मांगने और विभागीय कार्यवाही में सहयोग करने के निर्देश के बावजूद संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की अनुशंसा की गई है। विभाग का मानना है कि यह सरकारी सेवा आचरण नियमों का गंभीर उल्लंघन है। वहीं सेवानिवृत्त अंचल अधिकारी

नवीन भूषण पर दाखिल-खारिज मामलों के निष्पादन में निर्धारित 'फर्स्ट इन फर्स्ट आउट' (FIFO) नियम की अनदेखी करने, मनमाने ढंग से मामलों का निपटारा करने और राजस्व वसूली में लापरवाही बरतने के आरोप सिद्ध हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप उनकी पेंशन में एक वर्ष तक पांच प्रतिशत कटौती का दंड लगाया गया है। कार्रवाई की जद में कई अन्य अधिकारी भी आए हैं। गया जिले के मोहनपुर के तत्कालीन राजस्व कर्मचारी राजेश कुमार, गोपालगंज के बरौली के तत्कालीन अंचल अधिकारी प्रशांत कुमार, सुपौल के किशनपुर की तत्कालीन अंचल अधिकारी सुशीला कुमारी तथा वैशाली के महुआ के तत्कालीन अंचल अधिकारी मणि कुमार वर्मा के खिलाफ आरोप पत्र गठित किए गए हैं। इन अधिकारियों पर दाखिल-खारिज मामलों में पिक एंड चूज नीति अपनाने, FIFO व्यवस्था का उल्लंघन करने, मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने और विभागीय निर्देशों की अवहेलना करने के आरोप हैं। मधुबनी के तत्कालीन अंचल अधिकारी अभय कुमार के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई को आगे बढ़ाया गया है। उन्हें वर्ष 2025 में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा कथित रूप से रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था। वहीं भोजपुर के राजस्व अधिकारी दयाशंकर झा के खिलाफ सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान शराब के नशे में ड्यूटी करने के आरोप में विभागीय कार्यवाही शुरू करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि कैमूर की तत्कालीन अंचल अधिकारी शशि सिंह के मामले में विभागीय जांच पूरी होने के बाद उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया है। राजस्व मंत्री ने स्पष्ट किया है कि जनता से जुड़े कार्यों में भ्रष्टाचार, अनावश्यक विलंब और लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 23 अंचल अधिकारियों पर भी कार्रवाई हो चुकी है। ताजा निर्णय के साथ विभाग द्वारा अब तक कुल 32 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। प्रशासनिक हलकों में इसे जवाबदेही और सुशासन की दिशा में एक मजबूत पहल के रूप में देखा जा रहा है।●

जलनिकासी की बदहाल व्यवस्था से जूझ रहा सीमलबाड़ी मार्ग

● फरीद अहमद

नगर पंचायत पौआखाली के सीमलबाड़ी मार्ग पर जलनिकासी की समस्या स्थानीय लोगों के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई है। सड़क पर कई दिनों तक गंदा पानी जमा रहने से राहगीरों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही आसपास के इलाके में दुर्गंध फैलने से लोगों में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं भी बढ़ रही हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, सड़क पर पानी जमा रहने की समस्या नई नहीं है, लेकिन इसके समाधान के लिए अब तक कोई प्रभावी पहल दिखाई नहीं दे रही है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इसी मार्ग से गुजरते हैं, जिन्हें जलजमाव के कारण असुविधा झेलनी पड़ती है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि उचित जलनिकासी व्यवस्था के अभाव में बारिश का पानी सड़क पर ही ठहर जाता है। लंबे

समय तक पानी जमा रहने से आसपास गंदगी फैल रही है, जिससे वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। कुछ लोगों ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। लोगों ने नगर प्रशासन से मांग की है कि जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए और नियमित सफाई व जलनिकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।●

मुठभेड़ में दबोचा गया अंतर्राज्यीय गिरोह का सरगना

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत किशनगंज पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय आपराधिक गिरोह के सरगना पवन कुमार उर्फ चिंटू को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए। वहीं उसके सहयोगी पंकज कुमार उर्फ छोटू यादव को एसटीएफ की मदद से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से हथियार, कारतूस, चोरी की मोटरसाइकिल समेत कई आपत्तिजनक सामान बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि 20 मई की रात सूचना मिली थी कि फरिंगगोला रेलवे गुमटी के समीप कुछ अपराधी किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं।

सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। देर रात करीब साढ़े दस बजे पुलिस टीम ने इलाके में एक संदिग्ध युवक को देखा, जो बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर सवार था। पुलिस को देखते ही वह भागने लगा और पीछा किए जाने पर पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। भागने के दौरान उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार गोलीबारी करता रहा। पुलिस द्वारा कई बार आत्मसमर्पण की चेतावनी दी गई, परंतु उसने फायरिंग जारी रखी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराधी की पहचान कटिहार जिले के रौतारा थाना क्षेत्र निवासी पवन कुमार उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वह लूट, छिनतई और मोटरसाइकिल चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का सरगना है। उसके खिलाफ बिहार के विभिन्न जिलों में दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पूछताछ में पवन ने खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ किशनगंज में एक व्यवसायी से लूट की योजना बना रहा था। उसके बयान के आधार पर एसटीएफ की सहायता से रामपुर चेकपोस्ट के पास छापेमारी कर उसके सहयोगी पंकज कुमार उर्फ छोटू यादव को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से चोरी की एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। जांच में यह भी सामने आया कि सोशल मीडिया पर वायरल मोटरसाइकिल चोरी के कई वीडियो इसी गिरोह से जुड़े थे। पूछताछ के दौरान किशनगंज जिले में हुई सात मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं में गिरोह की संलिप्तता का खुलासा हुआ है। इनमें से दो चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कर ली गई हैं। पुलिस ने घटनास्थल से एक पिस्टल, दो मैगजीन, चार जिंदा कारतूस, छह खोखा, दो मोबाइल फोन, मास्टर चाबी, नकदी तथा भूटानी मुद्रा बरामद की है। मामले में किशनगंज थाना कांड संख्या 541/26 एवं 542/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चला रही है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

दिनांक:-26-05-2026

सेवा में,

श्रीमान प्रखण्ड विकास पदाधिकारी

ठाकुरगंज किशनगंज बिहार

विषय - लाभार्थी को मृत घोषित किया गया है इस सम्बन्ध में।

महाशय,

निवेदन पूर्वक कहना है कि मैं जमातुन निशा पिता आशावाली साकिन- भेलागुरी वार्ड नं०-०५ पो० ठाकुरगंज, थाना - सुखानी अंचल - ठाकुरगंज, जिला - किशनगज राज्य - बिहार का स्थाई निवासी हूँ मेरा विधा पेंशन लाभार्थी **संख्या - 000000901405** हैं मेरा पेंशन कि वर्तमान स्थिति में मृत घोषित किया गया हैं जिस कारण मैं अपना जीवन प्रमाणीकरण नहीं कर पा रहा हूँ मेरा पेंशन नहीं मिलता हैं।

अत: श्रीमान से नम्र निवेदन हैं मेरा पेंशन को चालू कर दिया जाये ताकि मैं पेंसन का लाभ ले सकू।

प्रार्थी

नाम -जमातुन निशा

पता - भेलागुरी

मो०-9324291347

जिंदा होने का सरकारी सबूत मांग रही हैं जमातून निशा

● **फरीद अहमद**

किशनगंज जिला अंतर्गत ठाकुरगंज प्रखंड से एक ऐसा संवेदनशील और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे प्रशासनिक तंत्र के 'सत्यापन खेल' की पोल खोल कर रख दी है। यहाँ तातपौआ पंचायत की एक बुजुर्ग महिला ''जमातून निशा'' को सरकारी दस्तावेजों में 'मृत' घोषित कर दिया गया है। कागजी तौर पर मार दी गई यह बुजुर्ग महिला पिछले 11 महीनों से प्रखंड कार्यालय के बंद कमरों और चौखटों पर सिर्फ इसलिए सिर पटक रही है ताकि सरकारी बाबू यह मान लें कि वह अभी जिंदा है।

☞ **अफसरों की कलम ने छीन लिया बुढ़ापे का सहारा :-** दरअसल, जमातून निशा को मिलने वाली वृद्धावस्था पेंशन जब अचानक बंद हुई, तो परिजनों ने इसकी वजह तलाशनी शुरू की। काफी दौड़-भाग के बाद जो सच सामने आया, उसने परिजनों के होश उड़ा दिए। सरकारी रिकॉर्ड में महिला को कथित रूप से मृत दिखाकर उनका नाम लाभार्थियों की सूची से साफ कर दिया गया था। अब सवाल यह उठता है कि आखिर किस 'विश्वसनीय' अधिकारी या कर्मी ने मौके पर जाए बिना, अपनी कुर्सी पर बैठकर एक जीवित इंसान की मौत का फरमान जारी कर दिया? इस अमानवीय लापरवाही ने स्थानीय जनता के बीच सरकारी व्यवस्था के प्रति गहरे आक्रोश को जन्म दे दिया है।

☞ **महीनों पहले मिला आश्वासन भी निकला खोखला :-** पत्रिका की पड़ताल में यह बात भी सामने आई कि यह मामला महीनों से अधिकारियों की टेबल पर घूम रहा है, लेकिन संवेदनशीलता के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं।

मुखिया प्रतिनिधि रासमुद्दीन फैज ने 'केवल सच' को बताया कि करीब 4 महीने पहले मैं खुद इस बेबस बुजुर्ग महिला को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) के कार्यालय गया था। बीडीओ साहब को पूरी हकीकत से रूबरू कराया गया। उस वक्त उन्होंने तुरंत सुधार करने का बड़ा आश्वासन दिया था। लेकिन अफसोस, महीनों बीत जाने के बाद भी स्थिति 'ढाक के तीन पात' वाली ही रही। यह सीधे तौर पर फील्ड में जांच करने वाले कर्मी की घोर लापरवाही और मनमानी है। वहीं, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि बिनदेस राय ने इस कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि 'अगर एक जीवित महिला को मृत दिखाकर उसकी पेंशन रोकी गई है, तो यह अक्षम्य अपराध है। जांच करने वाले कर्मी के खिलाफ सिर्फ विभागीय जांच नहीं, बल्कि सख्त दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई दूसरा कर्मी ऐसा मजाक न कर सके।'

☞ **घिरी सिस्टम, तो अब शुरू हुई कागजी दौड़ :-** जब मामला पूरी तरह से तूल पकड़ने लगा और स्थानीय स्तर पर बदनामी होने लगी, तब जाकर प्रखंड प्रशासन की कुंभकर्णी नींद टूटी है। इस पूरे प्रकरण पर ठाकुरगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) अहमर अब्दाली ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि 'मामला हमारे संज्ञान में है और पीड़िता की तरफ से आवेदन मिला है। इसके बाद विकास मित्र को भेजकर स्थलीय जांच (Physical Verification) कराई गई है। सुधार हेतु त्वरित रूप से आवश्यक करवाई की जा रही है।

सवाल उठता है कि ठाकुरगंज का यह मामला सिर्फ एक बुजुर्ग महिला की पेंशन का नहीं है, बल्कि यह उस सुस्त कार्यप्रणाली का हिस्सा है जहाँ बिना जमीनी हकीकत जाने कागज काले कर दिए जाते हैं। बीडीओ साहब भले ही अब त्वरित कार्रवाई का दावा कर रहे हों, लेकिन सवाल यह है कि पिछले 11 महीनों से जो मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना इस बुजुर्ग ने झेली है, उसका हिसाब कौन देगा? ●

मेडिकल दुकान की आड़ में चल रहा था नशे का कारोबार

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार तेज होता जा रहा है। इसी कड़ी में नवगठित एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कोचाधामन थाना क्षेत्र से चार कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 95 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। यह कार्रवाई इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि पुलिस के अनुसार हेरोइन का यह कारोबार एक मेडिकल दुकान की आड़ में संचालित किया जा रहा था।गुप्त सूचना मिलने के बाद एएनटीएफ और जिला आसूचना इकाई ने संयुक्त रूप से योजनाबद्ध छापेमारी कर पूरे नेटवर्क को झटका दिया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई के दौरान रहमतपाड़ा चौक स्थित एक मेडिकल दुकान की तलाशी ली गई। जांच के दौरान वहां से 95 ग्राम हेरोइन के अलावा 4,190 रुपये नकद, एक डिजिटल तराजू और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद सामान से यह संकेत मिलता है कि नशीले पदार्थों की बिक्री संगठित तरीके से की जा रही थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने रहमतपाड़ा निवासी एहसान दानिश, पश्चिमपाली निवासी रैयान, मो. अकरम तथा मस्जिदगढ़ निवासी मिथुन कुमार पासवान को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों के लंबे समय से इस कारोबार से जुड़े होने की बात सामने आई है। पुलिस अब उनके नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि बरामद हेरोइन की आपूर्ति कहां से की जा रही थी और इसकी बिक्री किन क्षेत्रों में हो रही थी। पुलिस बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंक की पड़ताल कर रही है ताकि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जा सके। साथ ही नशे के कारोबार से अर्जित अवैध संपत्तियों की भी जांच की जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार आरोपी एहसान दानिश के खिलाफ वर्ष 2022 में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज हो चुका है। इससे स्पष्ट होता है कि वह पहले भी मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त रहा है। इस मामले में कोचाधामन थाना कांड संख्या 301/26 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(सी) और 21(बी) के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने कहा कि "नशा मुक्त किशनगंज" अभियान के तहत मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने आम लोगों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि एएनटीएफ हेल्पलाइन पर दी गई हर सूचना को गंभीरता से लिया जाएगा और सूचनादाता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। यह कार्रवाई जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस के सख्त रुख का एक और उदाहरण मानी जा रही है।●

जनसमस्याओं को लेकर राजद का हुंकार

● धर्मेन्द्र सिंह

बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था की स्थिति और किसानों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने 17 जून को जिला मुख्यालय में शक्ति प्रदर्शन करते हुए एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया। शहर के टाउन हॉल के सामने आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया तथा सरकार के समक्ष विभिन्न जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। धरना का नेतृत्व पूर्व विधायक अंजार नईमी, पूर्व विधायक सऊद आलम, पूर्व विधायक मास्टर मुजाहिद आलम तथा राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव दानिश इकबाल ने किया। नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल, खाद्यान्न, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में हो रही वृद्धि से गरीब, मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने पेट्रोल-डीजल पर लगाए जा रहे करों में कमी लाने और आम जनता को राहत देने की मांग की। धरने के दौरान बेरोजगारी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। पूर्व विधायक मास्टर मुजाहिद आलम ने कहा कि प्रदेश के युवाओं के सामने रोजगार का गहरा संकट खड़ा हो गया है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बार-बार सामने आ रही पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसरों की कमी

और भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं के कारण युवाओं में निराशा का माहौल बन रहा है। राजद नेताओं ने कानून व्यवस्था को लेकर भी चिंता व्यक्त की।दानिश इकबाल ने कहा कि चोरी, लूट, हत्या तथा महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध लोगों में भय का वातावरण पैदा कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। वहीं अंजार नईमी ने सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार, प्रमाण पत्र निर्गत करने में देरी, भूमि एवं राजस्व संबंधी मामलों में आम लोगों को होने वाली परेशानियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिलने से जनता को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों की समस्याएं भी धरने का महत्वपूर्ण विषय रहीं। नेताओं ने हाल के तूफान और बारिश से गेहूं, मक्का, केला, आम और लीची की फसलों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की। साथ ही क्षतिग्रस्त कच्चे मकानों के लिए भी सहायता उपलब्ध कराने की बात कही गई। धरना समाप्त होने के बाद राजद के प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में एएमयू किशनगंज केंद्र को शीघ्र फंड उपलब्ध कराने, सुरजापुरी समुदाय को आरक्षण का लाभ देने, उर्दू के साथ अरबी एवं फारसी शिक्षकों की नियुक्ति, नदियों के कटाव पर रोक, शहर में जलजमाव और ट्रैफिक जाम की समस्या के समाधान तथा मोहरमारी चौक पर अंडरपास निर्माण सहित कई स्थानीय मांगें शामिल थीं। जिला प्रभारी मोहिबुल हसन ने चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी आंदोलन को और व्यापक रूप देगी।●

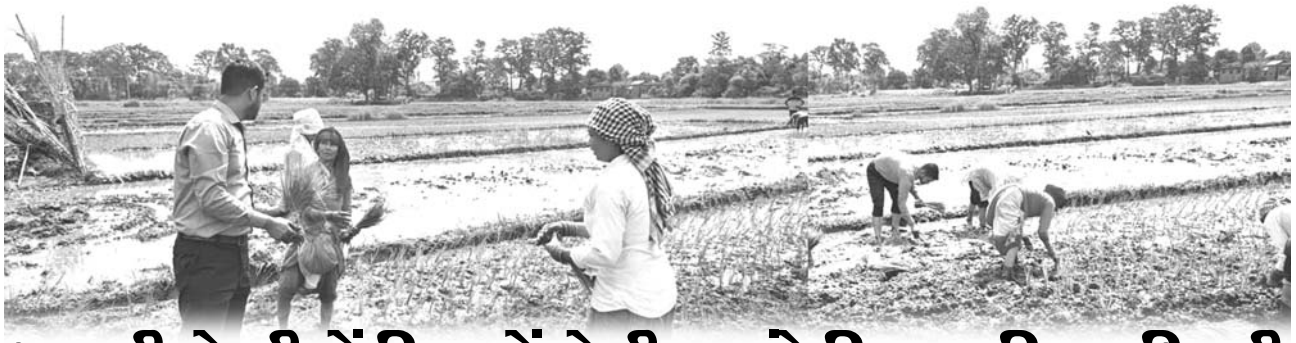

धान की रोपनी में किसानों के बीच पहुचे जिला कृषि पदाधिकारी

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चम्पारण जिले में इन दिनों धान की रोपनी का कार्य पूरे उत्साह और तेज गति से चल रहा है। खेतों में किसानों की व्यस्तता और हरियाली की तैयारियों के बीच कृषि विभाग भी किसानों के साथ कदम से कदम मिलाकर उनकी समस्याओं के समाधान एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार में जुटा हुआ है। इसी क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी श्री सरफराज असगर ने बगहा-2 प्रखंड के विभिन्न पंचायत क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा किसानों के बीच पहुंचकर धान रोपनी कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं खेत में उतरकर किसानों के साथ धान रोपनी में भाग लिया, जिससे किसानों में उत्साह का संचार हुआ। किसानों ने भी जिला कृषि पदाधिकारी का खेत में स्वागत करते हुए अपनी कृषि संबंधी समस्याओं, अनुभवों एवं सुझावों को साझा किया।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों से सीधे संवाद स्थापित कर वर्तमान कृषि परिदृश्य, मौसम की स्थिति तथा धान की बेहतर पैदावार के लिए अपनाई जाने वाली वैज्ञानिक विधियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने किसानों को बताया कि कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। उन्होंने किसानों से विभागीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है, जबकि प्राकृतिक खेती न केवल भूमि की गुणवत्ता को बनाए रखती है बल्कि उत्पादन लागत को भी कम करती है। उन्होंने किसानों को गोबर, जीवामृत, घनजीवामृत एवं अन्य जैविक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण अनुकूल खेती की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादित कृषि उपज की बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है और इससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त होने की संभावना रहती है। साथ ही यह खेती मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भ्रमण के दौरान किसानों ने कृषि विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अधिकारियों का खेतों तक पहुंचना और सीधे किसानों से संवाद करना उनके लिए काफी लाभदायक साबित हो रहा है। किसानों ने विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं तकनीकी मार्गदर्शन के लिए जिला कृषि पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया। जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम आधारित कृषि सलाह का पालन करें, प्रमाणित बीजों का उपयोग करें तथा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि जिले में कृषि उत्पादन और किसानों की आय में निरंतर वृद्धि हो सके।●

पुरूषोत्तमपुर थानाध्यक्ष निलंबित

नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाने और अभियुक्त की गिरफ्तारी सुनिश्चित नहीं करने के आरोप में पुरुषोत्तमपुर थानाध्यक्ष एवं पुलिस अवर निरीक्षक सुधा कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बेतिया पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 4 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण के जनता दरबार में प्राप्त शिकायत के आलोक में मामले की समीक्षा की गई। जांच के दौरान यह पाया गया कि नाबालिग लड़की के अपहरण से संबंधित कांड में आवश्यक गति से कार्रवाई नहीं की गई तथा अभियुक्त की गिरफ्तारी सुनिश्चित नहीं हो सकी। मामले की गंभीरता, संवेदनशीलता और कानून-व्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने पुरुषोत्तमपुर थानाध्यक्ष सुधा कुमारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं, नाबालिगों और अन्य संवेदनशील मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, शिथिलता या उदासीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी थाना प्रभारियों एवं अनुसंधानकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि ऐसे मामलों में त्वरित प्राथमिकी, प्रभावी अनुसंधान, अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित पक्ष को समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करें।● **रिपोर्ट :- रवि रंजन मिश्र**

गौधन रक्षा में तत्पर मझौलिया थाना

● रवि रंजन मिश्र

थानाध्यक्ष मझौलिया को देर रात्रि को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि मझौलिया थाना अंतर्गत ग्राम खैरवा वार्ड नं०-1, महोदीपुर स्थित फैयाज आलम अंसारी के बथान पर इनके सहयोगी द्वारा गौकशी कर उसका मांस बिक्री एवं परिवहन की जा रही है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर 01, बेतिया के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल में अंचलाधिकारी मझोलिया एवं पशु चिकित्सक भी शामिल थे। गठित टीम के द्वारा ग्राम खैरवा वार्ड नं-1 स्थित फैयाज आलम अंसारी के बथान पर छापामारी करने पर उनके बथान के पास से एक काला रंग के गाय का मांस विभिन्न टुकडों में पाया गया। बरामद गाय के मांस को एफ०एस० एल० एवं पशु चिकित्सक के उपस्थिति में विधि वत के जप्त किया गया। बथान में मौजूद 03 पुरूष एवं 01 महिला अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में मझौलिया थाना कांड संख्या 475/26 दिनांक 29/5/26 धारा-313/ 317(4) /317(5)/223/196/299/325/326/ 111(2)/3 (5) भारतीय न्याय संहिता एवं 11(i) (a)(क)(k)(n) पशु क्रूरता अधिनियम दर्ज किया गया है।

❖ **अभियुक्त :-**

☞ मोहम्मद मेराज आलम, उम्र करीब 19 वर्ष, पे० मोबारक अंसारी।

☞ नसीमा खातुन, उम्र 45 वर्ष, पति-मोबारक अंसारी।

☞ मोबारक अंसारी, उम्र करीब 54 वर्ष, पे० स्व० जान मोहम्मद अंसारी।

☞ फैयाज आलम अंसारी, उम्र 46 वर्ष, पे० स्व० जान मोहम्मद अंसारी।

सभी साकिन खैरवा वार्ड नं0-01 थाना मझौलिया जिला प0 चम्पारण, बेतिया।

❖ **बरामदगी :-** गौ मांस का टुकडा।

❖ **छापेमारी/एस0आई0टी0 टीम :-**

☞ अजीत कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1, बेतिया।

☞ अमर कुमार, पु०नि० -सह-थानाध्यक्ष।

☞ धर्मेन्द्र कुमार पु०नि० सह अपर थानाध्यक्ष ।

☞ राजीव रंजन , अंचलाधिकारी मझौलिया।

☞ डॉ० रजनीश कुमार पशु चिकित्सक पदाधिकारी।

☞ एफ०एस०एल० टीम, बेतिया।

☞अनुज कुमार, पु०अ०नि० ओझा।

☞ अनुराधा कुमारी, परि० पु०अ०नि०।

☞ सशस्त्र बल।●

एस.पी. की सख्त मॉनिटरिंग से मुख्य दोषियों को उम्रकैद

● रवि रंजन मिश्र

बिहार के जमुई जिले के बहुचर्चित सब-इंस्पेक्टर प्रभात रंजन हत्याकांड में न्यायालय ने एक ऐतिहासिक और कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने इस मामले के मुख्य आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा मुकर्रर की है। इस पूरे मामले को अंजाम तक पहुंचाने और दोषियों को कानून के शिकंजे में कसने में जमुई के तत्कालीन और वर्तमान में बेतिया के पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन की बेहतरीन कार्यशैली और सख्त मॉनिटरिंग की सबसे बड़ी भूमिका रही है। यह मामला नवंबर 2023 का है, जब जमुई के गरही थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष प्रभात रंजन अवैध बालू खनन की सूचना पर छापेमारी करने गए थे। इसी दौरान बालू माफियाओं ने कानून को ताक पर रखते हुए उन्हें ट्रैक्टर से कुचल दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद पूरे राज्य में भारी आक्रोश था और पुलिस महकमे पर अपराधियों के खिलाफ जल्द से जल्द सख्त कदम उठाने का भारी दबाव था। मामले की

संवेदनशीलता को देखते हुए उस समय जमुई के एसपी रहे और वर्तमान में बेतिया पुलिस की कमान संभाल रहे डॉ. शौर्य सुमन ने खुद कमान संभाली थी और जांच टीम का लगातार मार्गदर्शन किया था। उनकी सटीक रणनीति और कड़े रुख का ही नतीजा था कि पुलिस ने बिना कोई वक्त गंवाए महज 77 दिनों के भीतर सभी छह आरोपियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। पुलिस ने इस केस को वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए बेहद मजबूत बनाया। जांच के दौरान एफएसएल रिपोर्ट, मोबाइल सीडीआर, सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीद गवाहों के बयानों को कड़ियों की तरह जोड़ा गया, जिससे अपराधियों के बचने का कोई रास्ता नहीं बचा। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में दमदार पैरवी की गई, जिसके बाद न्यायालय ने मुख्य आरोपी कृष्णा रविदास, मिथिलेश ठाकुर और पवन दास को उम्रकैद की सजा से दंडित किया। इस ऐतिहासिक निर्णय पर संतोष व्यक्त करते हुए आईपीएस डॉ. शौर्य सुमन ने कहा कि यह न्याय शहीद प्रभात रंजन के परिजनों और कर्तव्य की राह पर डटे रहने वाले पूरे पुलिस बल की जीत है। उन्होंने साफ किया कि पुलिस ने पहले दिन से ही यह संकल्प ले रखा था कि अपराधियों को उनके किए की सख्त से सख्त सजा दिलवाई जाएगी। इस फैसले के बाद जहां एक तरफ पीड़ित परिवार को संबल मिला है, वहीं दूसरी तरफ कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों में खौफ पैदा करने के लिए जांबाज पुलिस अधिकारी की कार्यप्रणाली की चौतरफा सराहना हो रही है।●

14 पुलिस पदाधिकारी निलंबित, 26 पर अनुशासनिक कार्रवाई

● रवि रंजन मिश्र

पुलिस अधीक्षक महोदय, पश्चिम चंपारण, बेतिया द्वारा जिले में विधि-व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण एवं पुलिस पदाधिकारियों /कर्मियों की कार्यकुशलता सुनिश्चित करने हेतु लगातार समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 07/08-06-2026 की रात्रि में पुलिस अधीक्षक बेतिया डॉ. शौर्य सुमन के द्वारा पुलिस उपाधीक्षक यातायात, पुलिस उपाधीक्षक रक्षित पुलिस केंद्र बेतिया से बैरिया/नौतन/जगदीशपुर/ बलथर/सिकटा/ पुरुषोत्तमपुर/इनरवा थानों के कर्तव्य निर्वहन, गश्ती, निगरानी एवं पुलिस कार्यों की आकस्मिक जांच कराई गई। जांच के दौरान कई थानों के रात्रि गश्ती दल एवं थानों के व्ह के पदाधिकारी एवं कर्मी अपने अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह पाए गए तथा निर्धारित दायित्वों के निर्वहन में गंभीर शिथिलता परिलक्षित हुई। पुलिस अधीक्षक महोदय, पश्चिम चंपारण, बेतिया द्वारा उक्त लापरवाही को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए उक्त थानों के 14 पुलिस पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया इसके अतिरिक्त 26 अन्य पुलिसकर्मियों के विरुद्ध अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक महोदय पश्चिम चंपारण बेतिया ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कर्तव्य के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा जनता से संबंधित मामलों में उदासीनता किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, तत्परता एवं जवाबदेही के साथ करने का निर्देश दिया गया है। पश्चिम चंपारण पुलिस जनता की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई/अच्छे कार्य करने वालों पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मीयों को पुरुस्कृत करने की कार्रवाई जारी रहेगी।●

कार्यों में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता पर कार्रवाई

● रवि रंजन मिश्र

जिला प्रशासन ने राजस्व कार्यों में लापरवाही, लगातार अनधिकृत अनुपस्थिति एवं पदाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना को गंभीरता से लेते हुए मझौलिया अंचल में पदस्थापित राजस्व कर्मचारी श्री प्रदीप कुमार मिश्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ज्ञातव्य हो कि 05 जून को आयोजित राजस्व संबंधी समीक्षात्मक बैठक में श्री मिश्र अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। समीक्षा के दौरान यह भी सामने आया कि उनके आवंटित हल्का में दाखिल-खारिज, परिमार्जन सहित राजस्व से संबंधित अधिकांश मामले निर्धारित समय सीमा के बाद भी लंबित हैं तथा कार्यों की प्रगति अत्यंत असंतोषजनक है। अंचल अधिकारी, मझौलिया ने भी प्रतिवेदित किया कि श्री मिश्र प्राय: बिना सूचना के अनुपस्थित रहते हैं, जिसके कारण जमाबंदी संशोधन, आधार सीडिंग, सरकारी भूमि सत्यापन, लगान अद्यतीकरण, लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम से जुड़े मामलों के निष्पादन तथा सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों के निपटारे जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। साथ ही उनके द्वारा बार-बार स्पष्टीकरण मांगने के बावजूद कोई जवाब नहीं दिया गया तथा वरीय पदाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की जाती रही। उक्त के आलोक में जिला पदाधिकारी, श्री तरनजोत सिंह ने उनके आचरण को बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के प्रावधानों के प्रतिकूल मानते हुए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जिला राजस्व शाखा, बेतिया निर्धारित किया गया है तथा नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता का भुगतान मुख्यालय में प्रतिदिन की वास्तविक उपस्थिति के आधार पर किया जाएगा। वहीं अंचल अधिकारी, मझौलिया को निर्देश दिया गया है कि एक पक्ष के भीतर आरोप-पत्र गठित कर अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर के माध्यम से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अपर समाहर्ता, श्री राजीव रंजन सिन्हा ने कहा कि सरकारी कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं लोक सेवाओं के निष्पादन में बाधा उत्पन्न करने वाले कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।●

सीसीटीवी की निगरानी में होगी सिपाही भर्ती परीक्षा

● रवि रंजन मिश्र

केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) द्वारा विज्ञापन संख्या 03/2025 के तहत मद्य निषेध सिपाही, कक्षपाल एवं चलंत दस्ता सिपाही के पदों पर नियुक्ति के लिए आयोजित लिखित परीक्षा 14 एवं 17 जून 2026 को जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। परीक्षा के स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी श्री तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी स्टैटिक दंडाधिकारी-सह-प्रेक्षक, महिला दंडाधिकारी, जोनल दंडाधिकारी-सह-समन्वय प्रेक्षक, केंद्राध ीक्षक सहित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला पदाधिकारी ने बताया कि प्रथम पाली के परीक्षार्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय सुबह 8 बजे तथा द्वितीय पाली के लिए दोपहर 1 बजे निर्धारित किया गया है। प्रथम पाली में अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे तक तथा द्वितीय पाली में दोपहर 2 बजे तक ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय चयन पर्षद द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए तथा परीक्षा संचालन में लगे सभी अधिकारी एवं कर्मी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। जिला पदाधिकारी ने बायोमेट्रिक सत्यापन, जैमर, सीसीटीवी, वीडियोग्राफी एवं सुरक्षा व्यवस्था की विशेष निगरानी करने का निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षार्थियों की सघन एवं व्यवस्थित तलाशी सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो सके। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन ने कहा कि परीक्षा को हर हाल में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों को पूरी सक्रियता के साथ ड्यूटी निभाने तथा महिला एवं पुरुष अभ्यर्थियों की अलग-अलग एवं गहन जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी (गोपनीय शाखा) सुजीत कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी रविन्द्र कुमार, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी रोचना माद्री सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।●

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन

● रवि रंजन मिश्र

आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आज प्रवेक्षण गृह, बेतिया में 'पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यशाला' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं किशोरों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच, प्रभावी संवाद कौशल तथा जीवन मूल्यों का विकास करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदित्य मधुकर (नेशनल यूथ आइकन) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास, अनुशासन, सकारात्मक सोच तथा निरंतर सीखने की प्रवृत्ति अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बच्चों एवं युवाओं को अपने लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को व्यक्तित्व विकास, प्रभावी संवाद कौशल, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता एवं नैतिक मूल्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। साथ ही विभिन्न प्रेरणादायक गतिविधियों एवं संवाद सत्रों के माध्यम से उन्हें जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर सीपीओ श्री अजय पासवान एवं एडीसीपी श्री दिलीप कुमार कामत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रवेक्षण गृह के प्रभारी अधीक्षक श्री शंभू प्रसाद, हाउस फादर श्री प्रमोद सिंह लोधी, पैरामेडिकल स्टाफ श्री राकेश कुमार, हाउस मदर श्रीमती साजिदा गुफरान, परामर्शदाता श्री मिथिलेश कुमार, संगीत शिक्षक श्री प्रभात कुमार तथा आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट के सचिव श्री प्रभात कुमार झा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं को अत्यंत उपयोगी बताते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट ने भविष्य में भी शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में इस प्रकार के रचनात्मक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।●

डॉ. शौर्य सुमन

थाना प्रभारी से लेकर बेतिया के पुलिस कप्तान तक के जांबाज सफर की पूरी कहानी

● रवि रंजन मिश्र

चिकित्सक की संवेदनशील सोच और भारतीय पुलिस सेवा के ओजस्वी प्रभाव का एक अनूठा संगम देखना हो, तो इसके सबसे सटीक उदाहरण वर्तमान में बेतिया पश्चिम चंपारण के पुलिस अधीक्षक डॉ० शौर्य सुमन हैं। वर्ष 2017 बैच के प्रतिभावान आईपीएस अधिकारी डॉ० शौर्य सुमन ने अपने अब तक के प्रशासनिक और सेवा सफर से यह साबित किया है कि वर्दी केवल रौब का नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक है। कभी मुंबई के सुप्रसिद्ध जेजे मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर मरीजों की नब्ज टटोलने वाले डॉ० शौर्य सुमन आज एक पुलिस कप्तान के रूप में अपराधियों की नब्ज थाम रहे हैं। उनका यह सफरनामा सिर्फ एक अधिकारी के पद की प्रगति नहीं, बल्कि कर्तव्यपरायणता और दृढ़ इच्छाशक्ति की एक प्रेरणादायक कहानी है।

आईपीएस डॉ० शौर्य सुमन का प्रशासनिक सफर शुरुआती दिनों से ही चुनौतियों को अवसरों में बदलने वाला रहा है। प्रशिक्षण के बाद रोहतास जिले में उनकी व्यावहारिक पुलिसिंग की शुरुआत हुई, जहां काराकाट थाना के थाना प्रभारी के रूप में करीब ढाई महीने के संक्षिप्त कार्यकाल में ही उन्होंने बालू माफियाओं और स्थानीय अपराधियों की कमर तोड़ दी। एक आईपीएस अधिकारी का जमीनी

स्तर पर थाना प्रभारी के रूप में काम करना और सीधे जनता से जुड़कर अपराधियों पर नकेल कसना उनके भावी नेतृत्व की एक मजबूत नींव साबित हुआ। इसके बाद भारत-नेपाल सीमा से सटे मधुबनी जिले के बेहद संवेदनशील जयनगर अनुमंडल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के रूप में उन्होंने अपनी रणनीतिक कुशलता का लोहा मनवाया। वहां शराबबंदी कानून को धरातल पर उतारने और सीमा पार होने वाली तस्करी पर पूरी तरह अंकुश लगाने में उन्होंने जो अभूतपूर्व कामयाबी हासिल की, उसने महकमे में उनकी एक कड़क और ईमानदार छवि स्थापित कर दी। एक जिला पुलिस कप्तान के रूप में उनकी पहली स्वतंत्र पोस्टिंग जनवरी 2022 में जमुई जिले में हुई। नक्सलवाद के दंश से जूझ रहे जमुई में उन्होंने सितंबर 2024 तक एक लंबा और बेहद सफल कार्यकाल पूरा किया। डॉ० शौर्य सुमन ने वहां नक्सलियों और अपराधियों के खिलाफ न केवल बेहद आक्रामक और साहसिक अभियान चलाए, बल्कि 'कम्युनिटी पुलिसिंग' के माध्यम से पुलिस और आम जनता के बीच की दूरी को पूरी तरह पाट दिया। सुदूर ग्रामीण और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर जब यह आईपीएस अधिकारी खुद मरीजों की जांच करने बैठता, तो जनता की नजरों में खाकी के प्रति सम्मान और गहरा हो जाता। उनके इसी मानवीय दृष्टिकोण का परिणाम था कि जमुई में नक्सली गतिविधियों पर ऐतिहासिक लगाम लगी और वे जन-जन के चहेते बन गए।

जमुई में सफलता का एक नया कीर्तिमान स्थापित करने के बाद बिहार सरकार ने सितंबर 2024 में उन्हें बेतिया पुलिस जिले की कमान सौंपी। बेतिया के एसपी के रूप में कार्यभार संभालते ही उन्होंने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने और पुलिसिंग व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए हैं। वे अपराधियों के खिलाफ जहां बज्र के समान कठोर हैं, वहीं आम फरियादियों के लिए न्याय का सबसे सुलभ माध्यम बने हुए हैं। डॉ० शौर्य सुमन का यह शानदार सफर यह साफ बयां करता है कि चाहे स्टेथॉस्कोप हाथ में हो या खाकी का गौरव, उनका एकमात्र संकल्प समाज को भयमुक्त, स्वस्थ और सुरक्षित परिवेश देना है। आज उनके कुशल नेतृत्व में बेतिया पुलिसिंग सफलता और जनता के भरोसे की एक नई इबारत लिख रही है।●

स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण व डीआरडीए एक नजर में

● बिन्ध्याचल सिंह

'श्मशान पर आनेवाली हर भीड शव यात्रा नही हो सकती' ठीक उसी प्रकार सडक पर ट्रक चालक से ली जाने वाली राशि अवैध नही हो सकती। हॉ बिना लिखित लेन-देन अवैध हो सकती है। लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि एक होमगार्ड के जवान के द्वारा ली जाने वाली राशि में कितनी सच्चाई है ये जॉच का विषय है, लेकिन सच यह है कि होमगार्ड के जवान को ''बलि का बकरा'' बनाया जा रहा है। जैसा कि मई-2026 में चर्चाए हो रही है। 09 जुन-2026 को पीडित होमगार्ड के जवान से केवल सच प्रतिनिधि को जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के कार्यालय में मुलकात हुई, पीडित जवान ने संक्षेप में जानकारी दी कि सभी पदाधिकारी ने मिलकर मुझे फसा रहे है। जिसमे हमारे यानि होमगार्ड के डीएसपी व जिला परिवहन पदाधिकारी को जिला प्रशासन के द्वारा बचाया जा रहा है। प्रिय पाठकगण बेहद अफसोस के साथ अवगत कराना चाहता हुँ कि बक्सर की जनता के नजरो में बक्सर पुलिस अवैध पैसे वसूलती है जो धरातल से कोसो दूर है, हक्कीत कुछ और है। भ्रष्टाचार के दरबार में रामराज स्थापित करता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण में कार्यरत क्लर्क को क्या कहना जो एक फाइल अपने टेबल से आगे बढाने में केवल 10000/-रू0 ही सेवा शुल्क लेकर संतोष कर लेते है। सूत्रो ने केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी दी कि ये तो एक छोटी राशि है जो पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य में लिया गया था। भ्रष्टाचार की मोटी चमडी में लिपटे कार्यपालक अभियंता से मिलने के लिये केवल सच प्रतिनिधि ने कई बार कार्यालय पर दस्तक दिये परन्तु कार्यालय में व्यस्त रहने के कारण मिल नही पाते है। इतना ही नही आप लोगो को जानकर आश्चर्य होगा कि कार्यालय के प्रधान सहायक के पास कार्यपालक अभियंता का सरकारी मोबाईल नम्बर भी उपलब्ध नही रहता है। जो कार्यालय में हो रहे कमीशनखोरी का पक्का प्रमाण है। कार्यपालक अभियंता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण कार्यालय में अधिकतर फाइले कमीशन की प्रतिशत में आगे बढती है। सरकार द्वारा बनाई जा रही पंचायत सरकार भवन स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण बक्सर के लिये ''आम का आम गुठली का दाम'' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है जो जॉच का विषय है। जिले में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि इटाढी ओवर ब्रिज ''मरने के पहले कब्र खोदने'' वाली कहावत चरितार्थ कर रही है जो यातायात चालू होने के महज दस दिन बाद ही पुल में दरार आ गई। जिला ग्रामिण विकास अभिकरण बक्सर के कार्य पद्धति से क्षुब्ध होकर राधा गोपाल संस्थान के निर्देशक ने केवल सच प्रतिनिधि को 08जुन 2026 को जानकारी दी कि विगत दस-बारह वर्षो से राधा गोपाल जन कल्याण सेवा संस्थान द्वारा गठित स्वयं सहायता समूह का मानदेय की राशि का भुगतान नही हो पाया है। एक सवाल के जवाब में राधा गोपाल जन कल्याण सेवा संस्थान के निर्देशक ने कहा कि मुकेश कुमार लेखा पदाधिकारी के कारण संस्थान का भुगतान नही हो रहा है, जिसका मुख्य कारण है कि मुकेश कुमार विगत लगभग 10-12सालो से जिला ग्रामिण विकास अभिकरण बक्सर में सेवारत होने के कारण उप विकास आयुक्त व निर्देशक के साथ विभाग को बदनाम कर रहा है। जिसका दो ही निदान है। पहला- मानदेय भुगतान में कमीशन की प्रतिबद्धता और दुसरा- मुकेश कुमार की स्थानंतरण।●

गो सम्मान आह्वान अभियान

● बिन्ध्याचल सिंह

भूलें नही याद रखें-27 अप्रैल-2026 व 27 जुलाई-2026-गो सम्मान दिवस पर। प्रधान संरक्षक-वेदलक्षणा गौमाता/ आद्यशक्ति मां सुरभि और अध्यक्ष-नंदी बाबा/नीलमणि वृषभदेव ने गो सम्मान आहवान अभियान के मुख्य उद्देश्य पर ध्यान आकृष्ट कराना चाहते है।

☞ भारत में गौ हत्या पर पूर्णत: प्रतिबंध लगे/गौहत्या पूर्णत: समाप्त हो जिससे देशी गोवंश पूर्णत: सुरक्षित हो।

☞ गोमाता को राष्ट्रमाता, राष्ट्रदेव, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर अथवा राष्ट्र आधार का सम्मानित पद प्रदान करें जिसे देशी नंदी को सम्मान मिले।

☞ गो सेवा हेतू केंद्रीय कानून लागू हो और केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय बनें जिससे संपूर्ण भारतवर्ष में सम्मान रूप से देशी गोवंश की सेवा हो सकें।

☞ गोचर बोर्ड बने, चारा सुरक्षा नीति तय हो, गौ आधारित कृषि सुनिश्चित हो,वेद्लक्षणा गोवंश से प्राप्त पंचगव्य उत्पादों का निर्माण एवंम् विपणन बढे। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि स्टेशन रोड में 05 गाय की संख्या में आदर्श गौशाला की स्थापना 1913 ई में की गई थी। आदर्श गौशाला की स्थापना में बक्सर के कई समाजसेवी ने बढ चढकर भाग लिया था जिसमें रोहतास गोयल व रामस्वरूप अग्रवाल जैसे कई लोगो की भूमिका सराहनीय रहा। जिसका सकारात्मक परिणाम यह है कि आज वर्तमान समय में आदर्श गौशाला बक्सर में

लगभग-300 की संख्या में गाय है। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि आदर्श गौशाला बक्सर के अध्यक्ष- श्री अनिल मान सिंह, जबकि संयुक्त सचिव सुरेश राय जी है। ●

स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव की नई उम्मीद

क्या झारखण्ड का 'डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स' बनेगा गेम चेंजर?

● **भारती मिश्रा**

झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक नई पहल शुरू की गई। भारतीय विकास ट्रस्ट (BVT) ने PHIA फाउंडेशन के सहयोग से रांची स्थित होटल बी.एन.आर. चाणक्य में 'मेडटेक इनोवेशन डे' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के पहले 'डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स' का शुभारंभ किया। पहली नजर में यह एक तकनीकी शब्द लग सकता है, लेकिन इसका उद्देश्य काफी सीधा है, नई स्वास्थ्य तकनीकों को सीधे लोगों के बीच आजमाना और उनकी उपयोगिता को परखना। झारखंड जैसे राज्य में, जहां आज भी कई ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं, वहां ऐसी पहल काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। डॉक्टरों की कमी, विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं तक सीमित पहुंच और जांच सुविधाओं का अभाव लंबे समय से चुनौती बने हुए हैं। ऐसे में यदि तकनीक इन समस्याओं का समाधान निकाल सके, तो इसका लाभ लाखों लोगों तक पहुंच सकता है।

☞ **आखिर क्या है डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स? :-** सरल भाषा में समझें तो डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स एक तरह का 'परीक्षण मैदान' है। यहां स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी नई तकनीकों, उपकरणों और डिजिटल समाधानों को किसी जिले में वास्तविक परिस्थितियों में इस्तेमाल करके परखा जाएगा। मान लीजिए किसी स्टार्टअप ने ऐसी पोर्टेबल एक्स-रे मशीन बनाई है, जिसे गांवों में आसानी से ले जाया जा सकता है। इस तकनीक को पहले किसी जिले के अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में उपयोग करके देखा जाएगा। यदि इसके परिणाम अच्छे मिलते हैं और लोगों को लाभ होता है, तभी इसे बड़े स्तर पर लागू किया जाएगा।

☞ **झारखंड के लिए क्यों है खास? :-** अब तक अक्सर देखा गया है कि कई अच्छे नवाचार प्रयोगशालाओं और बैठकों तक ही सीमित रह जाते हैं। उनकी वास्तविक उपयोगिता का आकलन नहीं हो पाता। डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स इसी दूरी को कम करने की कोशिश है। यह सरकार, डॉक्टरों, शोध संस्थानों और तकनीक विकसित करने वालों को एक मंच पर लाता है, जहां नई तकनीकों की जमीनी स्तर पर जांच हो सके। झारखंड के दूरदराज क्षेत्रों के लिए यह पहल विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकती है। यदि कोई तकनीक गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं को आसान और सुलभ बनाने में सफल होती है, तो उसे पूरे राज्य में लागू किया जा सकता है।

☞ **तकनीक के साथ चुनौतियां भी :-** कार्यक्रम में स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल तकनीकों के उपयोग पर भी जोर दिया गया। दुनिया भर में एआई का उपयोग रोगों की पहचान, मरीजों की निगरानी और स्वास्थ्य आंकड़ों के विश्लेषण में तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि केवल तकनीक उपलब्ध करा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों, मजबूत इंटरनेट व्यवस्था, तकनीकी ढांचे और डेटा सुरक्षा पर भी गंभीरता से काम करना होगा। यदि इन पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो अच्छे नवाचार भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

☞ **पोर्टेबल एक्स-रे मशीन ने खींचा ध्यान :-** कार्यक्रम में आईआईटी धनबाद के पूर्व छात्रों द्वारा विकसित पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे मशीन विशेष आकर्षण का केंद्र रही। यदि ऐसी तकनीकें कम लागत में उपलब्ध हो सकें, तो ग्रामीण क्षेत्रों में जांच सुविधाओं को मजबूत करने में बड़ी मदद मिल सकती है। मरीजों को छोटी-छोटी जांच के लिए शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

☞ **अबुआ मेडिकल स्टोर योजना से भी उम्मीद :-** कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने राज्य में 745 'अबुआ मेडिकल स्टोर' खोलने की योजना की जानकारी दी। यदि यह योजना तय समय सीमा के भीतर प्रभावी ढंग से लागू होती है, तो लोगों को सस्ती और आसानी से उपलब्ध दवाओं का लाभ मिल सकता है। हालांकि इसकी सफलता भी बेहतर प्रबंधन और नियमित निगरानी पर निर्भर करेगी।

☞ **अवसर भी, परीक्षा भी :-** कुल मिलाकर डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स झारखंड में स्वास्थ्य नवाचार को बढ़ावा देने की एक सकारात्मक पहल है। यह राज्य को स्वास्थ्य तकनीक के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने का अवसर प्रदान करता है। लेकिन इसकी असली सफलता तभी मानी जाएगी, जब नई तकनीकें कार्यक्रमों और प्रस्तुतियों से निकलकर गांवों, स्वास्थ्य केंद्रों और आम लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सकें। डिस्ट्रिक्ट सैंडबॉक्स केवल एक सरकारी परियोजना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर बेहतर बनाने का एक प्रयोग है। झारखंड के लिए यह मौका है कि वह तकनीक को केवल दिखावे तक सीमित न रखे, बल्कि उसे लोगों की जरूरतों से जोड़े। यदि सरकार, शोध संस्थान और स्थानीय समुदाय मिलकर काम करें, तो यह पहल आने वाले वर्षों में राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकती है।●

सिमडेगा के आमों की मिठास सात समंदर पार

● **भारती मिश्रा**

झारखंड के सिमडेगा जिले से लंदन के लिए आम्रपाली आम की पहली खेप रवाना होना सिर्फ एक सरकारी उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और किसानों की मेहनत की एक प्रेरणादायक कहानी है। यह उस सोच का परिणाम है जिसकी शुरुआत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोरोना काल के कठिन समय में बिरसा हरित ग्राम योजना के माध्यम से की थी। कोरोना महामारी के दौरान जब रोजगार के अवसर कम हो गए थे और बड़ी संख्या में लोग गांव लौट रहे थे, तब सरकार ने ग्रामीण परिवारों को स्थायी आय से जोड़ने के लिए फलदार पौधों की बागवानी को बढ़ावा दिया। उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि एक दिन सिमडेगा के गांवों में उगने वाले आम विदेशों के बाजार तक पहुंचेंगे। लेकिन आज यह सपना सच होता दिखाई दे रहा है। इस सफलता के पीछे केवल योजना नहीं, बल्कि उसे जमीन पर उतारने वाले लोगों की मेहनत भी है। सिमडेगा की उपायुक्त कंचन सिंह का योगदान इसमें विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उन्होंने केवल प्रशासनिक अधिकारी की भूमिका नहीं निभाई, बल्कि किसानों, महिला समूहों और किसान उत्पादक कंपनियों को बाजार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए। पिछले वर्ष जब किसानों को आम का उचित मूल्य नहीं मिल पाया था, तब जिला प्रशासन ने इस समस्या को गंभीरता से लिया। खरीदारों और किसानों की बैठकें आयोजित की गईं, निर्यात के लिए जरूरी मानकों की जानकारी दी गई और महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण दिलाया गया। यही प्रयास आज सफलता के रूप में सामने आया है। सिमडेगा की महिला जागृति किसान उत्पादक कंपनी और बेउरा किसान उत्पादक कंपनी ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गांव की महिलाएं,

जो कभी केवल खेती तक सीमित थीं, आज अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने में भागीदार बन रही हैं। यह बदलाव बताता है कि यदि अवसर और मार्गदर्शन मिले तो ग्रामीण महिलाएं किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकती हैं।

सिमडेगा में हजारों महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं और आम की बागवानी से अपनी आय बढ़ा रही हैं। इससे न केवल उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि गांवों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का माहौल भी बना है। बिरसा हरित ग्राम योजना का प्रभाव केवल सिमडेगा तक सीमित नहीं है। पूरे झारखंड में लाखों ग्रामीण परिवार इस योजना से जुड़े हैं। बड़ी संख्या में भूमि पर फलदार वृक्ष लगाए गए हैं और आने वाले वर्षों में इसका लाभ और अधिक दिखाई देगा। इससे किसानों को खेती का नया विकल्प मिला है और राज्य में फल उत्पादन का दायरा तेजी से बढ़ा है। हालांकि यह उपलब्धि उत्साहजनक है, लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियां भी हैं। किसानों को लगातार बेहतर बाजार मिले, फलों के भंडारण और परिवहन की व्यवस्था मजबूत हो तथा निर्यात की प्रक्रिया सरल बने, इस दिशा में अभी और काम करने की जरूरत है। यदि इन पहलुओं पर ध्यान दिया गया तो झारखंड आने वाले समय में फल उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सकता है। सिमडेगा से लंदन पहुंचा आम केवल एक फल नहीं है, बल्कि यह किसानों की मेहनत, महिलाओं की भागीदारी, जिला प्रशासन की सक्रियता और सरकार की दूरदर्शी सोच का प्रतीक है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल और उपायुक्त कंचन सिंह के नेतृत्व में सिमडेगा ने यह साबित कर दिया है कि यदि योजना, प्रशासन और जनता मिलकर काम करें तो गांवों से भी वैश्विक सफलता की नई कहानियां लिखी जा सकती हैं।

सिमडेगा की यह सफलता झारखंड के लिए गर्व का विषय है और यह उम्मीद जगाती है कि आने वाले समय में राज्य के अन्य उत्पाद भी देश और दुनिया के बाजारों में अपनी पहचान बनाएंगे।●

कोयला नगरी से आआईटी तक
सीसीएल की पहल ने बदले तीन सपनों का मुकद्दर

● भारती मिश्रा

झारखंड के दूर-दराज गांवों में रहने वाले अनेक बच्चों के लिए उच्च शिक्षा और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाएं कभी एक सपना हुआ करती थीं। आर्थिक कठिनाइयों, संसाधनों की कमी और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन के अभाव में कई प्रतिभाएं अपनी मंजिल तक पहुंचने से पहले ही रुक जाती थीं। लेकिन सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की 'सीसीएल के लाल' और 'सीसीएल की लाडली' योजना ऐसे ही बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का काम कर रही है। जेईई एडवांस्ड 2026 के परिणामों ने एक बार फिर इस योजना की सफलता की कहानी को सामने रखा है। इस वर्ष योजना से जुड़े तीन विद्यार्थियों ने परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर अपने परिवार, समाज और पूरे झारखंड का गौरव बढ़ाया है। रांची के पिस्का नगड़ी निवासी आयुष कुजूर ने एसटी श्रेणी में 1242वीं रैंक, चतरा के टंडवा की माही प्रिया प्रसाद ने ओबीसी श्रेणी में 11173वीं रैंक और रामगढ़ की मेघा कुमारी ने एसटी श्रेणी में 3673वीं रैंक प्राप्त की है। इन विद्यार्थियों की सफलता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे साधारण ग्रामीण परिवारों से आते हैं। आयुष के पिता किसान हैं, माही के पिता स्वरोजगार से जुड़े हैं और मेघा के पिता भी खेती-किसानी करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद इन बच्चों ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर वह उपलब्धि हासिल की है, जिसका सपना देश के लाखों विद्यार्थी देखते हैं।

☞ **शिक्षा के माध्यम से सामाजिक बदलाव** :- सीसीएल की यह पहल केवल कुछ छात्रों को कोचिंग उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक परिवर्तन का एक ऐसा प्रयास है, जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर देता है। योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को नि:शुल्क आवास, भोजन, अध्ययन सामग्री और विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। जब किसी परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है, तब बच्चों की पढ़ाई अक्सर प्रभावित होती है। कई प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं केवल इसलिए पीछे रह जाते हैं क्योंकि उनके पास महंगी कोचिंग या बेहतर शैक्षणिक वातावरण का खर्च उठाने की क्षमता नहीं होती। सीसीएल की यह योजना ऐसे विद्यार्थियों के लिए उम्मीद की किरण बनकर उभरी है।

☞ **सीसीएल के लाल' और 'सीसीएल की लाड़ली' की शुरुआत** :- सीसीएल ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) गतिविधियों के तहत इस योजना की शुरुआत इस सोच के साथ की थी कि खनन क्षेत्रों और आसपास के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। समय के साथ यह योजना झारखंड में प्रतिभाओं को निखारने का एक महत्वपूर्ण मंच बन गई है। विशेष रूप से छात्राओं के लिए संचालित 'सीसीएल की लाडली' योजना ने यह साबित किया है कि यदि बेटियों को अवसर मिले तो वे भी किसी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। माही प्रिया प्रसाद और मेघा कुमारी की सफलता इसकी बड़ी मिसाल है।

☞ **सफलता के पीछे अनुशासन और समर्पण** :- प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता केवल प्रतिभा से नहीं मिलती, बल्कि इसके लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इन विद्यार्थियों ने दो वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखा। शिक्षकों के मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग ने भी उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज जब ये विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं, तब उनकी कहानी हजारों अन्य छात्रों को भी प्रेरित कर रही है कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो सफलता जरूर मिलती है।

☞ **झारखंड के लिए प्रेरणादायक मॉडल** :- झारखंड में शिक्षा के क्षेत्र में अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं। ऐसे समय में सीसीएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी द्वारा संचालित यह पहल एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में सामने आई है। यह केवल शिक्षा में निवेश नहीं है, बल्कि राज्य के भविष्य में निवेश है। आज आयुष, माही और मेघा की सफलता उन हजारों बच्चों के लिए संदेश है जो छोटे गांवों और साधारण परिवारों से आते हैं। यह उपलब्धि बताती है कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती और अवसर मिलने पर गांवों की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकती हैं। सीसीएल की यह पहल न केवल विद्यार्थियों के जीवन को बदल रही है, बल्कि झारखंड में शिक्षा और सामाजिक विकास की नई कहानी भी लिख रही है। आने वाले वर्षों में ऐसी और सफलताएं निश्चित रूप से राज्य के युवाओं को नई दिशा और नई ऊर्जा देने का काम करेंगी।●

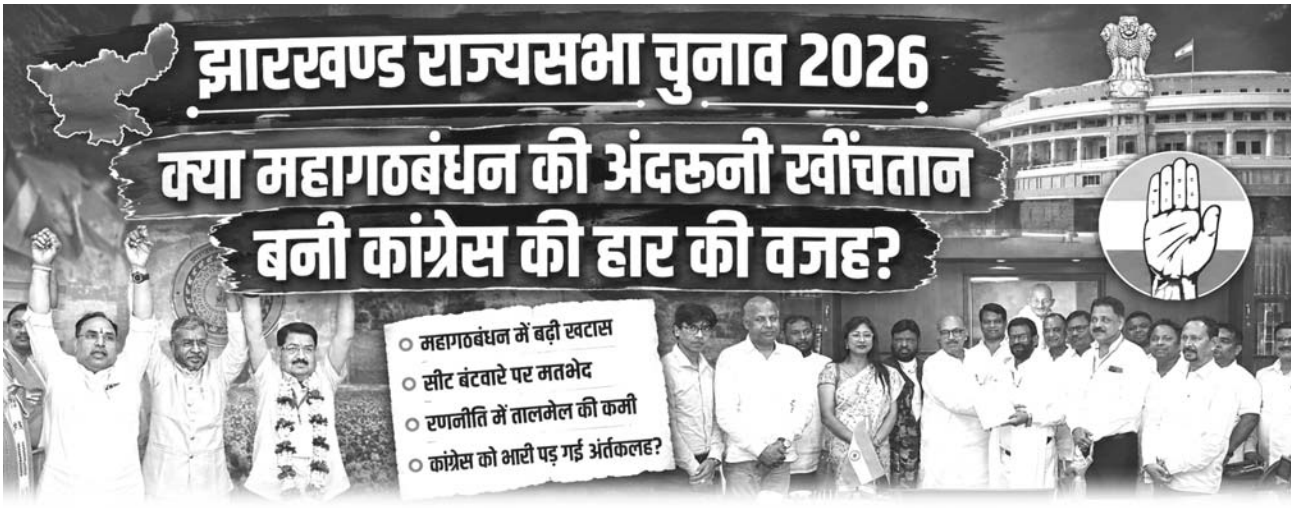

झारखण्ड राज्यसभा चुनाव 2026

क्या महागठबंधन की अंदरुनी खींचतान बनी कांग्रेस की हार की वजह?

● **भारती मिश्रा**

झारखंड राज्यसभा चुनाव 2026 के नतीजों ने राज्य की राजनीति में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पहली नजर में यह चुनाव दो राज्यसभा सीटों के लिए हुआ एक सामान्य चुनाव लगता है, लेकिन इसके परिणाम महागठबंधन के भीतर चल रही खींचतान और आपसी रिश्तों की वास्तविक तस्वीर भी सामने लाते हैं। दरअसल, इस चुनाव की पृष्ठभूमि को देखें तो महागठबंधन के भीतर सब कुछ सामान्य नहीं था। राज्यसभा चुनाव से पहले सीट को लेकर झामुमो और कांग्रेस के बीच लंबे समय तक असमंजस की स्थिति बनी रही। कांग्रेस चाहती थी कि उसे राज्यसभा की एक सीट मिले, जबकि झामुमो अपने उम्मीदवार को भेजने के पक्ष में था। अंततः काफी बातचीत और राजनीतिक मंथन के बाद दोनों दलों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे, लेकिन इस प्रक्रिया ने यह संकेत दे दिया था कि गठबंधन के भीतर मतभेद मौजूद हैं। यह पहली बार भी नहीं था जब महागठबंधन में तालमेल की कमी दिखाई दी हो। पिछले कुछ महीनों में कई मुद्दों पर झामुमो और कांग्रेस नेताओं के बीच बयानबाजी देखने को मिली। दोनों दलों के नेताओं के बीच अप्रत्यक्ष रूप से असंतोष सामने आता रहा। कई अवसरों

पर कांग्रेस नेताओं ने सरकार में अपनी भूमिका को लेकर नाराजगी जताई, जबकि झामुमो नेताओं की ओर से भी जवाबी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। झामुमो ने काग्रेस को राज्यसभा चुनाव में एक सीट तो दे दिया लेकिन चुनाव परिणाम देखने के बाद सवाल ये उठता कि क्या साथ भी दिया?

☞ **कौन-कौन थे मैदान में? :-** इस चुनाव में झामुमो की ओर से बैद्यनाथ राम उम्मीदवार थे। झामुमो के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रहे हैं। वे अनुसूचित जाति समुदाय से आते हैं और पलामू क्षेत्र की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। एनडीए ने उद्योगपति और पूर्व राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी को समर्थन दिया था। वे पहले भी झारखंड से राज्यसभा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और उद्योग एवं कॉरपोरेट क्षेत्र में उनकी पहचान रही है। महागठबंधन की ओर से कांग्रेस ने प्रवीन झा को उम्मीदवार बनाया। पेशे से अधिवक्ता रहे प्रणव झा कांग्रेस नेतृत्व की पसंद थे। उनके नाम पर सहमति बनने से पहले गठबंधन के भीतर काफी मंथन हुआ था। चुनाव में झामुमो के बैद्यनाथ राम और एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी विजयी रहे, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को हार का सामना करना पड़ा। बैद्यनाथ राम को 30, परिमल नाथवानी को 28 और प्रणव झा को 20 वोट

मिले। यह परिणाम इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि विधानसभा में संख्या बल के हिसाब से महागठबंधन दोनों सीटों पर बेहतर स्थिति में दिखाई दे रहा था।

राज्यसभा चुनाव के दौरान महागठबंधन की तरफ ये दावा किया जा रहा था सभी घटक दल एकजुट है और दोनों सीटें उनके की खाते में आने वाली है। लेकिन परिणाम कुछ और आया 56 विधायकों वाले महागठबंधन में वोट की सेंधमारी हो गई और काग्रेस को मात्रा 20 मत हासिल हुए और हार का सामना करना पड़ा। यह सवाल लगातार उठता रहा कि क्या महागठबंधन के सभी विधायक पूरी एकजुटता थे? चुनाव परिणाम आने के बाद यह सवाल और मजबूत हो गया। कांग्रेस उम्मीदवार को अपेक्षा से कम वोट मिलने से क्रॉस वोटिंग की चर्चा शुरू हो गई। हालांकि आधिकारिक तौर पर किसी विधायक का नाम सामने नहीं आया है, लेकिन परिणाम यह संकेत जरूर देता है कि गठबंधन के सभी वोट कांग्रेस उम्मीदवार को नहीं मिले। और कॉंग्रेस पार्टी के विधायकों के द्वारा खुल कर राजद और भाकपा माले के विधायकों को हार के लिए जिम्मेदार ठहराया गया।

चुनाव से दो दिन पहले झारखंड की राजनीति राजधानी राँची के पांचसितारा होटल में कैद दिखाई दी एनडीए ने जहां अपने विधायकों को राँची के होटल रेडिशन ब्लू में कैद कर रखा था तो वही, इंडी गठबन्धन के विधायक होटल आर चाणक्य में कैद थे वहीं चुनाव की रणनीति तय की जा रही थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी लगातार महागठबंधन के विधायकों के साथ बैठक करते नजर आ रहे थे। विधायकों को मतदान करने की प्रक्रिया की प्रशिक्षण भी दिया गया उसके बावजूद 3 लोगो का मत अमान्य हो गया। झारखंड के विधायक क्या इतने नासमझ है कि कि प्रशिक्षण के बाद भी उन्हें मतदान करना नहीं आया या यह कोई सोची समझी साजिश थी?? झारखंड में 81 विधायक है एनडीए के 24, महागठबंधन के 56 और जेलकेम के 1, जीत के लिए 28 मत की आवश्यकता होती है पर्याप्त आंकड़े होने के बावजूद कॉंग्रेस प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा जो झारखंड के महागठबंधन की सरकार के विधायकों के बीच एकता और तालमेल पर बड़े सवाल खड़े करते है। चुनाव के परिणाम आने के बाद कांग्रेस के विधायकों का आक्रोश देखने को मिला और उन्होंने खुलकर महागठबंधन के घटक दल राजद एवं भाजपा माले के विधायकों पर क्रॉस वोटिंग का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री से करवाई की मांग की तो वही जवाबी कार्रवाई करते हुए राजद और भाजपा माले ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर के कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि झारखंड काग्रेस प्रभारी के राजू के मिली भगत से कॉंग्रेस के 5 विधायकों ने ही क्रॉस वोटिंग की है। जिस पर कॉंग्रेस पार्टी के द्वारा नाराजगी भी जताई गई है। परिमल नाथवानी की जीत को केवल एनडीए की सफलता के रूप में नहीं देखा जा रहा है, बल्कि इसे महागठबंधन की कमजोरी के रूप में भी देखा जा रहा है। जिस गठबंधन ने विधानसभा चुनाव में एकजुटता का प्रदर्शन किया था, वही गठबंधन राज्यसभा चुनाव में अपने उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित नहीं कर सका। इससे यह ध ारणा मजबूत हुई है कि गठबंधन के भीतर भरोसे और समन्वय की कमी अब खुलकर सामने आने लगी है। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि इस चुनाव से महागठबंधन पर कोई तात्कालिक संकट आ गया है, लेकिन इतना जरूर है कि इस परिणाम ने सहयोगी दलों को आत्ममंथन का अवसर दिया है। यदि झामुमो और कांग्रेस के बीच बेहतर तालमेल नहीं बनता है, तो आने वाले समय में विपक्ष इन मुद्दों को और अधिक मजबूती से उठाने की कोशिश करेगा। इन सब बातों के बीच एक बात तो है कि कांग्रेस को झारखंड में अपनी स्थिति पर गहन विचार करने की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर, झारखंड राज्यसभा चुनाव 2026 केवल दो सांसदों के चुनाव का मामला नहीं था। यह महागठबंधन की एकजुटता, उसके आंतरिक संबंधों और राजनीतिक प्रबंधन की भी परीक्षा थी। परिणाम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजनीति में केवल संख्या बल काफी नहीं होता, बल्कि सहयोगी दलों के बीच विश्वास, संवाद और समन्वय भी उतना ही जरूरी होता है। यही इस चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा सकता है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

एसएसपी की समीक्षा बैठक, दिए सख्त निर्देश

● ओम प्रकाश

राजधानी में अपराध पर लगाम कसने और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए एसएसपी राकेश रंजन ने एक अहम समीक्षा बैठक की। बैठक में सिटी एसपी पारस राणा, रूरल एसपी गौरव गोस्वामी, ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह, सभी डीएसपी, थाना प्रभारी और यातायात पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिले की मौजूदा कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और लंबित मामलों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। एसएसपी ने साफ कहा कि जनता की सुरक्षा और अपराधियों पर कार्रवाई पुलिस की पहली जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी तरह की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

☞ **जनता से संवाद बढ़ाने पर विशेष जोर** :- बैठक में एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्र के लोगों से नियमित रूप से संपर्क बनाए रखें। मोहल्लों, बाजारों और गांवों में लोगों की समस्याएं सुनें और उनका समय पर समाधान करें। उन्होंने कहा कि जब पुलिस और जनता के बीच भरोसा मजबूत होगा, तब अपराध नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। लोगों से मिलने वाली सूचनाएं कई मामलों में पुलिस के लिए काफी उपयोगी साबित होती हैं।

☞ **जेल से छूटे अपराधियों पर रहेगी नजर** :- एसएसपी ने निर्देश दिया कि जेल से बाहर आए अपराधियों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए। थाना स्तर पर ऐसे लोगों का सत्यापन किया जाए और उनकी गतिविधियों की जानकारी नियमित रूप से जुटाई जाए। उन्होंने कहा कि कई बार पुराने अपराधी दोबारा अपराध की घटनाओं में शामिल हो जाते हैं। ऐसे में उन पर निगरानी रखना जरूरी है।

☞ **लंबित मामलों का जल्द निपटारा करने का निर्देश** :- बैठक में लंबित मामलों को लेकर भी चर्चा हुई। एसएसपी ने कहा कि हर थाना अपने स्तर पर नियमित समीक्षा बैठक करे और पुराने मामलों को जल्द से जल्द निष्पादित करे। उन्होंने चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट सत्यापन, मोबाइल और बैग गुम होने से जुड़े मामलों को भी प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का निर्देश दिया ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

☞ **चेन स्नैचिंग, चोरी और नशा कारोबार के खिलाफ चलेगा अभियान** :- राजधानी में चेन स्नैचिंग, चोरी, गृहभेदन, अवैध हथियार और मादक पदार्थों के कारोबार को लेकर एसएसपी ने विशेष चिंता जताई। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को ऐसे अपराधों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संगठित अपराध में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। अपराधियों को किसी भी कीमत पर खुली छूट नहीं मिलनी चाहिए।

☞ **हर क्षेत्र में बढ़ेगी पुलिस की मौजूदगी** :- बैठक में पुलिस गश्ती व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर भी जोर दिया गया। एसएसपी ने कहा कि दिन और रात दोनों समय पुलिस की सक्रिय मौजूदगी दिखनी चाहिए। उन्होंने सभी डीएसपी और पुलिस उपाधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में गश्ती व्यवस्था की लगातार निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि पुलिस टीम पूरी सक्रियता के साथ काम कर रही है। एसएसपी ने रात्रि कालीन गश्ती को और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सिर्फ कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर भी पुलिस की मौजूदगी दिखनी चाहिए। इसके लिए पुलिस अधिकारियों को रात में क्षेत्र भ्रमण करने और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने को कहा गया। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

☞ **पॉक्सो मामलों में तेजी लाने का आदेश** :- बैठक में बच्चों से जुड़े अपराधों को गंभीरता से लेते हुए पॉक्सो मामलों की समीक्षा की गई। एसएसपी ने कहा कि ऐसे मामलों के अनुसंधान में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीड़ित बच्चों को जल्द न्याय दिलाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं और मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

☞ **गुमशुदा बच्चों और लोगों की तलाश होगी तेज** :- गुमशुदा व्यक्तियों और बच्चों से जुड़े मामलों पर भी विशेष चर्चा हुई। एसएसपी ने कहा कि ऐसे मामलों में समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए त्वरित कार्रवाई करते हुए गुमशुदा लोगों की बरामदगी के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने सभी थानों को ऐसे मामलों की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया।

☞ **वारंट और कुर्की-जब्ती मामलों में भी तेजी लाने का निर्देश** :- बैठक में लंबित वारंट, कुर्की-जब्ती, जमानत और अन्य न्यायालयीय प्रक्रियाओं की भी समीक्षा की गई। एसएसपी ने कहा कि अदालत से जुड़े मामलों के निष्पादन में तेजी लाई जाए और लंबित मामलों को जल्द पूरा किया जाए।

☞ **जनता की सुरक्षा पहली प्राथमिकता** :- बैठक के अंत में एसएसपी राकेश रंजन ने सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराध पर नियंत्रण करना और लोगों को सुरक्षित माहौल देना पुलिस की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हर अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करे, ताकि लोगों का पुलिस पर भरोसा और मजबूत हो सके।●

चोरी करने वाला गिरोह रांची पुलिस के गिरफ्त में

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में लगातार हो रहे गृहभेदन और चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर सफलता हासिल किया है। पुलिस ने एक संगठित चोर गिरोह के सरगना समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में गिरोह का सरगना शेख अफरोज उर्फ पुटीलाल और लोवाडीह स्थित महारानी ज्वेलर्स का संचालक कृष्णा कुमार शामिल हैं।गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर भारी मात्रा में सोना-चांदी के जेवर, नकदी, हथियार और अन्य सामान बरामद किया गया है।

☞ **बंद घर से हुई थी 15 लाख से अधिक की चोरी :-** ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने मीडिया को बताया कि बीते 27 मई को केतारी बगान, नामकुम निवासी दीपक कुमार उर्फ पिंटू के बंद घर का ताला तोड़कर चोरों ने लगभग 15 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर, महंगी घड़ियां और 30 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए थे। इस घटना के अलावा नामकुम थाना क्षेत्र में कई अन्य बंद घरों में भी चोरी की घटनाएं हुई थीं। लगातार हो रही चोरियों को देखते हुए रांची एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर रूरल एसपी गौरव गोस्वामी और डीएसपी अमर पांडेय के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम को अपराधियों की गिरफ्तारी और चोरी के सामान की बरामदगी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

☞ **पश्चिम बंगाल से दबोचा गया गिरोह का सरगना :-** जांच और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरोह का मुख्य सरगना शेख अफरोज उर्फ पुटीलाल उर्फ अहमद राजा उर्फ साहिल (24) को गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले का रहने वाला है और फिलहाल रांची में रह रहा था। पुलिस ने उसके पास से चोरी की रकम में से एक लाख रुपये नकद, एक देसी पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूस, एक घड़ी और मोबाइल फोन बरामद किया।

☞ **6 से 7 अपराधियों का गिरोह चलाता था सरगना :-** पूछताछ में शेख अफरोज ने खुलासा किया कि वह अपने 6 से 7 साथियों के साथ मिलकर बंद घरों की रेकी करता था। घर खाली मिलने पर गिरोह चोरी की घटना को अंजाम देता था। चोरी के बाद जेवरात और अन्य कीमती सामान को बेचकर रकम आपस में बांट ली जाती थी। उसने पुलिस को बताया कि चोरी के अधिकांश जेवर लोवाडीह स्थित महारानी ज्वेलर्स में कम कीमत पर बेचे जाते थे।नामकुम की इस बड़ी चोरी में भी सारे जेवरात लगभग छह लाख रुपये में जेवर बेचे गए थे।

☞ **ज्वेलर्स दुकान से बरामद हुए 212 ग्राम सोना और 18 किलो चांदी :-** गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने लोवाडीह स्थित महारानी ज्वेलर्स में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान लगभग 212 ग्राम सोना और 18 किलोग्राम चांदी बरामद की गई। जांच में सामने आया कि चोरी के जेवरों को दुकान मालिक गलाकर नए जेवर के रूप में तैयार कर देता था। इसके बाद पुलिस ने महारानी ज्वेलर्स के संचालक कृष्णा कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया।

☞ **कई थाना क्षेत्रों में फैला था गिरोह का नेटवर्क :-** पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह केवल नामकुम ही नहीं बल्कि सदर थाना, लोअर बाजार थाना और अन्य क्षेत्रों में भी चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है। चोरी के बाद सभी जेवर एक ही ज्वेलर्स के माध्यम से खपाए जाते थे।

☞ **15 से अधिक मामलों में शामिल है मुख्य आरोपी :-** पुलिस के अनुसार शेख अफरोज एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ रांची के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, गृहभेदन, अवैध हथियार रखने और अन्य गंभीर अपराधों के 15 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह कई बार जेल भी जा चुका है।

☞ **बरामद सामान :-** पुलिस ने आरोपियों के पास से लगभग 212 ग्राम सोने के जेवर, 18 किलोग्राम चांदी के जेवर, 1 लाख रुपये नकद, एक देसी पिस्तौल, तीन जिंदा गोलियां, एक घड़ी और एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

☞ **अन्य आरोपियों की तलाश जारी :-** पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान कर ली गई है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इसके साथ ही गिरफ्तार ज्वेलर्स संचालक के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

☞ **पुलिस टीम में शामिल सदस्य :-** इस कार्रवाई में मुख्यालय वन डीएसपी, नामकुम थाना प्रभारी राम नारायण सिंह, पु०अ०नि०, शशि रंजन, जयेदव कुमार सराक, सोनू कुमार दास,स०अ०नि०, उज्जवल कुमार सिंह ल,सत्येन्द्र सिंह, तारकेश्वर प्रसाद केसरी और थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।●

राँची में नक्सल नेटवर्क पर सबसे बड़ा वार PLFI स्टेट चीफ अमृत होरो हुआ गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची में पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी और ऐतिहासिक कामयाबी मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन PLFI के स्टेट चीफ और 10 लाख रुपये का इनामी नक्सली अमृत होरो उर्फ मेचो उर्फ सूर्या को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक ऑटोमैटिक पिस्टल, चार जिंदा गोलियां, तीन मोबाइल फोन और च्स्थ्य के नक्सली पर्चे बरामद किए गए हैं।करीब 16 वर्षों से पुलिस के लिए सिरदर्द बना अमृत होरो हत्या, रंगदारी, आगजनी और ठेकेदारों पर हमले समेत 50 से अधिक संगीन मामलों में आरोपी था। नक्सली अमृत होरो की गिरफ्तारी के सम्बंध में शुक्रवार को एसएसपी कार्यालय में एसएसपी राकेश रंजन ने प्रेसवार्ता में पूरी जानकारी दी। इस दौरान ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी और बेड़ो डीएसपी भी मौजूद थे। एसएसपी राकेश रंजन ने मीडिया को बताया कि 28 मई 2026 की देर शाम गुप्त सूचना मिली थी कि अमृत होरो अपने साथियों के साथ लापुंग थाना क्षेत्र के महुगांव जंगल के आसपास हथियारों के साथ घूम रहा है और किसी बड़ी नक्सली घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी के निर्देशन में और डीएसपी बेड़ो दीपक कुमार के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया।

☞ **महुगांव जंगल में घेराबंदी कर दबोचा गया :-** पुलिस टीम ने देर रात जाल बिछाया और महुगांव के जंगल इलाके में घेराबंदी की। इस दौरान एक हथियारबंद शख्स को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान अमृत होरो के रूप में बताई। उसने यह भी स्वीकार किया कि वह PLFI का स्टेट चीफ है।

☞ **50 से ज्यादा मामलों में था वांटेड :-** एसएसपी ने बताया अमृत होरो पिछले 16 वर्षों से झारखंड के विभिन्न जिलों में नक्सली गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। उसके खिलाफ रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा और पश्चिमी सिंहभूम समेत कई जिलों में 50 से अधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, रंगदारी, लेवी वसूली, आगजनी, फायरिंग और आपराधिक साजिश जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

☞ **व्यवसायियों और ठेकेदारों से मांगता था लेवी :-** पूछताछ में अमृत होरो ने खुलासा किया कि PLFI के नाम पर व्यवसायियों, ठेकेदारों और निर्माण कंपनियों में दहशत फैलाकर फोन और सोशल मीडिया एप के जरिए रंगदारी और लेवी की मांग की जाती थी। जो लोग पैसे देने से इनकार करते थे, उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती थी।

☞ **कई चर्चित घटनाओं में रहा शामिल :-** पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अमृत होरो कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहा है। वर्ष 2023 में लापुंग के हुलसू गांव निवासी राजेश कुमार साहू की हत्या, वर्ष 2024 में जलमीनार निर्माण कार्य में 20 लाख रुपये की लेवी मांगने, खूंटी में रेल लाइन परियोजना स्थल पर फायरिंग कर रोड रोलर जलाने और 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगने जैसे मामलों में उसका नाम सामने आया था। इसके अलावा लोहरदगा में राशन दुकान संचालक से 10 लाख रुपये की लेवी मांगने, बड़े कारोबारी को हर प्रोजेक्ट में 5%कमीशन नहीं देने पर जान से मारने की धमकी और पश्चिमी सिंहभूम में अपने ही संगठन के सदस्य की हत्या के मामले में वह आरोपी रहा है।

☞ **टूट गई संगठन की कमर, एसएसपी :-** एसएसपी राकेश रंजन ने आगे कहा कि अमृत होरो की गिरफ्तारी से च्स्थ्य संगठन की कमर टूट गई है। उसकी गिरफ्तारी के साथ ही पीएलएफआई संगठन के शीर्ष नेतृत्व का लगभग पूरी तरह सफाया हो गया है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इससे राज्य में संगठन की गतिविधियों को बड़ा झटका लगेगा और रंगदारी तथा उग्रवादी घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।सुरक्षा एजेंसियां अब उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य उग्रवादियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही हैं।●

फ्लैट में चला रहे थे साइबर ठगी की पाठशाला

50 पासबुक और 26 डेबिट कार्ड के साथ पांच साइबर ठग गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के गोंदा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश कर सफलता हासिल किया है। पुलिस ने धावन नगर स्थित रॉक व्यू अपार्टमेंट के एक फ्लैट में छापेमारी कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बड़ी संख्या में बैंक पासबुक, डेबिट कार्ड, चेकबुक, मोबाइल फोन और आधार कार्ड बरामद किए गए हैं। एसएसपी राकेश रंजन ने प्रेस वार्ता में बताया कि 28 मई की रात करीब आठ बजे गुप्त सूचना मिली थी कि चांदनी चौक स्थित रॉक व्यू अपार्टमेंट के एक फ्लैट में कुछ लोग साइबर अपराध से जुड़ी गतिविधियों में शामिल हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस उपाधीक्षक सदर संजीव बेसरा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया और फ्लैट में छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान फ्लैट के अंदर पांच लोगों को मौजूद पाया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से कई संदिग्ध और आपत्तिजनक सामान बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे फर्जी पहचान पत्र बनाकर लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाते थे और उनका इस्तेमाल साइबर ठगी में करते थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि जिस फ्लैट में वे रह रहे थे, वह "निखिल भैया" नामक व्यक्ति का है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उसी व्यक्ति ने उन्हें यहां बुलाया था और साइबर अपराध करने के तरीके सिखाए थे। जांच एवं तलाशी के क्रम में पुलिस ने मौके से कुल 50 बैंक पासबुक बरामद किए हैं, जो अलग-अलग नामों से जारी किए गए थे। इसके अलावा 26 डेबिट कार्ड, आठ चेकबुक, 13 मोबाइल फोन और तीन आधार कार्ड भी जब्त किए गए हैं। बरामद मोबाइल फोन में से आठ मोबाइल खुले मिले, जिनके आईएमईआई नंबर नोट किए गए हैं। बाकी मोबाइल

लॉक या स्विच ऑफ स्थिति में पाए गए।

पुलिस ने जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें जामताड़ा, रामगढ़ और बोकारो जिले के निवासी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में जामताड़ा का काजल कुमार मंडल (24), बोकारो का बिक्की कुमार (23), एवं रामगढ़ का शाकिब अंसारी (20) और आनंद कुमार (18) शामिल है। इसके अलावा रामगढ़ का रहने वाला एक नाबालिग आरोपी को डिटेन किया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर रांची के गोंदा थाना में मामला दर्ज किया है। बरामद दस्तावेजों और मोबाइल फोन की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है और इसके तार किन-किन राज्यों तक फैले हुए हैं। इस कार्रवाई में गोंदा थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा, एसआई सनी कुमार, ओम प्रकाश प्रसाद, एएसआई रामजन्म प्रसाद, सिपाही प्रेमचंद चौधरी तथा गोंदा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।●

होटल की आड़ में चल रहे जिस्मफरोसी के धंधे

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के हरमू इलाके में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। हरमू स्थित बिजली ऑफिस के पीछे एक मकान में छापेमारी कर पुलिस ने होटल मैनेजर समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, राँची एसएसपी राकेश रंजन को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि होटल की आड़ में देह व्यापार का अवैध कारोबार संचालित किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि होते ही एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर हटिया डीएसपी नीरज कुमार के नेतृत्व में अरगोड़ा थानाप्रभारी अनिल तिवारी, डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद, महिला मजिस्ट्रेट और पुलिस बल के साथ हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित मकान पर योजनाबद्ध तरीके से होटल को चारों ओर से घेर लिया और अचानक दबिश देकर वहां मौजूद लोगों को पकड़ लिया। रेड के दौरान दो युवतियां और तीन युवक आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए। पुलिस ने सभी पांचों को मौके से गिरफ्तार कर लिया, साथ ही सेक्स रैकेट चलाने वाले मुख्य आरोपी को भी हिरासत में ले लिया गया।

☞ **रांची में सक्रिय है महिला दलाल :-** छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल की एक महिला 40, एक 20 साल की युवती, तीन ग्राहक और होटल मैनेजर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। कार्रवाई के दौरान होटल परिसर से कुछ आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पकड़ाई महिला दलाल राँची के कई होटलों में युवतियों को देह-व्यापार के लिए भेजा करती है। महिला दलाल ही शहर में कई दलाल से सम्पर्क कर लड़कियां उपलब्ध कराती है। पुलिस अब हिरासत में लिए गए लोगों से गहन पूछताछ कर रही है। जांच में पुलिस यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस कथित नेटवर्क का संचालन कब से हो रहा था और इसके तार किन-किन लोगों से जुड़े हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही शहर में चल रही अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है और होटल कारोबार से जुड़े लोगों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

☞ **बंगाल से लाई गई लड़कियां, पांकी निवासी है मकान मालिक :-** इस पूरे मामले में हटिया डीएसपी नीरज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई। ये होटल नहीं ये किसी गेस्ट हाउस टाइप का मकान है। जांच में पता चला है कि ये मकान पांकी के रहने वाले एक व्यक्ति का है, जिसे किराए पर लेकर एक व्यक्ति बंगाल से लड़कियों को बुलाकर सेक्स रैकेट का संचालन कर रहा था। फिलहाल मकान को सील कर की जा दिया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस रैकेट के अन्य सदस्यों और पीड़ित लड़कियों की तस्करी के पहलुओं की भी जांच कर रही है।

☞ **मकान सील, आगे हो रही है जांच :-** पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद मकान को सील कर दिया है। पुलिस सभी गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही है और पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस रैकेट का संचालन कौन कर रहा था और इसमें अन्य लोगों की क्या भूमिका थी। पुलिस मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेजों की भी जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को इस मामले में और लोगों के शामिल होने की आशंका है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले का खुलासा किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ●

आरएसएस कार्यालय में पेट्रोल बम से हमला

पुलिस गिरफ्त में आये तीन अपराधी

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के चुटिया स्थित है यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झारखंड प्रदेश कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम सैफ अंसारी, अमन अंसारी उर्फ गोलू और सायम सुजान बताए गए। तीनों आरोपी लोहरदगा के रहने वाले हैं। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की है। इस बीच मुख्य आरोपी सैफ अंसारी ने पुलिस हिरासत से दो बार भागने की कोशिश की। पहली बार वह कोतवाली थाना परिसर के शौचालय से फरार हो गया और दूसरी बार मांडर में पुलिसकर्मी का हथियार छीनकर भागने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अब आगे की जांच झारखंड एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) करेगी।

कोतवाली थाना के शौचालय की टूटा खिड़की

☞ **16 जून की रात हुई थी पेट्रोल बम फेंकने की वारदात :-** एसएसपी राकेश रंजन ने मीडिया को बताया कि बीते 16 जून की रात चुटिया के निवारणपुर स्थित है के झारखंड प्रदेश कार्यालय पर अज्ञात लोगों ने पेट्रोल बम फेंका था। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे

एनकाउंटर स्थल

इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। चुटिया थाना में इस मामले में गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। शुरुआती जांच के बाद एसएसपी के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के संयुक्त नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया।

☞ **सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच से मिली बड़ी सफलता :-** एसआईटी ने सबसे पहले घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की गई। इन्हीं सुरागों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी राज्य छोड़कर भागने की तैयारी में हैं। इसके बाद पुलिस ने तुरंत अलग-अलग टीमों को सक्रिय किया।

☞ **कोडरमा स्टेशन के पास दबोचे गए दो आरोपी :-** बोकारो और कोडरमा पुलिस की मदद से गझंडी रेलवे स्टेशन के पास सैफ अंसारी और अमन अंसारी उर्फ गोलू को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने वारदात में अपनी भूमिका स्वीकार कर ली। उन्होंने पुलिस को बताया कि इस घटना में उनका तीसरा साथी सायम सुजान भी शामिल था। इसके बाद पुलिस ने रांची में छापेमारी कर सायम सुजान को भी गिरफ्तार कर लिया।

☞ **नाले के पास मिले वारदात वाले कपड़े :-** पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने पुलिस को कई अहम जानकारियां दीं। उनकी निशानदेही पर घटना के समय पहने गए कपड़े लोअर बाजार थाना क्षेत्र के एक नाले के पास से बरामद किए गए। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल की गई रैपिडो कैब के रूप में उपयोग की गई एक सेंट्रो कार और चार स्मार्टफोन भी पुलिस ने जब्त किए हैं। अब इन मोबाइल फोन की जांच की जा रही है ताकि आरोपियों के संपर्क और उनकी गतिविधियों की पूरी जानकारी मिल सके।

☞ **किसी बड़े नेटवर्क से जुड़े हैं आरोपी :-** पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए इस बात से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता कि आरोपियों के तार किसी अंतरराष्ट्रीय मॉड्यूल या बड़े नेटवर्क से जुड़े हों। इसी वजह से एसएसपी ने मामले की जांच झारखंड एटीएस को सौंपने का अनुरोध किया था। सरकार से मंजूरी मिलने के बाद अब पूरे मामले की आगे की जांच एटीएस करेगी।

☞ **शौचालय से फरार हुआ आरोपी :-** गुरुवार दिन के करीब साढ़े 11 बजे गिरफ्तार आरोपी सैफ अंसारी को कोतवाली थाना परिसर लाया गया था। उसने शौच जाने की बात कही। पुलिसकर्मी उसे शौचालय तक लेकर गए। पुलिस के अनुसार, सैफ ने मौके का फायदा उठाया और शौचालय के वेंटिलेशन की ग्रिल और शीशा तोड़कर वहां से भाग निकला। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया और सभी थाना प्रभारियों को उसकी तलाश में लगा दिया गया।

☞ **मांडर में फिर भागने की कोशिश, पुलिस ने चलाई गोली :-** कुछ ही देर बाद मांडर थाना क्षेत्र के चामा मोड़ के पास वाहन जांच के दौरान पुलिस ने सैफ अंसारी को दोबारा पकड़ लिया। लेकिन यहां भी उसने पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने एक पुलिसकर्मी का हथियार छीन लिया और भागने लगा। इसके बाद आत्मरक्षा और उसे रोकने के लिए पुलिस ने फायरिंग की। गोली उसके पैर में लगी, जिसके बाद उसे काबू में कर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

☞ **ATS की जांच पर टिकी नजर :-** इस पूरे मामले ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। अब ATS यह पता लगाएगी कि पेट्रोल बम हमला केवल स्थानीय स्तर पर रची गई साजिश थी या इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क का हाथ है। वही एसएसपी राकेश रंजन का कहना है कि इस घटना की हर पहलू की गहराई से जांच की जा रही है। पुलिस डिजिटल साक्ष्यों, मोबाइल डेटा और आरोपियों के संपर्कों की भी गहराई से जांच कर रही है। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की संभावना हो सकती है।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- इस माह खर्च अधिक बढ़ सकता है इसलिए उस दौरान बेवजह के खर्चों पर अंकुश लगाये,ऑफिशिल कार्यों को धैर्य-पूर्वक करने पर सफलता प्राप्त होगी, बॉस को प्रसन्न करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करनी चाहिए जिससे पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होने की संभावना है, जो व्यापारी लोहें व स्टेशनरी से संबंधित व्यापार करते हैं, उनको लाभ होगा माह के मध्य में सरकारी नियमों का विशेष कर पालन करें!

वृषभ राशि :- इस माह कार्यों में मैनेजमेंट प्रत्यक्ष रूप से नजर भी आएगा, ऑफिस के नियमों का पालन करें, इंश्योरेंस से संबंधित व्यापार करने वालों को कोर्ट-कचहरी के मामलों के प्रति सजग रहना होगा खासकर इस महीने कानूनी कार्यवाही से बचकर रहें, अभिभावक बच्चों के स्वभाव पर ध्यान रखें,वह झूठ बोल सकते हैं!

मिथुन राशि :- ऑफिशियल स्थितियों की बात की जाए तो जिन लोगों के टारगेट पिछले कई दिनों से पूरे नहीं हो रहे थे अब उनको लक्ष्य की प्राप्ति होने की संभावनाएं दिख रही है, वहीं दूसरी ओर जॉब सटिस्फैक्शन रहेगा,जो लोग सरकार से संबंधित व्यापार करते है उनको लाभ मिलने की संभावना है, स्वास्थ्य की दृष्टि से रक्त से संबंधित समस्या होने की आशंका है, स्वास्थ्य संबंधित दिक्कत हो, तो डॉक्टर से सलाह लेने में कतई लापरवाही न बरतें, इस राशि के बच्चों को भी खेलते समय चोट-चपेट से सचेत रहना होगा!

कर्क राशि :- शोधपरक कार्यों में लगे लोगों को हताश नहीं होना है, क्योंकि माह के मध्य उपरांत भाग्य कार्यों में सफलता दिलाएगा! वहीं उच्चाधिकारी के सहयोग से कार्य में आ रही मुश्किलों का निराकरण होगा, वर्तमान समय में जो भी व्यवसाय से संबंधित कठिन परिस्थितियां दिख रहीं हैं उनका भी आठ तारीख के बाद से लाभ प्राप्त होना प्रारम्भ हो जाएगा, सेहत की बात करें तो आँखों व पेट का विशेष ध्यान रखना होगा गैस्ट्रिक समस्या हो सकती है, इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही घातक होगी!

सिंह राशि :- जिन लोगों के स्थानांतरण या प्रोमोशन से संबंधित स्थितियां विलम्ब चल रही थी उनको माह के अंत तक शुभ समाचार प्राप्त होगा, सरकारी विभाग से जुड़े लोगों के पद, प्रतिष्ठा व मान-सम्मान में वृद्धि होगी. कपड़ों का व्यापार करने वालों को लाभ की संभावनाएं बनी हुई है, जिनको पेट से संबंधित दिक्कतें थी उनको सत्रह के बाद आराम मिलना प्रारम्भ हो जाएगा,किसी आध्यात्मिक अथवा पारिवारिक मांगलिक उत्सव से मन प्रसन्न रहेगा!

कन्या राशि :- कार्य के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर आनंद की अनुभूति होगी, वरिष्ठों एवं सम्मानित व्यक्तियों का सानिध्य प्राप्त होगा,व्यवसाय में काम को अच्छे तरीके से करने का समय है. सोलह के बाद स्थितियां लाभप्रद होती दिखाई दे रही हैं, पार्टनरशिप में व्यापार करने वालों को पार्टनर का सहयोग प्राप्त होगा, काम-धंधे का जो पहिया रुक गया था वह भी अब गति पकड़ने लगेगा, विदेश से जुड़े व्यापार में भी अब तेजी आएगी!

तुला राशि :- किसी गरीब की मदद करने का मौका मिले तो उस अवसर को हाथ से जाने नहीं देना चाहिए इस महीने बॉस की बातों को गंभीरता से लें उनके साथ वाद-विवाद करने आपकी नौकरी के लिए ठीक नहीं, विदेश से संबंधित कारोबार करने वालों का भाग्योदय की संभावना है,जो लोग पैतृक व्यापार करते हैं उनको पितरों को प्राणाम कर ही दिन की शुरुआत करनी चाहिए!

वृश्चिक राशि :-एनजीओ से जुड़े लोगों को भी सम्मान मिलेगा, ऑफिशियल स्थितियों की बात करें तो कार्य में बाधाएं आएगी लेकिन उसको धैर्य से निपटाना चाहिए,हो सकता है उच्चाधिकारी बदल जाएं जिसको लेकर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़े, व्यापारियों को लॉक डाउन के चलते पिछले दो महीनों से जो आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था, अब राहत मिलने की संभावनाएं बनेंगी, साथ ही शासन-प्रशासन का सहयोग प्राप्त होगा, हेल्थ में शारीरिक कष्ट से छुटकारा मिलेगा लेकिन क्रोध और चिंता से बचकर रहना चाहिए!

धनु राशि :- टेलिकम्युनिकेशन से संबंधित जॉब करने वालों को टार्गेट पर पैनी निगाह बनाए रखें, क्योंकि इस समय की गयी मेहनत का अच्छा परिणाम प्राप्त होगा,सोलह के बाद सुख-सुविधाओं के प्रति आकर्षित होते नजर आएंगे,शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों को अधिक मेहनत करनी होगी, वहीं मान-सम्मान में वृद्धि होगी,भूमि से संबंधित कारोबार करने वालों को धन लाभ की संभावना है,वहीं व्यापारिक विरोधी परास्त होंगे,कमर दर्द, जोड़ों का दर्द व सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस की समस्याओं को लेकर परेशान हो सकते हैं!

मकर राशि :- आत्मविश्वास में वृद्धि होगी ज्ञान के आस-पास रहते हुए खुद को अपडेट करें, जिम्मेदारियों का भार कुछ कम होता हुआ नजर आ रहा है, किए गए परिश्रम का फल भी प्राप्त होगा,जो व्यापारी इलेक्ट्रानिक से संबंधित व्यापार करते है उनको लाभ होगा,जिन लोगों को सर्जरी करानी है उनको इन्फेक्शन के प्रति विशेष अलर्ट रहना चाहिए,क्योंकि ग्रहों की नकारात्मक कॉम्प्लिकेशन निगेटिव रिजल्ट लाने वाली होगी!

कुंभ राशि :- सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी का सामान, पुस्तक या ऑनलाइन कोई कोर्स भी आप ज्वाइन कर सकते हैं. क्रोध की स्थिति से बच कर रहें खासकर इस महीने क्रोध वाणी के माध्यम से दूसरों को चोट पहुंचा सकतें हैं!कार्यकुशलता में बढ़ोत्तरी होगी, शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को लाभ होगा! व्यापार को बढ़ाने के लिए प्लानिंग करनी चाहिए,महिलाओं में हिमोग्लोबिन की कमी हो सकती है, विशेष रूप से उन महिलाओं को सचेत रहना होगा, जिनका हिमोग्लोबिन निरंतर कम ही रहता है!

मीन राशि :-ऑफिशियल स्थिति की बात करें तो कई पजल्स सुलझाने पड़ेंगे प्राय: सभी कार्यों में सफलता से मनोबल भी बढ़ेगा, उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा, कीटनाशक दवाइयों का व्यापार करने वालों को मुनाफा हाथ लगेगा,नए व्यापार करने कि इच्छा रखने वालों को आर्थिक नफा-नुकसान सोच समझकर ही कोई फैसला लेना चाहिए, सेहत में प्राणायाम और योग पर विशेष देना ध्यान होगा, नियमित रूप से योग करने से प्रतिरोधक क्षमता में विकास होगा!

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485

7004408851

E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

☆ साइबर अपराध क्या है एवं इसके कानूनी प्रावधान क्या है कृपया जानकारी दीजिए?

साइबर अपराध किसी भी गैरकानूनी गतिविधि को कहते हैं जिसमें कंप्यूटर, कंप्यूटर नेटवर्क या डिजिटल डिवाइस का इस्तेमाल अपराध करने या अपराध करने में मदद करने के लिए किया जाता है, जैसे हैकिंग, फिशिंग, पहचान की चोरी और मैलवेयर फैलाना, जिसका उद्देश्य अक्सर वित्तीय लाभ या डेटा चुराना होता है. यह ऑनलाइन होता है और इसकी कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती, जिससे अपराधी और पीड़ित दुनिया में कहीं भी हो सकते हैं।

साइबर अपराध आज के नए जमाने के टेक्नोलॉजी से संपन्न अपराधियों के द्वारा किया जाने वाला नए प्रकार का अपराध है। आज के समय में साइबर अपराध एक अंतरराष्ट्रीय समस्या बन गई है। इसीलिए भारत में एक साइबर कानून बनाया गया है, यह साइबर कानून डिजिटल दुनिया में होने वाले अपराधों और सुरक्षा को नियंत्रित करने वाले कानूनों का एक समूह है। यह मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 (आईटी एक्ट) पर आधारित है, जो साइबर अपराधों जैसे हैकिंग, डेटा चोरी और ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटता है।

❖ **साइबर अपराध के प्रकार** :- सामान्य अपराधों में फिशिंग, रैनसमवेयर हमले और पहचान चोरी शामिल हैं, जो 2025 में भारत में आरएस 1.2 लाख करोड़ के नुकसान हमलों की निगरानी करती हैं, जबकि 14 सी साइबर धोखाधड़ी का समन्वय करता है।

☞ **हैकिंग** :- अनाधिकृत रूप से कंप्यूटर सिस्टम या नेटवर्क तक पहुंच बनाना और जानकारी चुराना।

☞ **फिशिंग** :- धोखे से संवेदनशील जानकारी (जैसे पासवर्ड, क्रेडिट कार्ड नंबर) प्राप्त करने के लिए नकली ईमेल या वेबसाइट भेजना।

☞ **मैलवेयर** :- कंप्यूटर को नुकसान पहुँचाने या डेटा चुराने के लिए वायरस, ट्रोजन, रैंसमवेयर जैसे दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर फैलाना।

❖ **पहचान की चोरी** :- किसी और की व्यक्तिगत जानकारी चुराकर उसका गलत इस्तेमाल करना।

❖ **रैंसमवेयर** :- डेटा को एन्क्रिप्ट (encrypt) करके फिरौती मांगना।

❖ **स्पैम** :- बड़ी मात्रा में अनचाहे ईमेल भेजना, अक्सर फिशिंग या मैलवेयर फैलाने के लिए।

❖ **मुख्य उद्देश्य** :-

☞ **वित्तीय लाभ** :- पैसे चुराना, फिरौती मांगना।

☞ **डेटा चोरी** :- व्यक्तिगत या गोपनीय जानकारी चुराना।

☞ **नुकसान पहुँचाना** :- सिस्टम या नेटवर्क को बाधित करना।

☞ **अफवाह फैलाना** :- समाज में अशांति या हिंसा फैलाना।

☆ भारत में प्रमुख साइबर अपराध और दंड क्या हैं?

भारत में साइबर अपराध डिजिटल माध्यमों से किए जाने वाले अपराध हैं, जिनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (आईटी एक्ट) इनका मुख्य कानून है, जिसमें विभिन्न धाराओं के तहत सजाएं निर्धारित हैं।

❖ **प्रमुख अपराध** :-

☞ **हैकिंग (धारा 66)** :- कंप्यूटर सिस्टम को नुकसान पहुंचाना या अनधिकृत पहुंच।

☞ **दंड** :- 3 वर्ष तक कैद और/या 5 लाख रुपये जुर्माना।

☞ **ऑनलाइन धोखाधड़ी** :- इसके लिए 3 से 7 साल तक की कैद और जुर्माना हो सकता है।

☞ **साइबर अपराध के उपकरण रखना (धारा 66D)** :- इरादतन उपकरण रखने पर 3 साल तक की कैद या 1 लाख तक का जुर्माना।

☞ **अपमान या धमकी (IPC की धारा 504, 506)** :- इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अपमान या धमकी देने पर 2 साल तक की कैद या जुर्माना।

☞ **पासवर्ड चोरी (धारा 66 सी)** :- धोखे से पासवर्ड या डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग।

❖ **दंड** :- 3 वर्ष तक कैद और/या 1 लाख रुपये जुर्माना।

☞ **निजी तस्वीरें प्रकाशित करना (धारा 66 ए)** :- बिना सहमति निजी छवियां साझा करना।

❖ **दंड** :- 3 वर्ष तक कैद और/या 2 लाख रुपये जुर्माना।

☞ **साइबर आतंकवाद (धारा 66 एफ)** :- राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा।

❖ **दंड** :- 5 वर्ष तक कैद और/या 10 लाख रुपये जुर्माना।

❖ **अन्य महत्वपूर्ण अपराध** :-

☞ **यौन सामग्री प्रसार (धारा 67 ए)** :- स्पष्ट यौन छवियां प्रकाशित करना।

❖ **दंड** :- पहली बार 5 वर्ष कैद, दोबारा 7 वर्ष और जुर्माना।

☞ **बाल अश्लीलता (धारा 67 बी)** :- बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री।

❖ **दंड** :- 5 वर्ष तक कैद और जुर्माना।

❖ **मुख्य बात** :- सजा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (IT Act) 2000 और भारतीय दंड संहिता (IPC) की धाराओं के तहत तय होती है। अपराध जितना गंभीर होता है, सजा उतनी ही कड़ी होती है, और इसमें जुर्माना भी शामिल होता है।

❖ **रिपोर्ट कैसे करें (भारत में)** :-

☞ आप भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर जाकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

☞ आप 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके भी शिकायत कर सकते हैं.

❖ **प्रमुख कानून** :-

☞ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66 हैकिंग और डेटा क्षति के लिए सजा का प्रावधान करती है, जबकि धारा 66 एफ साइबर आतंकवाद को परिभाषित करती है।

☞ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराएं जैसे 420 (धोखाधड़ी) भी साइबर मामलों में लागू होती हैं।

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

www.shruticommunicationtrust.org

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)
Jharkhand State Office:- **Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi**
Mob.- 9431073769

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008